धनबाद
बुधवार 06.11.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-253 पृष्ठ- 12
कार्तिक शुक्ल पक्ष-5
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

चुनाव से पहले सीबीआई का 20 जगहों पर मारा छापा, 16 जिंदा कारतूस और 50 लाख कैश जब्त

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा चुनाव २०२४ के पहले सीबीआई ने मंगलवार सुबह करीब ११ बजे बड़ी कार्रवाई की है. करीब १२०० करोड़ रुपये के अवैध स्टोन माइनिंग के मामले में उइख ने विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के सहयोगियों के झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार में स्थित करीब २० जगहों पर छापेमारी की. झारखंड के ३ जिले साहिबगंज, पाकुड़, राजमहल में रेड मारी गई है. कोलकाता और पटना में भी सीबीआई की टीम ने छापा मारा है. छापेमारी के दौरान अलग-अलग जगहों से ५० लाख कैश, एक किलो सोना, सवा किलो चांदी और १६ जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं.

झारखंड में बरहट विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा की मुश्किलें और बढ़ गई हैं. सीएम हेमंत सोरेन के करीबी पंकज मिश्रा और कई लोगों के खिलाफ अवैध खनन मामले में सीबीआई ने २०२३ में एफआईआर दर्ज की थी. मंगलवार को साहिबगंज, गुमला, पाकुड़ और राजमहल में छापा मारा गया. साहिबगंज में ६ लोगों राजमहल उधवा के बड़े कारोबारी महताब आलम, मिर्जाचौकी के रंजन वर्मा, संजय जायसवाल, बरहरवा के सुब्रतो पाल, पत्थर व्यवसायी टिंकल भगत, अवध किशोर सिंह उर्फ पतरु सिंह, बरहरवा के भगवान भगत और कृष्णा शाह के यहां छापेमारी की गई.

सूत्रों के मुताबिक, भगवान भगत के पास से ४० लाख रुपये जब्त किए गए हैं. रंजन वर्मा के यहां से १ किलो सोना मिला है. दोनों विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के करीबी हैं. इसके अलावा कोलकाता और पश्चिम बंगाल में भी अपने छापेमारी की गई है. यहां एक किलो सोना और चांदी का सामान बरामद हुआ है.

झारखंड हाईकोर्ट ने दिया था एफआईआर दर्ज करने का आदेश

नवंबर २०२३ में झारखंड हाईकोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को आदेश दिया कि वह साहिबगंज के निम्बू पहाड़ में पत्थर की अवैध चोरी और खनन के मामले में शुरुआती जांच करने के लिए एफआईआर दर्ज करे. हाईकोर्ट ने सीबीआई से याचिकाकर्ता द्वारा बाद में दायर वकालतनामे की वास्तविकता की जांच करने को कहा था. पंकज मिश्रा पर साहिबगंज में १२०० करोड़ रुपये से ज्यादा की अवैध माइनिंग, उससे हुई अवैध कमाई के अतिरिक्त टेंडर मैनेज करने का भी आरोप लगा है.

ईडी ने झारखंड में अवैध कोयला खनन मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंकज मिश्रा को १९ जुलाई २०२२ को गिरफ्तार किया था. अवैध खनन के आरोपी पंकज मिश्रा को झारखंड हाईकोर्ट ने २१ अक्टूबर को जमानत दे दी थी.

नहाय खाय के साथ सूर्योपासना का छठ महापर्व शुरू, आराधना में लीन हुए व्रती

रांची (एजेंसी): लोक आस्था का महापर्व छठ नहाय खाय से शुरू हो गया है. चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व की शुरुआत कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है. पहले दिन नहाय खाय होता है. छठ महापर्व में इस दिन का खास महत्व और मान्यता है. इस दिन व्रती शुद्ध होकर व्रत की शुरुआत करती है. नहाय खाय के दिन ही छठ में चढ़ने वाला खास प्रसाद (ठेकुआ) के लिए गेंहू को धोकर सुखाया जाता है. पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा को छठ पूजा करने की सलाह दी थी. तभी से महिलाएं यह व्रत कर रही हैं.

नहाय खाय के दिन व्रती खाती हैं सात्विक भोजन

छठ पूजा में सफाई और शुद्धा का विशेष ध्यान रखा जाता है. इस दिन से घर में लहसुन-प्याज नहीं बनता है. नहाय खाय में व्रती विशेष रूप से अरवा चावल, चना का दाल और कद्दु का सब्जी खाती हैं. यह खाना घी में बनाया जाता है. इस दिन खाना बनाने में सेंधा नमक का प्रयोग किया जाता है. इस खाने को सबसे पहले व्रती खाती हैं. उसके बाद घर के सभी लोग इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं. इस दिन से व्रती जमीन में सोती हैं.

लौकी खाने के पीछे की है विशेष मान्यता

नहाय खाय के दिन लौकी की सब्जी बनती है. ऐसी मान्यता है कि लौकी काफी पवित्र होता है. इसमें पर्याप्त मात्रा में जल भी होता है. लौकी में करीब ९६ फीसदी पानी होता है. इसलिए नहाय खाय में लौकी की सब्जी बनायी जाती है. चने की दाल खाने का भी विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि चने की दाल बाकी दालों में सबसे अधिक शुद्ध होती है. इसको खाने से ताकत भी मिलती है.

मिट्टी या लकड़ी के चूल्हे में बनाया जाता है खाना

नहाय खाय के दिन बनने वाला खाना मिट्टी और लकड़ी के चूल्हे में बनाया जाता है. इसमें केवल आम की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है. इस दिन खाना बनाकर पूजा की जाती है और सूर्य भगवान को भोग लगाया जाता है.

लोक गायिका शारदा सिन्हा का निधन 72 साल की आयु में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली (ईएमएस): मंगलवार को पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित लोकगायिका शारदा सिन्हा का ७२ साल की आयु में दुखद निधन हो गया। लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान शारदा सिन्हा के निधन से उनके प्रशंसकों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। शारदा सिन्हा लंबे समय से बीमार चल रहीं थी और एम्स नई दिल्ली में उनका इलाज चल रहा था। शारदा सिन्हा ने मंगलवार रात करीब ९.२० बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन के बाद बेटे अंशुमान सिन्हा ने कहा, आप सब की प्रार्थना और प्यार हमेशा मां के साथ रहेंगे। मां को छठी मईया ने अपने पास बुला लिया है। मां अब शारीरिक रूप में हम सब के बीच नहीं रहीं। लोकप्रिय लोक और शास्त्रीय गायिका शारदा सिन्हा का नाम बिहार की संस्कृति और आकर्षण से जुड़ा हुआ है। अचानक तबीयत बिगड़ जाने पर उन्हें दिल्ली एम्स में लाइफ सपोर्ट के लिए वेंटिलेटर पर रखा गया था।

कला के जगत में दिया अभूतपूर्व योगदान

शारदा सिन्हा को कला जगत में अभूतपूर्व योगदान के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से नवाजा गया था। पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित शारदा सिन्हा के बेटे अंशुमान ने कहा था कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बात कर मां की तबीयत के बारे में जानकारी ली। शारदा सिन्हा को मैथिली और भोजपुरी संगीत में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। उन्हें लोक गायिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए एक सांस्कृतिक राजदूत के रूप में जाना जाता है। गायिकी के अलावा शारदा सिन्हा विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों में भी सक्रिय रहीं। लगभग पांच दशक लंबे संगीत ▶▶ 5

भारत का अल्जीरिया के साथ रक्षा सहयोग के लिए ऐतिहासिक समझौता

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत का अल्जीरिया के साथ रक्षा सहयोग के लिए ऐतिहासिक समझौता हुआ है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान अल्जीरिया के साथ रक्षा सहयोग के लिए ऐतिहासिक समझौता करके मंगलवार को भारत लौटे। सीडीएस जनरल अनिल चौहान पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ अल्जीरिया के चार दिवसीय दौरे पर गए थे। इस दौरान जनरल अनिल चौहान और उनके समकक्ष अल्जीरियाई पीपुल्स नेशनल आर्मी के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल सईद चानेग्रिहा ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता न केवल द्विपक्षीय सैन्य सहयोग में एक कदम आगे माना जा रहा है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहभागिता की नींव भी रखता है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने ०१ नवंबर को अल्जीरियाई क्रांति की ७०वीं वर्षगांठ पर आयोजित सैन्य परेड और विशिष्ट कार्यक्रमों के शृंखला के लिए जनरल सईद चानेग्रिहा की सराहना की। यात्रा के दौरान जनरल चौहान ने हायर वॉर कॉलेज के निदेशक से बातचीत की और पीपुल्स नेशनल आर्मी के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित किया। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने अपनी वैश्विक आकांक्षाओं में अल्जीरिया और भारत के भौगोलिक ▶▶ 5

बीजेपी है शक्तिशाली रॉकेट, झारखंड को नई ऊंचाईयों पर ले जाएगाः राजनाथ सिंह

रांची (एजेंसी): केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने झामुमो, कांग्रेस और राजद को निशाने पर लिया. वे मंगलवार को रांची के रातू में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि बीजेपी शक्तिशाली रॉकेट है, जो झारखंड को नई ऊंचाईयों पर ले जाएगा. झारखंड से हमारा आत्मीयता का रिश्ता रहा है. जेएमएम को निशाने पर लेते हुए कहा कि जब भी जेएमएम के हाथों पर राज्य गया, तब बर्बादी ही हुई. जेएमएम का मतलब जमकर मलाई मारो है. इन्होंने आदिवासियों का खून चूसा है.

भाजपा के एक भी सीएम पर केस नहीं हुआ

राजनाथ सिंह ने कहा कि राज्य बनने के बाद अब तक १३ सीएम बनाए गए. इसमें से भाजपा के एक भी सीएम पर न केस हुआ और न ही कोई जेल गया. बाबूलाल, अर्जुन मुंडा और रघुवर दास पर किसी भी तरह की गड़बड़ी का आरोप नहीं लगा. भाजपा ने ही अलग राज्य बनाया.

सिंह ने कहा कि झारखंड के विकास में तीन ब्रेकर झामुमो, कांग्रेस और राजद हैं. पीएम मोदी के कारण पूरी दुनिया में देश का नाम गूंज रहा

है. धनतेरस के दिन विदेश में रखा भारत का १०२ टन सोना वापस लाया गया. विश्व रैंकिंग में भारत पांचवें स्थान पर है. जल्द ही भारत तीसरे नंबर पर आ जाएगा.

बीजेपी ने किया आदिवासियों का सम्मान

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बीजेपी ने ही सबसे अधिक आदिवासियों का सम्मान किया है. आदिवासी को राष्ट्रपति बनाया. बिरसा जयंती पूरे देश में मनाई जा रही है. ६२ हजार आदिवासी गांव के लिए अलग से योजना बनाई गई है. सभी तरह से आदिवासियों की चिंता की जा रही है.

ओडिशा में चलती ट्रेन पर फायरिंग से दहशत में आए यात्री

भुवनेश्वर (ईएमएस): ओडिशा में हैं। नंदन कानन एक्सप्रेस ट्रेन बदमाशों ने चलती ट्रेन पर फायरिंग की, इससे यात्री दहशत में आ गए और हड़कंप मच गया। कुछ अज्ञात लोगों ने चलती ट्रेन पर गोलियां दागीं। यह घटना राज्य के भद्रक जिले में हुई। ट्रेन पर फायरिंग की घटना की जीआरपी और पुलिस ने जांच शुरू की है। रेलवे के अनुसार, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है, हालांकि रेलवे के कोच के ग्लास टूट गए हैं। घटना के बाद रेलवे की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने नंदन कानन एक्सप्रेस को सुरक्षित किया और उसे पुरी तक ले गए ओडिशा के पुरी और दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलती है। रेलवे ने बयान में कहा कि १२८१६ आनंद विहार-पुरी नंदन कानन एक्सप्रेस के गार्ड ने घटना की सूचना दी। गार्ड ने कहा कि गार्ड वैन की खिड़की पर किसी चीज से हमला किया गया था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना ओडिशा के भद्रक-बौदपुर खंड में सुबह ९.३० बजे के आसपास हुई। ट्रेन सुबह ९.२५ बजे भद्रक स्टेशन से रवाना हुई और कथित गोलीबारी पांच मिनट बाद हुई। इस घटना से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। साथ ही यात्री ▶▶ 5

गुजरात में बुलेट ट्रेन का निर्माणाधीन पुल गिरा, 2 की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस): मंगलवार को गुजरात के आणंद में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए बन रहा एक पुल गिर गया। पुल के मलबे में कई लोगों के दबे होने की जानकारी मिली है।

सूचना के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। आणंद पुलिस, दमकल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

अधिकारी ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत वलसाड के नजदीक बन रहे पुल का हिस्सा गिरा है। आणंद जिले के पुलिस अधीक्षक जीजी जसानी ने बताया कि वासद के पास बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट चल रहा था, जिसमें लोहे की जाली गिरने से तीन से चार मजदूरों के दबने की सूचना मिली थी।

मतदाता पर्ची मतदाता पहचान पत्र नहीं आइडी प्रूफ स्वीकृत : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

रांची (एजेंसी): मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने आज मंगलवार को निर्वाचन सदन में कहा कि मतदाता पर्ची मतदाता पहचान पत्र नहीं है. पूर्व में ऐसा देखने को मिला है कि मतदाता पर्ची को पहचान पत्र समझ कर लोग मतदान करने पहुंच जाते हैं और अनावश्यक रूप से परेशान होते हैं. मतदाता पहचान पत्र के अलावा कुल १२ तरह के आइडी प्रूफ मतदान के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्वीकृत हैं. उसके अतिरिक्त किसी भी तरह के अन्य पहचान पत्र मतदान के लिए वैध नहीं होते हैं.

मतदाता पर्ची का वितरण कार्य 8 नवंबर तक चलेगा

उन्होंने कहा कि प्रथम चरण के चुनाव के लिए मतदाता पर्ची का वितरण कार्य ८ नवंबर तक चलेगा. इस दौरान बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता पर्ची का वितरण कार्य करेंगे, इस बार मतदाता पर्ची में अंकित सीरियल नंबर और पार्ट नंबर को घेरे में दर्शाया गया है, ताकि मतदाता

उन दोनों नंबरों को नोट कर मतदान केंद्रों पर जायें और आसानी से कमसमय में अपना नाम खोज सकें और मतदान के लिए सही कतार में खड़ा हो सकें. इससे जहां समय की बचत होगी, वहीं मतदान की गति भी बढ़ेगी.

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जेएसएलपीएस के कर्मियों को चुनाव कार्य से अलग रखने के लिए कोई निर्देश निर्वाचन आयोग की ओर से नहीं दिया गया है. उन्होंने ▶▶ 5

नए कानून समकालीन समाज की चुनौतियों का समाधान करते हैं : लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली (ईएमएस): लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानून सदन और स्थायी समिति में विस्तृत विचार-विमर्श और जनभागीदारी के बाद पारित किए गए हैं। इन कानूनों के विषय में जानकारी देने के लिए संसद भवन परिसर में संवैधानिक तथा संसदीय अध्ययन संस्थान (आईसीपीएस) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ८३ दूतावासों के १३५ राजनयिकों /पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए बिरला ने कहा कि तीनों नए आपराधिक कानून समकालीन समाज की चुनौतियों और आशाओं के अनुरूप हैं।

बिरला ने कहा कि टेक्नोलॉजी और अपराधों के स्वरुप में आए बदलावों के अनुरूप इन कानूनों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का कानून अंतिम व्यक्ति को न्याय का अधिकार देता है और आम जनता न्यायाधीश को भगवान के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि न्याय पर जनता का अति विश्वास है, जो ७५ वर्षों की यात्रा में और अधिक मज़बूत हुआ है। आज के ▶▶ 5

देश के सभी हाईकोर्ट के जजों को एक समान पेंशन और भत्ते बिना किसी भेदभाव के मिले : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि देश के सभी हाईकोर्ट के जजों को एक समान पेंशन और भत्ते बिना किसी भेदभाव के मिलने चाहिए। अदालत ने कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता और वित्तीय स्वतंत्रता के बीच एक अंतर्निहित संबंध है। सभी हाईकोर्ट के जज एक ही वर्ग के पदाधिकारी हैं। इसलिए उन्हें बिना किसी भेदभाव के पेंशन सहित समान सेवा लाभ दिए जाने चाहिए।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने सवाल उठाया कि सभी हाईकोर्ट के जजों को अलग-अलग पेंशन कैसे दी जा सकती है? अपने आदेश में बेंच ने कहा कि संविधान के आर्टिकल २१६ इस बात में कोई भेद नहीं करता कि हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति कैसे की जाती है? एक बार हाईकोर्ट जज के रूप में नियुक्त होने के बाद सभी जज समान रैंक के होते हैं। हाईकोर्ट संस्था चीफ जस्टिस और नियुक्त किए गए अन्य सभी जजों से मिलकर बनी है। उनके वेतन के भुगतान या अन्य लाभों के मामले में कोई भेद नहीं किया जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने पटना हाईकोर्ट के जजों की पेंडिंग सैलरी और उनके सामने आने वाले पेंशन संबंधी मुद्दों से संबंधित मामले की सुनवाई ▶▶ 5

न्यायपालिका की आजादी का मतलब हमेशा सरकार के खिलाफ फैसला देना नहीं: सीजेआई

चंद्रचूड़ ने लोगों से की न्यायाधीशों के फैसलों पर विश्वास रखने की अपील

नई दिल्ली (ईएमएस): न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि हमेशा सरकार के खिलाफ ही फैसले दिए जाएं। न्यायिक व्यवस्था का निष्पक्ष रहना बहुत जरूरी है।

यह बात दिल्ली के एक कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कही। सीजेआई ने लोगों से न्यायधीशों के फैसलों पर विश्वास रखने की अपील की।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, मैंने जब इलेक्टोरल बॉन्ड के मामले में केंद्र सरकार के खिलाफ फैसला दिया तो उसे निष्पक्ष माना गया था। यानी जब आप इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में फैसला देते हैं तो पूरी तरह आजाद होते हैं, अगर कोई फैसला सरकार के पक्ष में चला जाए तो फिर आप आजाद नहीं रहते। मुझे लगता है कि स्वतंत्रता की यह परिभाषा नहीं होनी चाहिए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने १५ फरवरी २०२४ को इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को असंवैधानिक करार दिया था।

साथ ही इसे बंद करने का आदेश दिया था। इस योजना के तहत राजनीतिक पार्टियों को फंडिंग मिलने का प्रावधान था। सीजेआई ने प्रधानमंत्री के उनके आवास पर आने के बारे में कहा, प्रधानमंत्री गणपति पूजा के लिए मेरे घर आए।

इसमें कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि सामाजिक स्तर पर न्यायपालिका और कार्यपालिका से जुड़े व्यक्तियों के बीच निरंतर बैठकें होती हैं।

अयोध्या राम मंदिर विवाद के समाधान के लिए भगवान से प्रार्थना करने संबंधी सीजेआई के बयान पर काफी हंगामा हुआ था। उन्होंने खुद को सभी धर्मों का सम्मान करने वाला आस्थावान व्यक्ति बताया। सीजेआई ने कहा, यह सोशल मीडिया की समस्या है।

आपको उस पृष्ठभूमि के बारे में भी बताना चाहिए, जिसके तहत मैंने वह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद में समाधान के लिए भगवान से प्रार्थना की थी। चंद्रचूड़ ने कहा था कि अगर किसी के अंदर आस्था हो तो भगवान रास्ता निकाल देगा।

चार दिवसीय महापर्व छठ नहाएखाय के साथ प्रारंभ

धनबाद (कासं) : लोक आस्था का महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान मंगलवार को नहायखाय से शुरू हुआ। लोक आस्था का महापर्व के प्रथम दिन पूरे जिले में छठव्रर्तियों ने नहायखाय में पूरी पवित्रता के साथ अरवा चावल, चना दाल, कद्दू की सब्जी और आंवले की चटनी आदि का भोग लगाया। उसके बाद प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद परिवार के लोगों ने भी नहाए खाए का प्रसाद खाया। नहायखाय के अगले दिन बुधवार को पूरे दिन निर्जला उपवास रख व्रती संध्या काल खरना करेंगी। इसके अगले दिन सात नवंबर गुरुवार को महापर्व छठ का पहला अर्घ्य अस्ताचलगामी सूर्य को अर्पित किया जायेगा। सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पण के संग सूर्योपासना का यह महापर्व शुक्रवार को संपन्न होगा। इसके साथ ही ३६ घंटे का निर्जला उपवास व्रती खंडित करेंगे। जिले में भी छठ पर्व को लेकर समाजसेवी दिलीप सिंह ने बताया कि उनके घर में भी चार दिवसीय महापर्व उनकी माता व चाची के द्वारा ३६ घंटे का निर्जला उपवास करके छठ नहाए खाय के साथ शुरू हुआ है और साथ ही प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी छठ तालाब के मार्गों में साफसफाई का सेवा कार्य करेंगे व छठ व्रतियों में फल दूध जल का वितरण करेंगे।

नए जिला जज ने दिया योगदान

धनबाद (कासं) : धनबाद सिविल कोर्ट के नए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी ने मंगलवार को सिविल कोर्ट में अपना योगदान दिया। जिला जज श्री तिवारी की पदस्थापना धनबाद में तीसरी बार हुई है। इससे पूर्व वर्ष २००१ में इन्होंने प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी के रूप में धनबाद में योगदान दिये थे। फिर वर्ष २०१८ में धनबाद के लेबर जज के रूप में दो वर्षों तक काम किये और आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में अपना योगदान दिया है।

जिला जज श्री तिवारी ने कहा कि अधिवक्ताओं एवं वादकारियों को बेहतर सुविधा दिलवाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। इसके अलावे झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश के तहत पुराने मामलों को त्वरित निष्पादन करना, न्यायालय परिसर को साफ एवं सौंदर्यकरण करवाना उनके कार्यो में प्रमुख है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के चिन्हित कार्यों को त्वरित निष्पादन करना तथा अदालत में लंबित वादों को निपटारा कर अदालत के बोझ को कम करना है। उन्होंने कहा कि सबको सुलभ न्याय मिले तथा समाज में किसी प्रकार की विघटन की स्थिति पैदा ना हो, ताकि आने वाली पीढ़ी पर न्यायालय के प्रति आस्था बरकरार रहे। अदालत परिसर की सुरक्षा के संबंध में उन्होंने कहा कि अदालत परिसर की सुरक्षा का हर पहलू का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाएगी। इसके लिए धनबाद के एसपी से शीघ्र ही वार्ता कर आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

पुलिस ने विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर के सभी छठ तालाबों की सफाई का बीड़ा स्वयंसेवी युवकों एवं छठ पूजा समितियों ने उठाया है। गोविंदपुर थाना के सामने के मुख्य छठ तालाब, बड़ाबांध छठ तालाब, खुदिया नदी छठ घाट, रतनपुर छठ तालाब, आकाशगंगा कॉलोनी लालबंगला छठ तालाब, गोसाईंडीह तालाब, बीरू मियां छठ तालाब, कांड्रा छठ घाट, खुदिया नदी कुसमाटांड़, साबलपुर जोरिया छठ घाट, बरवापूर्व खुदिया छठ घाट समेत विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा समितियों और स्वयंसेवी युवकों द्वारा युद्ध स्तर पर साफसफाई का काम शुरू कर दिया गया है। बुधवार तक छठ घाटों की सफाई हो जाएगी। इस बीच गोविंदपुर पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली ने मंगलवार को गोविंदपुर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने छठ पूजा समितियों एवं स्वयंसेवकों से जलाशयों में बांस और रस्सी लगाने की अपील की ताकि पानी में किसी को कोई खतरा न हो। इसके अलावा महिलाओं से कीमती जेवर पहनकर छठ घाट नहीं आने की भी अपील की है। उन्होंने कहा कि छठ घाटों में आतिशबाजी से श्रद्धालुओं को नुकसान हो सकता है। इसलिए उन्होंने छठ पूजा समितियां से किसी भी तरह की आतिशबाजी नहीं करने की भी अपील की है। पुलिस इंस्पेक्टर ने कहा कि भीड़ का फायदा उठाते हुए महिला अपराधी श्रद्धालुओं का जेवर झपट लेती है। पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि सभी घाटों में महिला पुलिस की भी तैनाती की जाएगी। इसके अलावा सभी घाटों में पुलिस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। नागरिक समिति अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल की ओर से मुख्य छठ तालाब पर स्थापित भगवान सूर्यदेव की प्रतिमा का रंग रोगन कर दिया गया है। मारवाड़ी युवा मंच एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से यहां लाइटिंग का भी प्रबंध किया जाएगा। समिति के संयुक्त सचिव अनूप कुमार साव ने बताया कि बुधवार सुबह यहां श्रमदान किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने झारखंड सशस्त्र पुलिस वाहिनी ३ के कमांडेंट को पत्र लिखा है। वाहिनी की ओर से श्रमदान में जवानों की भागीदारी का आश्वासन दिया गया है।

छठ व्रतियों ने किया कद्दू भात का ग्रहण

बलियापुर (ससे) : लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार को नहाय-खाय से प्रारंभ हुआ। स्नान कर व्रर्ती पूरी पवित्रता के साथ अरवा चावल, चना दाल, कद्दू की सब्जी का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया। बलियापुर क्षेत्र में छठ को लेकर तैयारी की जा रही है। दूसरी ओर सिंदूरपुर छठ घाट की साफसफाई पूरी कर ली गयी है। बलियापुर छठ पूजा समिति के घनश्याम ग्रोवर, मिठू सरिया, उदय लाला उर्फ मुन्ना, प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि बलियापुर चौक से घाट तक आकर्षक लाइटों से सजाया जा रहा है।

नहायखाय के साथ महापर्व छठ की शुरुआत

कपुरिया (ससे) : नहायखाय के साथ चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ का शुभारंभ हो गया। अनुष्ठान के प्रथम दिन से ही स्वच्छता का उपक्रम प्रारम्भ हो जाता है। इस दिन स्नान के पश्चात कद्दू भात खाकर शुद्धता की ओर पहला कदम बढ़ाते हैं। अनुष्ठान के दूसरे दिन बुधवार को व्रती दिन भर के उपवास के पश्चात शाम को संध्या पूजन के बाद खरना के साथ ही उपवास के प्रथम चरण का शुभारंभ हो जाएगा। उपवास के दूसरे चरण में गुरुवार को संध्या अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य एवं तीसरे चरण में शुक्रवार को अहले सुबह उदयचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान संपन्न हो जाएगा।

मतदाताओं में एपिक कार्ड का वितरण जरूरी : उपायुक्त

धनबाद (कासं) : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में पोस्टल विभाग के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें नए एपिक कार्ड का वितरण करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर नए वोटरों का नाम मतदाता सूची में जुड़ा है। उनका एपिक कार्ड प्रिंटिंग की प्रक्रिया में है। एपिक कार्ड पोस्ट

ऑफिस में पहुंचने पर उसे अविलंब मतदाता तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। कोई भी मतदाता का एपिक कार्ड नहीं छुटना चाहिए। साथ ही उपायुक्त ने पोस्टल बैलेट से आने वाले डाक मतपत्र की डिलीवरी तत्परता से करने का निर्देश दया।

मौके पर उप डाक अधीक्षक कमलेश राम, डाक सहायक एस.के. गुप्ता, अभिषेक कुमार, मो. जसलिम खान, वरीय पदाधिकारी निर्वाचन सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें।

डीसी व एसएसपी ने किया छठ घाटों का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा में व्रतियों के लिए छठ घाटों पर सुरक्षा, साफसफाई सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने विभिन्न छठ तालाबों का निरीक्षण किया।

पदाधिकारियों ने सबसे पहले धैया रानीबांध छठ तालाब का निरीक्षण किया। तत्पश्चात बेकारबांध राजेन्द्र सरोवर, रेलवे कॉलोनी स्थित पम्पू तालाब, झरिया स्थित राजा तालाब सहित अन्य छठ तालाबों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त व एसएसपी ने छठ तालाब समिति के सदस्यों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर दिशा निर्देश दिए। वहीं गहरे पानी से पहले बैरिकेडिंग करने, पर्याप्त रोशनी, गोताखोर तथा स्वयं सेवकों की व्यवस्था रखने सहित अन्य निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि सूर्य उपासना के महापर्व को लेकर जिला प्रशासन ने पहले से छठ तालाबों की साफसफाई शुरू कर दी है। ब्लीचिंग पाउडर व फिटकरी डालकर पानी को स्वच्छ किया गया है। सभी छठ तालाब पर पर्याप्त संख्या में पुलिस की उपस्थिति, व्रतियों के छठ तालाबों तक सुगमता से पहुंचने के लिए ट्रॉफिक प्लान सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री सुनील कुमार सिंह, नगर निगम के सिटी मैनेजर विशाल कुमार सिन्हा, सफाई पर्यवेक्षक नीतू कुमारी, चिंटू कुमार, नरेश कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सिटी एसपी ने बूथों का किया निरीक्षण

बलियापुर (ससे) : विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंगलवार को सीटी एसपी अजीत कुमार ने बलियापुर बोर्ड मध्य विद्यालय बूथ संख्या ३१३, ३१४ एवं ३१८ का निरीक्षण किया। सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि क्षेत्र के अतिसंवेदनशील बूथों का जायजा लिया जा रहा है। उन्होंने विधानसभा चुनाव में निर्भीक एवं स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अपील की। मतदान कार्य प्रभावित करने वालों पर कठोर कार्रवाई करने की बातें कही। मौके पर सिंदरी डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम, थाना प्रभारी आशीष भारती आदि मौजूद थे।

तारा देवी के समर्थन में सांसद ढुल्लू ने की बैठक

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधानसभा भाजपा प्रत्याशी तारा देवी के पक्ष में सोमवार को सांसद ढुल्लू महतो ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा की सरकार बनने जा रही हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ५ साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचारियों का बोलबाला रहा। पूरे ५ साल में लोहा, बालू, कोयला आदि की लूट होती रही। कहा कि झारखंड में जो भी विकास कार्य हुआ है। वह मुख्यमंत्री रघुवर दास के काल में हुई है। भाजपा ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय की स्थापना कर बिनोद बिहारी महतो को सम्मान देने का काम किया है।

उन्होंने विनोद बाबू के नाम से स्मारक बनाने का बातें कही। सांसद श्री महतो ने कहा कि झारखंड में वृद्धा, विधवा, विकलांग पेंशन योजनाओं से गरीबों को मिलने वाला लाभ पिछले छह महीने से नहीं मिल रहा है।

उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार के मैया सम्मान योजना को चुनावी हथकंडा बताया। कहा कि विधायक इन्द्रजीत महतो पिछले चार साल से बीमार है। अस्पताल में रहने के बाबजूद उनकी पत्नी तारा देवी ने बेहतर विकास कार्य किया है। जो भी अधूरा कार्य है उसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

रागिनी सिंह ने शहर के छठ तालाबों का लिया जायजा

झरिया (ससे) : भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह ने झरिया शहर के छठ तालाबों को निरीक्षण किया। इसके बाद भालगढ़ा टीना धौड़ा सूर्य मंदिर तालाब का भी निरीक्षण करने पहुंची। इस दौरान उन्होंने जल्द से जल्द छठ घाट की सफाई करने और छठ व्रतियों के लिए अन्य व्यवस्था करने पर चर्चा की। प्रत्याशी रागिनी सिंह की खुद की मद से संचालित टैंकर से तालाब में जलापूर्ति की जा रही। ब्लॉगिंग पाउडर का भी छिड़काव किया जा रहा है। जहां स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याओं से भी अवगत कराया।

रागिनी सिंह ने कहा कि छठ पूजा समिति द्वारा सूचना मिली कि यहां के तालाब के चारों ओर गन्दगी पसरा हुआ है। तालाब में पानी नहीं हैं। अव्यवस्था को देखकर धनबाद नगर आयुक्त से दूरभाष पर बात हुई। उन्होंने कहा कि छठ पूजा से पहले तालाबों की सफाई करा दी जाएगी। प्रत्याशी ने कहा कि झरिया शहर के सभी घाटों में वह सुबह से निरीक्षण करने निकले हैं और पलपल की अपडेट पर वह खुद नजर बनाए हुए थी। किन घाटों पर सौन्दर्यीकरण हो रहा है और किन घाटों पर क्या कमी है। इसके साथ ही इन सभी घाटों पर आने वाले सभी लोगों को सभी सुविधाएं मिल सके इसको लेकर पूरा प्रयास किया जा रहा है।

भाजपा प्रत्याशी का जनसंपर्क अभियान

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधानसभा भाजपा प्रत्याशी तारा देवी ने मंगलवार को अलकडीहा, बंगाली कोठी, चांदकुईयां, गोलमारा, आमटाल, बेलगढ़िया टाउनशिप, बेलगढ़िया बस्ती, धोखरा, करमाटांड़, ढांगी समेत दर्जनों गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। कहा कि सिंदरी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को अपार जनसमर्थन मिल रहा है। जीत निश्चित होगी। लोगों से कमल फूल पर बटन दबाने की अपील की।

काले धंधेबाजों पर रोक लगाने की मांग

धनबाद (कासं) : झारखंड मुक्ति मोर्चा के धनबाद महानगर अध्यक्ष जेपी वालिया ने उपायुक्त को लिखित पत्र देकर बंगाल से झारखंड में प्रवेश करने वाले काले धंधेबाजों पर रोक लगाने की मांग की है। रात्रि में बंगाल से झारखंड में प्रवेश करने वाली काले शीशे की गाड़ियों की मैथन तथा चिरकुण्डा चेक पोस्ट पर जांच नहीं की जाती है। ऐसी गाड़ियां चुनाव में काले धन खपाने के लिए झारखंड में प्रवेश करती है। अधिकांश ये गाड़ियां रात्रि में मौका देखर प्रवेश करती है। गाड़ी के आगे सीट पर महिलाओं को बिठाया जाता है, जिससे यह पता चले की,गाड़ी में महिलाएं सफर कर रही है। श्री वालिया ने पत्र में लिखा है कि इस रास्ते से बंग्लादेशी घुसपैठिए बड़े पैमाने पर बंगाल से झारखंड में प्रवेश कर रहे हैं। श्री वालिया ने इस पर रोक लगाने की मांग करते हुए काले शीशे की गाड़ियों पर भी नजर रखने की मांग जिला प्रशासन से की है।

सड़क दुर्घटना में घायल की स्थिति खतरे से बाहर

गोविंदपुर (ससे) : जीटी रोड फकीकडीह में सोमवार को सड़क दुर्घटना में घायल सजदा खातून १५ वर्ष की स्थिति सामान्य है। लाइफलाइन अस्पताल में इलाज के बाद सोमवार रात ही उसे मां तारा नर्सिंग होम बागसुमा रेफर कर दिया गया था, जहां मंगलवार को उसका ऑपरेशन हुआ। अस्पताल संचालक डॉ आनंद मोदी ने बताया कि सजदा खातून की स्थिति खतरे से बाहर है। इधर इस संबंध में जफर मंसूरी, उम्र ६० वर्ष, ग्राम फकीरडीह का फर्द बयान गोविंदपुर पुलिस ने लिया। उन्होंने बयान में कहा है कि उनकी पुत्री रूबी खातून उम्र ३० वर्ष अपनी बहन आयत परवीन १५ वर्ष, पुत्री सिफत परवीन ९ वर्ष तथा पड़ोसी जहांगीर शाह की पुत्री साजदा खातून १५ वर्ष को लेकर ट्यूशन छोड़ने के लिए सड़क पर खड़ी थी।

इस बीच बीआर ३३ जीए ८८१४ नंबर की पिकअप वैन के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए सभी को रौंद दिया। इस घटना में रूबी खातून और आयत परवीन की मौत घटनास्थल पर ही गई, जबकि नतनी सिफत परवीन ने अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली ने बताया कि इस संबंध में गोविंदपुर थाना कांड में दर्ज कर लिया गया है।

मोहम्मद सलाउद्दीन ने कहा कि साहिबगंज मोड़ पर ना तो ट्रैफिक सिग्नल लाइट्स है और ना ही ट्रैफिक पुलिस ही मौजूद रहती है।

इस संबंध में नागरिक समिति गोविंदपुर के अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल ने बताया कि ऊपर बाजार चौक सुभाष चौक और साहिबगंज मोड़ चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लाइट के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं दुर्गापुर के परियोजना निदेशक को दो बार पत्र लिखा जा चुका है हो सकता है आदर्श आचार संहिता समाप्ति के बाद इसकी स्वीकृति हो जाएगी और ट्रैफिक सिग्नल लाइट्स लगेगा इससे दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकेगा।

गुलगुलिया समुदाय ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

धनबाद (कासं) : मंगलवार को झरिया गुलगुलिया बस्ती के गुलगुलिया समुदाय ने मतदाता जागरूकता अभियान प्रारंभ किया है। यह अभियान मतदान की तिथि तक जारी रहेगा। अभियान की शुरुआत गुलगुलिया विद्यालय के शिक्षक संजय तथा रीता फिटनेस सेंटर झरिया की निदेशक रीता पाण्डेय ने किया। गुलगुलिया विद्यालय, गुलगुलिया बस्ती झरिया के संस्थापक अनिल पांडे भी इस मुहीम में लगे हुए हैं। अनिल पांडे ने बताया कि असामाजिक तत्वों ने विद्यालय को ध्वस्त कर दिया है। फिर भी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत चंद बच्चों को शिक्षा दी जा रही है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

बीआईटी का प्लेटिनम जुबली समारोह 15 से

सिन्दरी (ससे) : बीआईटी के डायरेक्टर ने यह बताया कि बीआईटी का प्लेटिनम जुबली समारोह १५, १६, १७ नवंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर बीआईटी के कई पूर्व छात्र देशविदेश से एकत्र होंगे और कॉलेज के विकास को लेकर उत्साह और गर्व का अनुभव करेंगे। प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम में कई विशेष सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इसमें बीआईटी के अलमुनाई के बीच नेटवर्किंग के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे, ताकि वे अपनी उपलब्धियों और अनुभवों को साझा कर सकें। डायरेक्टर ने कहा, यह कार्यक्रम बीआईटी के सभी छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए एक शानदार अवसर होगा, जहां हम अपनी संस्थान की यात्रा का उत्सव मनाएंगे और भविष्य के लिए अपनी योजनाओं को साझा करेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है, जिनमें नृत्य, संगीत, नाटक, और खेलों का आयोजन शामिल होगा। इसके अलावा, कॉलेज के छात्रों और पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाकर उनका उत्साहवर्धन करने के लिए कई प्रतियोगिताएँ और प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की जाएंगी। एल्युमिनाई व धनबाद चैप्टर के चित्तरंजन जी ने बताया कि यह कार्यक्रम न केवल बीआईटी के शिक्षाविदों के लिए बल्कि उनके परिवारों के लिए भी यादगार होगा।

समारोह में बीआईटी के सबसे पुराने छात्र से लेकर नए स्नातकों तक सभी को आमंत्रित किया गया है। उनका मानना है कि यह आयोजन बीआईटी के परिवार को एकजुट करने का एक बेहतरीन मौका होगा।

बीआईटी के इस प्लेटिनम जुबली समारोह के जरिए कॉलेज अपनी जड़ों को और मजबूत करने के साथसाथ अपने छात्रों के लिए नए अवसरों की शुरुआत करेगा। प्रोफेसर प्रकाश कुमार प्रोफेसर विजय पांडे प्रोफेसर एस सी दत्त प्रोफेसर रघुनाथ प्रोफेसर अकरम खान प्रोफेसर राजेंद्र मुर्मू ने सभी छात्रों, पूर्व छात्रों, और शिक्षकों से अपील की कि वे इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनें और इसे सफल बनाने में योगदान दें।समारोह की विस्तृत जानकारी और भागीदारी के लिए बीआईटी प्रशासन द्वारा एक विशेष पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा। प्लेटिनम जुबली निश्चित रूप से बीआईटी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय होगा और इसकी यादें आने वाले वर्षों तक लोगों के दिलों में ताजा रहेंगी।

पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

कुपरिया (ससे) : नामजद अभियुक्त बकरीहाट झरिया निवासी शिवजी यादव को मुनीडीह पुलिस ने झरिया कतरास मोड़ से गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। मुनीडीह ओपी प्रभारी संतोष कुमार महतो ने बताया कि फरार आरोपी शिवजी यादव के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।

मालूम हो कि मुनीडीह के डीएम कॉलोनी स्थित एक बंद पड़े क्वार्टर में छापेमारी कर पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब का निर्माण करते हुए कुल तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए कुल ६ लोगों को नामजद आरोपी बनाया था। जिसमे बिकू कुमार मंडल (चौथाई कुल्ही झरिया), राकेश कुमार (फतेहपुर बस्ती, झरिया), झरिया), मनोज कुमार सिंह सुमित कुमार गुप्ता (दुख: हरणी (बरडुभी, मुनीडीह), धीरज मंदिर झरिया), मुख्य सरगना राय उर्फ धीरू राय शिवजी यादव (बकरीहाट, (सियालगुदरी) शामिल है।

सवाई माधोपुर में साल में 25 बाघ लापता

सवाई माधोपुर (ईएमएस) : राजस्थान में सवाई माधोपुर के प्रसिद्ध रणथंभौर टाइगर रिजर्व में एक साल में २५ बाघों के लापता होने की खबर के बाद हड़कंप मच गया है। वन विभाग की टाइगर मॉनिटरिंग रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि रणथम्भौर में एक साल से ७५ बाघों में से २५ बाघों के कोई पुख्ता साक्ष्य प्राप्त नहीं हुए हैं। यानी एक साल से ये बाघ लापता हैं। इन्हें ट्रैक नहीं किया जा सका है। अब रणथंभौर के लापता बाघों के संबंध में एक जांच कमेटी गठित की गई है।

कमेटी लापता बाघों के संबंध में छानबीन कर अपनी रिपोर्ट देगी। तीन सदस्यों की इस कमेटी में राजेश कुमार गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अध्यक्ष होंगे और डॉ. टी मोहनराज, वन संरक्षक (वन्यजीव) जयपुर, मानस सिंह, उप वन संरक्षक (वन्यजीव) भरतपुर को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। कमेटी इस बात का पता लगाएगी कि सवाईमाधोपुर में बाघों के लापता होने के कारण क्या हैं। क्षेत्र निदेशक एवं संबंधित उप क्षेत्र निदेशक के स्तर पर बाघों को ढूंढने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं। कमेटी टाइगर मॉनिटरिंग के समस्त रिकॉर्ड की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इसके अलावा कमेटी किसी अधिकारी कर्मचारी की लापरवाही पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के प्रस्ताव भी प्रस्तुत करेगी। कमेटी व्यवस्था की खामियों को दूर करने के लिए अपने सुझाव भी रिपोर्ट में शामिल करेगी। कमेटी आवश्यकता होने पर विशेषज्ञों की राय ले सकेगी।

15 दिवसीय जल उत्सव आज से

नई दिल्ली (ईएमएस) : नीति आयोग जल प्रबंधन, संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता पैदा करने के लिए कल से १५ दिवसीय जल उत्सव शुरू करने जा रहा है। यह अभियान माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का अनुपालन करता है, जिन्होंने दिसंबर, २०२३ में आयोजित तीसरे मुख्य सचिवों के सम्मेलन के दौरान नदी उत्सव के आधार पर जल उत्सव का विचार रखा था।

जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के साथ साझेदारी में ६२४ नवंबर, २०२४ के बीच २० आकांक्षी जिलों/ब्लॉकों में जल उत्सव मनाया जाएगा। २० राज्यों में शुरू किए जा रहे इस महोत्सव में जल संसाधनों के संरक्षण और सुरक्षा में सामुदायिक भागीदारी की परिकल्पना की है। इसका उद्देश्य घरों में जल का सदुउपयोग और उपयोगिताओं एवं एजेंसियों के बीच जल प्रबंधन के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है। स्कूली छात्रों को जल प्रबंधन गतिविधियों में नामांकित किया जा रहा है, जिससे वे अपने परिवारों और समुदायों में बदलाव के रूप में कार्य कर सके।

दो सप्ताह तक चलने वाले इस उत्सव की शुरुआत जल बंधन से होगी -जिसमें प्रतिष्ठित व्यक्ति और स्थानीय नेतागण जल संपदाओं पर पवित्र धागा बांधेंगे। वे अपनेअपने ब्लॉक और जिलों की जल संपदा पर तथ्य पत्रक भी लॉन्च करेंगे। पखवाड़े में विभागीय गतिविधियों की योजना पर चर्चा करने के अलावा, लोग जल उत्सव शपथ भी लेंगे, जिसमें जल संसाधनों को बनाए रखने और उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया जाएगा, ताकि विवेकपूर्ण और सतत उपयोग सुनिश्चित हो सके। इस शपथ के माध्यम से, समुदायों को जल का उपयोग करते समय ५ आर: सम्मान करना, सीमित करना, पुन: उपयोग करना, पुनर्चक्रण और पुनर्भरण का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

वक्फ बोर्ड जेपीसी में शामिल विपक्षी सांसद बिरला से मिले

नई दिल्ली (ईएमएस) : वक्फ (संशोधन) बिल पर बनी संसदीय समिति में शामिल विपक्षी सांसद मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले। उन्होंने पैनल के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल पर विपक्ष की राय लिए बिना एकतरफा निर्णय लेने का आरोप लगाया। सांसदों का आरोप है कि पाल विपक्षी सांसदों को बिल पर अपनी बात रखने का मौका नहीं दे रहे हैं। इसके लिए विपक्षी नेताओं ने बिरला को एक संयुक्त पत्र भी लिखा। जिसमें सांसदों ने समिति से अलग होने की चेतावनी दी थी। पत्र में विपक्षी सांसदों ने शिकायत की है कि जगदंबिका पाल कई बार लगातार ३ दिनों तक बैठकों की तारीखें तय करते हैं और गवाहों को बुलाने का निर्णय भी एकतरफा ले रहे हैं। विपक्षी सांसदों का कहना है कि हमारे लिए तैयारी के बिना उचित बातचीत करना संभव नहीं है। वहीं, भाजपा सांसदों ने आरोप लगाया है कि विपक्षी सदस्य जानबूझकर समिति के काम में अड़चन डाल रहे हैं।

कोई ट्रेन में चारपाई लगा रहा, कोई टायलेट में बिस्तर लगाकर पड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस) : भारतीय रेल हमेशा से ही देश में परिवहन का सस्ता और तेज साधन है। इसी कारण दिवाली और छठ जैसे बड़े त्यौहारों पर घर जाने के लिए ट्रेनों में लोगों का तांता लग जाता है। सैकड़ों की बेटिंग और जनरल कोच में भेड़ बकरियों की तरह ठूंसठूंसकर बैठे हुए लोग दिखाई देते है। हर साल अमूमन यही हाल होता है, लेकिन इस बार हालात काफी खराब दिख रहे हैं। आज हम आपको सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ वीडियो और तस्वीरें दिखाएंगे, जिन्हें देखकर आपको घुटन होने लगेगी। कोई कोच में चारपाई लगा रहा है, तब कोई ट्रेन के टॉयलेट में बिस्तर लगाए पड़ा है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ये वीडियो लोगों के त्यौहार पर घर जाने की मजबूरी और ट्रेन में भरी भीड़ का एक कड़वा उदाहरण है। वायरल वीडियो में देख सकते हैं कि एक शख्स कैसे जनरल कोच में रस्सी बांध कर चारपाई तैयार करता दिख रहा है, ताकी वहां कम से कम थोड़े सुकून से बगैर खड़े होकर हजारों किलोमीटर का सफर तय कर सके।

इस पोस्ट को देखकर आपके पैरों तले जमीन खिसक जाएगी। इस शख्स को यूं ट्रेन की टॉयलेट वाली सीट पर सोता देख आप भी हैरान हो जाएंगे। लोगों ने रेलवे को ताना देकर कहा कि सीट सीट होती है, टॉयलेट की हो या फिर बैठने की। रेलवे की ज्यादातर टॉयलेट सीट मल त्याग के लिए, बैठने लायक भी नहीं होती है, उस सीट पर ये देश का नौजवान सोए पड़ा है, और मजबूरी ये है कि दिवाली अपने घर वालों के साथ मनानी है। इस वीडियो में ट्रेन के टॉयलेट में कई सारे लोग भेड़ बकरी की तरह भरे हुए हैं, उनका कहना है कि भीड़ इतनी ज्यादा है कि १३ घंटे से खड़े हैं और अभी तक न टॉयलेट गए हैं और न ही पानी पिया है। एक शख्स रोहतक से १३ घंटे से खड़ा होकर यात्रा कर रहा है और शख्स को किशनगंज पहुंचना है। इस वीडियो में लोग ट्रेन के अंदर किसी दड़बे में रह रहे पक्षियों की तरह भरे हुए है। लोगों का कहना है कि भारतीय रेल का इससे बुरा दौर हमने आजतक नहीं देखा है।

सरकार समाज के हर वर्ग को साथ लेकर भर रही है रिक्त पदों को : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (ईएमएस) : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग को साथ लेकर रिक्त पदों को तेजी से भर रही है। उन्होंने कहा कि २०१४ में कांग्रेस की यूपीए सरकार के समय केंद्रीय विश्वविद्यालयों में १६,२१७ स्वीकृत पद थे, जिसमें ६०४२ पद यानी, कुल ३७ % पद खाली पड़े थे। इसमें अनुसूचित जाति (एससी) के ५७ %, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के ६३ % और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के ६० % आरक्षित पद खाली थे।

धर्मेंद्र प्रधान ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों के दौरान मिशन मोड पर ६,८९० से अधिक शिक्षण पदों पर भर्ती की गई है, जिनमें ९३९ (१३.६%) अनुसूचित जाति (एससी), ४६४ (६.७%) अनुसूचित जनजाति (एसटी), १,५३५ (२२.२७%) अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और ३४८ (५.०५%) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) से हैं।

प्रधान ने आगे ये भी बताया कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों पर भर्ती एक सतत प्रक्रिया है जो अभूतपूर्व गति से चल रही है और यही कारण है कि २०१४ की तुलना में २०२४ में स्वीकृत पदों की संख्या १८,९४० में बढ़ोतरी होने के बाद भी कुल रिक्त पदों की संख्या ३७ % से घटकर अब २६.८ % हो गई है।

मालूम हो कि इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा था कि ४६ केंद्रीय विश्वविद्यालयों के करीब १९ हजार स्वीकृत पदों में २७ % खाली पड़े हुए हैं, जिसमें ३८ % से ज्यादा एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षित पद खाली पड़े हैं। इसमें एससी (३२.१%), एसटी (४०.३%) ओबीसी (४१.८%) के पद शामिल हैं। खरगे ने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेतृत्व वाली मोदी सरकार की आलोचना की थी इसके जवाब में अब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यह आंकड़े दिए हैं।

गुजरात हाईकोर्ट की दुष्कर्म पीड़िता को बड़ी राहत

अहमदाबाद (ईएमएस) : गुजरात हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में पीड़िता को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने रेप पीड़िता को १७ सप्ताह का गर्भ गिराने की मंजूरी दे दी है। हाईकोर्ट ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के प्रावधानों के मद्देनजर पीड़िता को गर्भपात की इजाजत दी है। अहमदाबाद के सोला क्षेत्र में २७ वर्षीय एक युवती के साथ दुष्कर्म किया गया था। पीड़ित युवती ने इस मामले में शिकायत भी दर्ज करवाई थी। दुष्कर्म से युवती गर्भवती हो गई। युवती को जब गर्भवती होने का पता चला तो उसने गर्भपात कराने के लिए गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। हाईकोर्ट ने पूरे मामले में मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी एक्ट के प्रावधानों को देखते हुए पीड़ित युवती को गर्भपात की अनुमति दे दी। यदि पीड़िता बच्चे को जन्म देती है, तो उसे मानसिक, शारीरिक और सामाजिक पीड़ा का सामना करना पड़ता है। इसलिए हाईकोर्ट ने पीड़िता की स्थिति को समझते हुए उसे १७ सप्ताह में गर्भपात कराने की इजाजत दे दी।

हीरा कारोबार से जुड़े श्रमिकों की खुदकुशी पर उठाये सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस) : कांग्रेस ने गुजरात के सूरत में हीरा कारोबार से जुड़े श्रमिकों की कथित खुदकुशी पर कहा कि सरकार को इन श्रमिकों के लिए पंजीकरण और वित्तीय सहायता समेत सभी जरूरी फैसले करने चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि पिछले १८ महीनों में सूरत में काम करने वाले ७१ हीरा श्रमिकों ने आत्महत्या की है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "पिछले १८ महीनों में सूरत में कम से कम ७१ हीरा श्रमिकों ने आत्महत्या कर ली। ऐसा अनुमान है कि गुजरात में हीरा उद्योग में २५ लाख श्रमिक हैं। इनमें से ८१० लाख श्रमिक सिर्फ सूरत में हैं।" उनके मुताबिक, प्रयोगशाला में निर्मित हीरों के आगमन ने दुनिया भर के हीरा उद्योगों पर कहर बरपाया है तथा बड़े पैमाने पर छंटनी (सिर्फ फरवरी और जून २०२४ के बीच १५,००० कर्मचारियों की) और वेतन में कटौती के कारण सूरत बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

केंद्रीय मंत्री आज करेंगे राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली (ईएमएस) : पेंशन और पेंशन भोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्लू) द्वारा १ से ३० नवंबर, २०२४ तक देश के ८०० शहरों/जिलों में आयोजित राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान ३.० का शुभारंभ ६ नवंबर, २०२४ को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र, नई दिल्ली में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के द्वारा किया जाएगा।

पेंशन की नियमितता के लिए पेंशनरों को सालाना जीवन प्रमाण पत्र जमा करना होता है। पारंपरिक रूप से, जीवन प्रमाण पत्र भौतिक रूप से जमा किए जाते थे, जो पेंशनरों के लिए असुविधाजनक था। नवंबर २०१४ में, प्रधान मंत्री द्वारा ऑनलाइन डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र, जीवन प्रमाण, जमा करने के लिए आधार आधारित योजना शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और पेंशनरों को उनकी सुविधानुसार जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में सहायता करना था, जिससे उनकी जीवनयापन में काफी आसानी हुई है।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्रों के लाभ और उन्हें जेनरेट करने की तकनीकों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए, १ से ३० नवंबर, २०२२ तक ३७ शहरों में केंद्र सरकार के पेंशनरों के लिए राष्ट्रव्यापी डीएलसी अभियान आयोजित किया गया था। डीएलसी अभियान २.० नवंबर २०२३ में १०० शहरों में ५९७ स्थानों पर आयोजित किया गया था, जिसके तहत कुल १.४७ करोड़ डीएलसी जेनरेट किए गए थे, जिनमें से ४५.४६ लाख केंद्र सरकार के पेंशनरों के थे। २५.४१ लाख डीएलसी चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करके जेनरेट किए थे और ९० वर्ष से अधिक आयु के ३०,५०० से अधिक पेंशनरों ने डीएलसी का लाभ उठाया था। इस साल, डीओपीपीडब्लू तृतीय राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान का आयोजन कर रहा है, जो १ से ३० नवंबर, २०२४ तक भारत के ८०० शहरों/जिलों में होंगे। इसके लिए, विभाग ने ९ अगस्त, २०२४ के ओ.एम. के जरिए दिशानिर्देशों की अधिसूचना जारी की है। कुल ८०० जिलों, १९०० शिविर स्थलों और १००० नोडल अधिकारियों की मैपिंग करते हुए एक डेडिकेटेड डीएलसी पोर्टल बनाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों की बिक्री पर किया स्पष्ट फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस) : सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर 'स्थायी प्रतिबंध' लगाने को लेकर स्पष्ट 'फैसला' लेने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी दीपावली के तीन दिन बाद आई है, जब दिल्ली में प्रदूषण अपने 'सर्वकालिक उच्चतम स्तर' पर पहुंच गया था। जस्टिस अभय एस ओका की अध्यक्षता वाली पीठ ने संकेत दिया है कि दिल्ली सरकार के जवाब के बाद अदालत पटाखों पर प्रतिबंध को दीपावली के अलावा अन्य अवसरों तक बढ़ाने पर भी विचार करेगी। अदालत ने

हलफनामा दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई १४ नवंबर को तय की। अदालत ने सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है, 'इसमें कोई शक़ नहीं कि दीपावली के दौरान पटाखों पर लगे प्रतिबंध का पालन बमुश्किल ही हुआ। प्रतिबंध के पालन न होने का ही नतीजा है कि दिल्ली का प्रदूषण स्तर अब तक के सबसे उच्चतम पर है, २०२२ और २०२३ की दीपावली के दिनों से भी अधिक।

जस्टिस ओका ने मौखिक रूप से यह भी कहा कि 'वायु प्रदूषण अधिनियम' में १ अप्रैल, २०२४ से लागू संशोधन की वजह से भी पटाखों पर लगे प्रतिबंध का उल्लंघन हो रहा है। भारत सरकार ने उल्लंघन करने वालों के लिए दंड का प्रावधान हटाकर जुर्माने तक सीमित कर दिया है। उन्होंने जोड़ा कहा कि हालांकि, अदालत यह देखेगी कि प्रतिबंध किस तरह से लागू किया जा सकता है और क्या पटाखे बेचने वालों के परिसरों को सील किया जा सकता है।

अदालत ने दिल्ली सरकार और पुलिस आयुक्त को यह आदेश दिया है कि वह हलफ़नामा दाख़िल कर बताए कि अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का पूरी तरह पालन क्यों नहीं हुआ। इसके साथ ही राजधानी के पुलिस आयुक्त को यह भी बताना होगा कि दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए क्या क़दम उठाए गए थे।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने विशेष अभियान का सफलतापूर्वक संपन्न किया

नई दिल्ली (ईएमएस) : मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने सार्वजनिक शिकायतों का समाधान करने, स्वच्छता अभियान आयोजित करने, रिकॉर्ड प्रबंधन आदि के उद्देश्य से २ से ३१ अक्टूबर, २०२४ के बीच आयोजित विशेष अभियान ४.० को प्रमुख मापदंडों पर निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करते हुए सफलतापूर्वक संपन्न किया है।

इस अभियान का नेतृत्व केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी (एफएएचडी) मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने एफएएचडी राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी बघेल के साथ किया। अलका उपाध्याय, सचिव (डीएएचडी) ने विभाग और उसके क्षेत्रीय संगठनों द्वारा विशेष अभियान ४.० की प्रगति का नेतृत्व किया।

इन संगठनों ने समर्पित रूप से भाग लेकर इसे सफलतापूर्वक पूरा किया, मुख्य रूप से स्वच्छता के संस्थागतकरण और कार्यालयों में लंबित मामलों को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया।

स्थानीय निकायों के लिए 15वें वित्त आयोग का अनुदान जारी किया

नई दिल्ली (ईएमएस) : केंद्र सरकार ने हरियाणा, त्रिपुरा और मिजोरम के ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए वित्तीय वर्ष २०२४२५ के दौरान १५वें वित्त आयोग का अनुदान जारी किया है। ग्रामीण स्थानीय निकायों को हरियाणा में १९४.८७ करोड़ रुपये, त्रिपुरा में ७८.५ करोड़ रुपये एवं मिजोरम को वित्त वर्ष २०२२२३ के लिए १५वें वित्त आयोग अनुदान की दूसरी किस्त में ३५.५ करोड़ रुपये मिले हैं।

पंचायती राज मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार हरियाणा के पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई)/आरएलबी को पहली किस्त के रूप में १९४.८६७ करोड़ रुपये का अबद्ध अनुदान दिया गया है। इस निधि का वितरण राज्य की १८ पात्र जिला पंचायतों, १३९ पात्र

ब्लॉक पंचायतों और ५९११ पात्र ग्राम पंचायतों को किया गया है, जिन्होंने अनुदान जारी करने के लिए अनिवार्य शर्तें पूरी की हैं।

त्रिपुरा राज्य में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए, ३१.४० करोड़ रुपये के अबद्ध अनुदान की पहली किस्त और ४७.१० करोड़ रुपये की बद्ध अनुदान की पहली किस्त जारी की गई है। आपको बता दें कि ये धनराशि सभी १२६० ग्रामीण स्थानीय निकायों पारंपरिक स्थानीय निकायों जैसे १ टीटीएएडीसी (त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद), मुख्यालय, ४० ब्लॉक सलाहकार समितियों और ५८७ ग्राम समितियों सहित के लिए है।

इसे अलावा १५वें वित्त आयोग ने मिजोरम के पीआरआई/आरएलबी के लिए धनराशि जारी की है।यह वित्तीय वर्ष २०२२२३ के अबद्ध अनुदान की दूसरी किस्त है, जिसकी राशि १४.२० करोड़ रुपये है और वित्तीय वर्ष २०२२२३ के बद्ध हुए अनुदान की दूसरी किस्त २१.३० करोड़ रुपये है। ये धनराशि स्वायत्त जिला परिषद क्षेत्रों सहित सभी ८३४ ग्राम परिषदों के लिए है।

पंद्रहवें वित्त आयोग अनुदान का उद्देश्य पीआरआई/ आरएलबी को सशक्त बनाकर ग्रामीण स्थानीय स्वशासन को मजबूत बनाना है। ये निधि पीआरआई/ आरएलबी को अधिक सक्षम, जवाबदेह और आत्मनिर्भर बनने में सहायता करती हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के दृष्टिकोण के अनुरूप, यह पहल समावेशी विकास और सहभागी लोकतंत्र का समर्थन करती है, जो देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

मंत्रालय ने बताया जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए राज्यों को १५वें वित्त आयोग के अनुदान को जारी करने की सिफारिश करती है, इसके पश्चात वित्त मंत्रालय द्वारा इसे जारी किया जाता है। आवंटित अनुदान की सिफारिश की जाती है और वित्तीय वर्ष में इसे दो किस्तों में जारी किया जाता है।

संपादकीय

कश्मीर में सरकार गठन के साथ ही बढ़े आतंकी हमले

जबसे जम्मू-कश्मीर में नई सरकार बनी है, वहां आतंकी हमले बढ़ गए हैं। निस्संदेह यह चिंता का विषय है। माना जा रहा था कि विधानसभा चुनाव के बाद वहां स्थानीय लोगों के हाथ में व्यवस्था आएगी तो दहशत का सिलसिला रुक जाएगा। मगर स्थितियां इसके उलट नजर आ रही हैं। वहां सरकार बनने के बाद अब तक पांच आतंकी हमले हो चुके हैं, जिनमें बाहरी मजदूरों और सुरक्षाबलों को निशाना बनाया गया। ताजा घटना बडगाम की है, जिसमें उत्तर प्रदेश के दो लोगों को गोली मार दी गई। हालांकि हर आतंकी घटना के बाद सेना का तलाशी अभियान तेज हो जाता है और कुछ आतंकियों को मार गिराया जाता है। मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि आखिर क्या वजह है कि पिछले दस वर्षों से आतंकवाद समाप्त करने के तेज अभियान के बावजूद इसकी जड़ें घाटी में जमी हुई हैं। सरकार बार-बार दावे करती रही है कि घाटी में आतंकवादियों की कमर टूट चुकी है, वे केवल कुछ क्षेत्रों तक सिमट कर रह गए हैं। मगर हकीकत यह है कि कुछ-कुछ अंतराल पर दहशतगर्द अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं।

पिछले दस वर्षों से वहां गहन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। अलगाववादी संगठनों के नेताओं और आतंकवादियों को वित्तपोषण करने वालों पर नकेल कसी जा चुकी है। ऐसे बहुत सारे लोगों को सलाखों के पीछे डाला जा चुका है, हजारों बैंक खाते बंद किए जा चुके हैं। सीमा पार से जिन रास्तों से दहशतगर्दों को मदद मिल सकती थी, वे सारे बंद कर दिए गए हैं। इन वर्षों में बहुत सारे दहशतगर्द और उनके सरगना मारे जा चुके हैं। इसके बावजूद अगर वहां लक्षित हिंसा का

सिलसिला रुक नहीं रहा, सुरक्षा बलों पर घात लगा कर हमले कम नहीं हो पा रहे हैं, तो इसके पीछे क्या वजह हो सकती है?

छिपी बात नहीं है कि घाटी में दहशतगर्दी को पोसने में पाकिस्तान का हाथ है, मगर पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि स्थानीय युवाओं ने भी हाथ में हथियार उठाना शुरू कर दिया है। यह खुलासा खुद सरकार ने किया था, जब कोरोना के बाद घाटी में आतंकवाद से संबंधित स्पट पेश की थी। चूंकि कश्मीर की स्थिति ऐसी है, जिसमें केवल राज्य सरकार से आतंकवाद से निपटने का दावा नहीं किया जा सकता। सेना, केंद्रीय सुरक्षाबलों और खुफिया एजंसियों को इसे रोकने के व्यापक अधिकार दिए गए हैं। इसलिए इस मसले पर अपेक्षाएं केंद्र से ही बनी हुई हैं।

ताजा घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने आतंकवाद को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की है। उनका कहना है कि आतंकवादियों को मारने के बजाय पकड़ कर उनसे पूछताछ की जानी चाहिए कि वे किसकी शह पर काम कर रहे हैं। फारूक अब्दुल्ला ने यह भी शक जाहिर किया है कि नई सरकार बनने के बाद आतंकी हमले तेज होने के पीछे उनकी पार्टी की सरकार गिराने की साजिश भी हो सकती है। आतंकवाद को किसी सियासी चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। इस तरह उसके खिलाफ चलाए जा रहे अभियान कमजोर पड़ते हैं। अब जम्मू-कश्मीर में नई सरकार बनी है, तो उससे अपेक्षा की जाती है कि वह केंद्र के साथ मिल कर इस समस्या से पार पाने की रणनीति तैयार करेगी और समन्वित रूप से इस दिशा में आगे बढ़ा जाएगा।

124 साल बाद मौसम ने दिखाए तेवर, खतरे का तापमान

पिछले कई दशक से वैश्विक ताप में बढ़ोतरी चिंता का विषय है। इसकी वजह से समूची दुनिया में गंभीर चुनौतियां पैदा हो गई हैं। मगर विडंबना है कि इस मसले पर ऐसा कुछ भी ठोस नहीं किया जा रहा, जिससे तापमान संतुलन की उम्मीद जगे। जल्दे अब मौसम में उथल-पुथल इस कदर होनी शुरू हो गई है कि जिन महीनों में ठंड की आहट मिलने लगती थी, उनमें तापमान चढ़ा हुआ रहने लगा है, जो आने वाले संकट का संकेत दे रहा है। मसलन, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, देश में इस वर्ष अक्टूबर का महीना सन 1901 के बाद सबसे अधिक गर्म रहा और औसत तापमान सामान्य से 1.23 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। यानी एक सौ चौबीस वर्षों के बाद पहली बार अक्टूबर के महीने में मौसम में गर्मी इतनी थी कि उसे सामान्य नहीं माना जा रहा है। अनुमान जताया जा रहा है कि नवंबर में भी अगले दो सप्ताह तक तापमान सामान्य से दो से पांच डिग्री ऊपर बना रहेगा। फिलहाल मौसम के उतार-चढ़ाव ने मौसम विज्ञानियों के सामने भी अध्ययन का नया फलक खोल दिया है। हालांकि बताया जा रहा है कि इस बार पश्चिमी विक्षोभ के अभाव और बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात सहित कई निम्न दबाव वाले क्षेत्रों के बनने से औसत न्यूनतम तापमान ज्यादा दर्ज किया गया। हाल के दशकों में वैश्विक ताप में बढ़ोतरी के लिए जिन कारकों की पहचान की गई है, उसका हल निकालने को लेकर सक्रियता तो दिखती है, मगर जमीनी हकीकत यह है कि जिन देशों को कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार माना जाता है, वहां इसमें कमी करने को लेकर कोई उत्सुकता नहीं दिखती। सारी जवाबदेही विकासशील देशों पर थोप दी जाती है। हालांकि यह समस्या केवल एक या कुछ देशों तक सीमित नहीं है। समूचा विश्व इससे प्रभावित है और मौसम की इस अनियमितता को सभी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। मौसम की अपनी गति होती है और उसमें समय-चक्र के मुताबिक तापमान में उतार-चढ़ाव होता रहता है, लेकिन अगर वक्त रहते इस संकट से निपटने के उपाय नहीं किए गए तो इसकी मार को झेलना मुश्किल होता जाएगा।

आज का कार्टून

अब बीजेपी नेता आर के सिन्हा के पैरों में झुके नीतीश कुमार

अगर रीढ़ की हड्डी न हो तो लंबे समय तक पद पर बने रह सकते हैं!

सामाजिक समरसता के लिए लगातार सक्रिय संघ

उमेश चतुर्वेदी

> गांधी जी के बाद संघ शायद अकेला संगठन है, जिसके कार्यक्रम नियमित रूप से वंचित और मलिन बस्तियों में होते रहते हैं। समाज के हाशिए पर पड़े व्यक्तियों और समुदायों से बिना किसी भेदभाव के संघ लगातार संवाद करता रहता है। मलिन और वंचित बस्तियों में रोजगार और शिक्षा के साथ ही सफाई को लेकर संघ और उसके कार्यकर्ता आए दिन जुटे रहते हैं। संघ परिवार और समाज को हर मुमकिन मौके पर जोड़ने की कोशिश करता है। 'कटेंगे तो बटेंगे' के विचार को उसका समर्थन दरअसल उसकी इसी चिरंतन सोच का विस्तार है। इसे समझने के लिए दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान को एक बार फिर देखना चाहिए। होसबोले ने कहा है कि 'कटेंगे तो बटेंगे' मुहावरा हिंदू समाज की एकता के बारे में इसी भावना को व्यक्त करने का एक और तरीका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हिंदुओं का एकजुट होना सभी के लिए फायदेमंद होगा। हिंदुओं की एकता संघ की आजीवन प्रतिज्ञा है।

मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा।

लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसकी सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान 'कटेंगे तो बंटेंगे' का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है।

संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है। लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच-नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है।

महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16 सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है,◦गांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे।◦ पहले कर्नाटक और बाद में बिहार में हुई जाति जनगणना के बाद राजनीति का एक हिस्सा पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर अभियान छेड़ हुए है। भारत में पहली बार जाति जनगणना 1931 में हुई थी। अंग्रेजों ने इसका इस्तेमाल भारत में अपने राज बचाने की कोशिश के रूप किया था। शायद दूसरे विश्व युद्ध और स्वाधीनता आंदोलन की तेजी की वजह से 1941 में जनगणना नहीं हुई। आजादी के बाद 1951 की जनगणना की जब तैयारी चल रही थी तो राजनीति के एक हिस्से ने जाति जनगणना की मांग रखी थी। लेकिन जनगणना के प्रभारी मंत्री के नाते तत्कालीन स्वराष्ट्र मंत्री सरदार पटेल ने इस मांग को खारिज कर दिया था। पटेल का मानना था कि जाति जनगणना से सामाजिक तनाव बढ़ेगा और अंतत-वह विखंडन को ही बढ़ावा देगा। कुछ ऐसी ही सोच संघ की भी है। हालांकि कुछदिनों पहले संघ के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने जाति जनगणना का समर्थन किया था। जिससे माना गया था कि संघ भी जाति जनगणना के पक्ष में है। ऐसी सोच रखने वालों ने अंबेडकर के विचार के अगले हिस्से पर ध्यान नहीं दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रशासनिक कार्यों के लिए ऐसे आंकड़े जुटाए जा सकते हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दुरूपयोग नहीं होना चाहिए।

गांधी जी के बाद संघ शायद अकेला संगठन है, जिसके कार्यक्रम नियमित रूप से वंचित और मलिन बस्तियों में होते रहते हैं। समाज के हाशिए पर पड़े व्यक्तियों और समुदायों से बिना किसी भेदभाव के संघ लगातार संवाद करता रहता है। मलिन और वंचित बस्तियों में रोजगार और शिक्षा के साथ ही सफाई को लेकर संघ और उसके कार्यकर्ता आए दिन जुटे रहते हैं। संघ परिवार और समाज को हर मुमकिन मौके पर जोड़ने की कोशिश करता है। 'कटेंगे तो बटेंगे' के विचार को उसका समर्थन दरअसल उसकी इसी चिरंतन सोच का विस्तार है। इसे समझने के लिए दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान को एक बार फिर देखना चाहिए। होसबोले ने कहा है कि 'कटेंगे तो बटेंगे' मुहावरा हिंदू समाज की एकता के बारे में इसी भावना को व्यक्त करने का एक और तरीका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हिंदुओं का एकजुट होना सभी के लिए फायदेमंद होगा। हिंदुओं की एकता संघ की आजीवन प्रतिज्ञा है। हिंदू एकता व्यापक मानवीय एकता के लिए है। जो देश के सर्वोत्तम हित में है। लगे हाथों होसबोले ने चेतावनी भी दी कि हिंदुओं को विभाजित करने की कोशिश में कई ताकतें जुटी हैं, जिनको हटाने के लिए संघ और समाज सामूहिक रूप से कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आखिर में नहीं भूलना चाहिए कि हिंदू एकता समाज और जन कल्याण का भी महत्वपूर्ण टूल है। अंतर सिर्फ इतना है कि राजनीति इस टूल को तोड़ने की कोशिश करती है और संघ इसे बचाने का।

ऑनलाइन खाने का तेजी से बढ़ रहा चलन...

> दिखावा एक सामाजिक मूल्य बनता जा रहा है। मगर इस सबसे बेखबर समाज के दूसरे वर्ग भी दिखावे के इस रोग की गिरफ्त में आ रहे हैं। एक नशा बाहर के खाने का भी है। अब अनेक बच्चों को घर का खाना पसंद नहीं आता, आनलाइन पिज्जा और ठंडे पेय मंगा कर खाना-पीना उसे खूब भाता है। आनलाइन खरीदी का नशा अलग है। ऐसे तमाम बच्चे हैं, जिनकी मां की एक बड़ी राशि बेटे की आनलाइन खरीदारी में चली जाती है। वह बार-बार समझाती है, लेकिन अमीर होने के अहसास होने से मार की वजह से यह बात समझ में नहीं आती कि मां को अपनी सीमित तनख्वाह के भरोसे महीने भर घर चलाना है।

गिरिश पंकज

मध्यमवर्गीय समाज के कुछ लोग इन दिनों अनेक धनपतियों को देख-देख कर खुद को उनके जैसा ही दिखाने के भ्रम में कर्ज में डूबते चले जा रहे हैं। मासिक किस्त यानी 'ईएमआइ' के भरोसे अपने आप को 'रिच' यानी धनी महसूस करने की मानसिकता में लोग मतवाले हुए जा रहे हैं। इस व्यामोह से कुछ किशोर और यहां तक कि बच्चे भी ग्रस्त दिखते हैं। पिछले दिनों एक निजी स्कूल में पढ़ाने वाली एक शिक्षिका उच्च विद्यालय में पढ़ने वाले अपने बच्चे के बारे में अपनी सहेली को दुखी होकर बता रही थी कि मेरे बेटे को शहर के सिनेमा हाल में जाकर फिल्म देखना ही पसंद नहीं। उसे किसी माल में जाकर फिल्म देख कर ही संतुष्टि मिलती है और वहां जाने के बाद जब तक वह सात सौ रुपए वाला बड़ा पापकार्न खरीद कर न खाएं, तब तक उसे चैन नहीं पड़ता। ऐसा वह सिर्फ इसलिए करता है कि तब उसे 'रिच फीलिंग' (अमीर दिखने की अनुभूति) होती है। वह खुद को अनेक धनपतियों की श्रेणी में खड़ा पाता है।वह किसी सामान्य दुकान से कपड़े नहीं खरीदता, बल्कि किसी बड़े माल में जाकर मशहूर ब्रांड के पैंट-शर्ट, जूते, घड़ी आदि खरीद कर पहनने का आदी हो चुका है। उसकी मां आए दिन बेटे की आनलाइन खरीदारी से भी परेशान

हैं। घर में तीन-चार चश्मे पहले से पड़े हुए हैं। मगर उसे मोबाइल में आनलाइन कारोबार वाली किसी वेबसाइट पर कोई नया चश्मा पसंद आ जाएगा, तो फौरन आर्डर कर देगा। चमकदार जूते, घड़ी आदि नजर आते ही वह आर्डर कर देगा, भले ही ये सब चीजें उसके पास पहले से ही मौजूद हों। मां समझाती है, पर वह मानता नहीं। इस उद्धरण को सिर्फ संदर्भ के तौर पर देखा जा सकता है। सच यह है कि ऐसे बच्चे और उनकी ऐसी सोच-समझ और व्यवहार अब समाज में आम मामलों की तरह देखा जा सकता है। सक्षम तबकों से आने वाले ज्यादातर बच्चे इसी मानसिक ढांचे के तहत अपना जीवन-चक्र आगे बढ़ा रहे हैं। दिखावा एक सामाजिक मूल्य बनता जा रहा है। मगर इस सबसे बेखबर समाज के दूसरे वर्ग भी दिखावे के इस रोग की गिरफ्त में आ रहे हैं। एक नशा बाहर के खाने का भी है। अब अनेक बच्चों को घर का खाना पसंद नहीं आता, आनलाइन पिज्जा और ठंडे पेय मंगा कर खाना-पीना उसे खूब भाता है। आनलाइन खरीदी का नशा अलग है। ऐसे तमाम बच्चे हैं, जिनकी मां की एक बड़ी राशि बेटे की आनलाइन खरीदारी में चली जाती है। वह बार-बार समझाती है, लेकिन अमीर होने के अहसास होने से मार की वजह से यह बात समझ में नहीं आती कि मां को अपनी सीमित तनख्वाह के भरोसे महीने भर घर चलाना है। मां की आर्थिक दिक्कत से बेटे का कोई सरोकार नहीं। उसे अपनी अमीर होने की अनुभूति की चिंता है। मसलन, कभी-कभी आंदोलनकर्मी नारे लगाते हैं कि 'चाहे जो मजबूरी हो, हमारी मांगें पूरी हों'। इसी तरह, कुछ बच्चों की जिद रहती है कि भले ही माता-पिता के बैंक खाते में पैसे खत्म हो गए हों, मगर उन्हें जो चीज चाहिए तो वह चाहिए ही। इस तनाव में मां को मजबूरी में कहीं से उधार मांगना पड़ता है।

ऐसे अनेक बच्चे मध्यवर्गीय परिवारों में मौजूद हैं, जो आर्थिक हैसियत न होने के बावजूद सिर्फ इसलिए अनाप-शनाप चीजें खरीद लेते हैं कि उनकी 'रिच फीलिंग' बरकरार रहे। माता-पिता को कर्ज में डुबोकर बच्चे बड़े आत्मविश्वास में भरकर कहते हैं कि जब वे कमाने लगेंगे, तो महंगी कार खरीदेंगे, पूरी दुनिया की सैर करेंगे, भले ही अभी पुरानी कार खरीदने की भी आर्थिक हैसियत नहीं हो, मगर अमीरी के सपने देखने में कोई कमी नहीं। एक पिता अपने दो बेटों की इसी मानसिकता से त्रस्त थे कि उसके कारण ही वे कर्ज में डूबे हुए हैं। 'आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया' वाली स्थिति है। ऐसे अहसास के शिकार वे बच्चे अधिक हैं, जो पढ़ाई-लिखाई को गंभीरता से नहीं लेते और हर समय स्मार्टफोन में नजरें गड़ाए रखते हैं। अब तो स्मार्टवाच भी है, जिसमें मनोरंजन के बहुत से इंतजाम हैं। ऐसे बच्चों की महंगी फरमाइशों को पूरा करते-करते अभिभावक परेशान हो जाते हैं, लेकिन अपने बच्चों को समझा ही नहीं पाते कि हम तुम्हारे अमीर होने के अहसास को और बर्दाश्त नहीं कर सकते। कड़े शब्दों का प्रयोग इसलिए भी नहीं करते कि कहीं इसका दुष्परिणाम न हो। आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, जिसमें मां ने डांट दिया तो लड़का घर से भाग गया। महंगा मोबाइल नहीं दिलाया तो बच्चा फंदे से लटक गया।सही है कि इस बाजारवाद की सबसे भयावह चीज यही है कि मध्यवर्गीय परिवार के अनेक बच्चे अपने अभिभावकों की परेशानियों को समझना नहीं चाहते। सिर्फ यह कि किसी भी सूरत में उनकी इच्छाओं की पूर्ति हो जाए।

जबकि बाजार सामान्य इच्छाओं को भी एक बेलगाम भूख में तब्दील कर देता है। अब तो महंगा आइ-फोन 'स्टेटस सिंबल' या ऊंची हैसियत का प्रतीक बन चुका है। मन में यह गर्वीला भाव जागृत होता है कि हम भी कुछ हैं। बच्चे स्कूल या कालेज में अपने साथियों को दिखाते हैं कि हमारे पास भी आइ-फोन है, भले ही उसकी मासिक किस्त भरते-भरते अभिभावक परेशान रहें। एक सवाल यह भी है कि बच्चों की सोच-समझ की इस दिशा में आगे बढ़ते जाने में क्या अभिभावकों की जिम्मेदारी नहीं बनती? क्या बच्चों के भीतर अभिरुचि के विकास और उनके एक जिद में तब्दील होने में अभिभावकों की अनदेखी की कोई भूमिका नहीं है? हालांकि समझदार बच्चे घर-परिवार की आर्थिक परेशानियों को देखते हुए कभी अनावश्यक जिद नहीं करते। वे दिखावे की होड़ में बिल्कुल नहीं पड़ते और यथार्थ में जीते हैं। जैसी चादर है, उसके हिसाब से पैर फैलाना चाहिए।

घर-घर किया जा रहा मतदाता पर्ची वितरण

बोकारो (ससे): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार विधानसभा आम चुनाव, २०२४ को लेकर जिले में मतदाता पर्ची एवं मतदाता मार्ग दर्शिका का वितरण किया जा रहा है। इस क्रम में मंगलवार को भी जिले के सभी प्रखंडों में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदाता सूचना पर्ची (वोटर इनफॉरमेशन स्लिप का वितरण किया जा रहा है।

इस दौरान बीएलओ मतदाताओं को निर्वाचन संबंधी जानकारी प्रदान करने, मतदान की तिथि बताने, मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध सुविधाओं से अवगत करा रहे हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने सभी बीएलओ को निर्देश दिया है कि आगामी १५ नवंबर तक शत प्रतिशत मतदाता पर्ची - मतदाता मार्ग दर्शिका उपलब्ध कराएंगे। अगर किन्हीं मतदाता को यह प्राप्त नहीं होता है तो वह अपने बीएलओ से संपर्क करें अथवा डायल १९५० पर अपनी शिकायत दर्ज करें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि मतदाता पर्ची (वोटर इंफारमेशन स्लिप (वीआइएस) फोटो पहचान पत्र नहीं है, इससे मतदान करने के समय मतदान क्रम संख्या/भाग संख्या एवं मतदाता की विवरणी मतदाता सूची में खोजने में आसानी होती है।

मतदाता पर्ची या वोटर इंफारमेशन स्लिप (वीआइएस) भारत चुनाव आयोग द्वारा जारी किया गया एक दस्तावेज है। इसमें मतदाता का विवरण होता है, जैसे नाम, आयु, लिंग, विधानसभा क्षेत्र, मतदान केंद्र का स्थान और मतदान की तिथि और समय। मतदान के दिन मतदाता द्वारा इसे साथ ले जाने पर यह मतदाताओं के लिए एक मार्ग-दर्शक पुस्तिका और वास्तविक मतदाताओं की पहचान के रूप में कार्य करता है। विधानसभा आम निर्वाचन २०२४ के तहत चुनाव का पर्व - देश का गर्व मतदान होना है। आगामी २० नवंबर २०२४ को मतदान होगा। ऐसे में मतदाताओं को मतदान करने से पहले मतदाता फोटो युक्त पहचान पत्र (ईपीक) प्रस्तुत करना है। यादि किसी कारणवश मतदाता मतदान केंद्र में ईपीक प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं तो ऐसी स्थिति में मतदाता वैकल्पिक फोटो युक्त पहचान पत्र दिखाकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मतदान के लिए ईपीक के अलावा १२ अन्य वैकल्पिक दस्तावेज मान्य हैं। इसमें पासपोर्ट, ड्राइविग लाइसेंस, राज्य या केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंकों या डाकघरों द्वारा जारी की गई फोटोयुक्त पासबुक, पेन कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) द्वारा जारी किए गए कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय), फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, आधार कार्ड, सांसद/ विधायक पार्षद को जारी कार्ड एवं विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआइडी) शामिल है।

बैजनाथ महतो छोटू ने जारी किया संकल्प पत्र

डुमरी (ससे): निर्दलीय प्रत्याशी बैजनाथ महतो उर्फ छोटू दा ने घुजाडीह डुमरी स्थित कार्यालय में मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी संकल्प पत्र जारी किया। पत्र में कहा गया कि डुमरी विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों में सालों भर खेती सुनिश्चित करना, सभी खेत बाडी टांड तक पानी पहुंचाना तथा व्यावसायिक खेती पर विशेष जोर देने,जानवरों का टेकाय छेकाय, हेतु प्रत्येक पांच पंचायत गरु गौशाला (गोहाल) का स्थापना कर बेहतर ढंग से संचालित करने, वर्ष भर जंगल बचाना जंगली औषधि,कीमती फल फूलों तथा लाह की खेती को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार से जोड़ना,खेल अकादमी का स्थापना कर फुटबॉल बॉलीबाल क्रिकेट तीरंदाजी साइकिलिंग आदि खेलों में खिलाड़ियों के लिए कोच एवं कोचिंग की स्थायी व्यवस्था कर खिलाड़ियों को दक्ष बनाने, महिला समूह दीदी के लिए सभी सभी क्लस्टरों में आधुनिक स्तर का नुनी दीदी सामुदायिक भवन का निर्माण करना।

डुमरी नावाडीह में नुनी बाबू छात्रावास निर्माण करवाना, भाषा, संस्कृति, कृषि, खतियान, औधौगिक, शिक्षा, नियोजन रोजगार, नीति पर कारगार कदम उठाने की बात शामिल हैं। मतदाताओं से उन्होंने अपना चुनाव चिन्ह चूड़ियां छाप पर वोट देने की अपील की।प्रेस कॉन्फ्रेंस में फलजीत महतो,रेखा देवी,बसंती देवी, रीना देवी, रेखा देवी, इस्माइल अंसारी, गुलाम सबीर, आजाद अंसारी, प्रदीप सिंह, डीके महतो, नुनुचंद कुम्हार, लतिफ अंसारी, देवरतन पाडेय, राजेश सिंह, विजय ठाकुर, विजय महतो, झब्बू महतो, बजरंगी महतो, तुलसी महतो, हरखलाल महतो, सुनील महतो, सोहवा देवी, कारी देवी आदि उपस्थित थे।

कमेटी ने की घटनास्थल की जांच

बोकारो (ससे): पिछले दिनों गरगा पुल समीप बनाये गये अस्थायी पटाखा दुकानों में आग लगने, कई पटाखों के दुकानों के जल जाने एवं सामग्रियों की क्षति होने के संबंध में उपायुक्त विजया जाधव द्वारा डीडीसी गिरजा शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय टीम ने मंगलवार को घटनास्थल का जायजा लिया।

टीम ने आग लगने के कारणों की पड़ताल की एवं मौके पर कुछ दुकानदारों से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त किया। टीम ने आगजनी से क्षति का भी आंकलन किया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढ़ांडा, सीटी डीएसपी अलोक रंजन, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, जिला अग्निशमन पदाधिकारी भगवान ओझा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीसी ने आसमान में लहराया हॉट एयर गुब्बारा

बोकारो (ससे): आगामी २० नवंबर को जिला अंतर्गत सभी विधानसभा क्षेत्रों (३४ गोमिया, ३५ बेरमो, ३६ बोकारो एवं ३७ चंदनकियारी) में मतदान होना है। जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर सिस्टेमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन (स्वीप) कोषांग द्वारा लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में मंगलवार को समाहरणालय परिसर से जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, स्वीप को नोडल पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता/ शक्ति कुमार, मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि द्वारा हाट एयर गुब्बारा आसमान में उड़ाया गया। लगभग ७० मीटर ऊंचाई से यह गुब्बारा आम से खास को मतदान के लिए प्रेरित करेगा।

हॉट एयर गुब्बारा में मतदाता जागरूकता के स्लोगन लिखे गए हैं और मतदान की तरीख (२० नवंबर २०२४) का उल्लेख किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव ने इस हॉट एयर गुब्बारा को उड़ाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया है। इस दौरान मौजूद लोगों को मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने और अपने घर परिवार के सदस्यों/आस - पड़ोस के लोगों को मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने के लिए जागरूक करने की बात कहीं।

उधर, अनुमंडल कार्यालय चास परिसर में भी निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढ़ांडा, निर्वाची पदाधिकारी सह डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता व अन्य पदाधिकारियों द्वारा मतदाता जागरूकता से संबंधित हॉट एयर गुब्बारा आसमान में उड़ाया गया।

छठ पूजा पर स्पेशल ट्रेन से घर लौटे यात्रियों ने जताया संतोष

मुंगेर (एजेंसी): छठ पूजा के अवसर पर परदेशियों की घर वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है और इस दौरान यात्रियों ने रेलवे की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया है. मुंगेर में लोक आस्था के इस महापर्व के लिए रेल मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल ट्रेनों से यात्रियों को काफी राहत मिली है. यात्रियों चंद्रचूड़ साक्षी, शंकर कुमार और गुंजन सिन्हा ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों का विकास किया जा रहा है. रेलवे अधिकारियों के अनुसार रेल मंत्रालय और सरकार की ओर से छठ पूजा के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिससे बाहर रहकर काम करने वाले श्रमिक आसानी से अपने घर लौट रहे हैं. यात्रियों ने कहा कि इस व्यवस्था से उन्हें काफी मदद मिली है. अगर रेलवे इसी तरह काम करती रही, तो ट्रेनों में होने वाली समस्याएं कम हो जाएंगी.

पोस्टल बैलेट से मतदान शुरू पहले दिन 747 मत पड़े

बोकारो (ससे): विधानसभा आम निर्वाचन २०२४ के तहत जिला अंतर्गत सभी विधानसभा क्षेत्रों में आगामी २० नवंबर २०२४ को मतदान होना है। जिले के मतदान कार्य मे लगे मतदानकर्मियों एवं पुलिस के जवानों/झारखंड शस्त्र पुलिस बल (जेएपीएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) आदि सुरक्षा बलों ने मंगलवार को पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इसके लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर ३ सुविधा केन्द्र क्रमशः पुलिस केन्द्र, सेक्टर-१२ बोकारो, मध्य विद्यालय बीएमपी सेक्टर १२ बोकारो एवं संयुक्त श्रम भवन बोकारो में स्थापित किया गया है। जहां मतदान कार्य मे लगे मतदानकर्मियों, पदाधिकारियों, सेक्टर पदाधिकारियो एवं पुलिस के जवानों नें पूर्वाह्न ०९.३० बजे से अपराह्न ०५ बजे तक अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

सभी स्थापित सुविधा केंद्रों में मतदाताओं के लिए मूलभूत सुविधाओं (शेड/पानी/पंखा/रौशनी आदि) की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। ०३ केंद्रों पर *कुल ७४७ मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर लोकतंत्र के इस महापर्व में शामिल हुए। आज ३४ गोमिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में ८५ मतदाता, ३५ बेरमो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में १०१ मतदाता, ३६ बोकारो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में ४७६ मतदाता एवं ३७ चंदनकियारी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में ८५ मतदाताओं ने मतदान किया।

उत्पाद विभाग ने अवैध शराब निर्माण स्थल पर की छापेमारी

बोकारो (ससे): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर मंगलवार को सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने पेटरवार थाना अंतर्गत चांदो एवं जरीडीह थाना अंतर्गत चिमनागोडा में अवैध शराब निर्माण स्थल पर छापेमारी की।

मौके से उत्पाद टीम ने ४,००० केजी जावा महुआ शराब एवं १५० लीटर तैयार महुआ शराब को जब्त किया। वहीं, अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले वस्तुओं को नष्ट किया। छापेमारी के क्रम में संलिप्त अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया जा रहा है। छापेमारी दल में निरीक्षक उत्पाद सदर-सह-बेरमो क्षेत्र विजय कुमार पाल, अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा महेश दास उपस्थित थे।

जानकारी हो कि, विधानसभा आम निर्वाचन २०२४ को लेकर बोकारो जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त बोकारो ने सहायक आयुक्त उत्पाद को लगातार अभियान चलाकर अवैध शराब के निर्माण - बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

साइकलिंग प्रतियोगिता में शामिल होने रांची रवाना

डुमरी (ससे): मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स होटवार रांची में आयोजित सीनियर, जूनियर, सबजूनियर एवं यूथ ११वीं राज्य स्तरीय रोड साइकलिंग प्रतियोगिता २०२४ में भाग लेने के लिए गिरिडीह जिला साइकलिंग टीम पारसनाथ रेलवे स्टेशन से सोमवार की रात १८ सदस्य रवाना हुए।

राज्य स्तरीय रोड साइकलिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जिला से चयनित खिलाड़ियों में सीनियर महिला वर्ग के लक्ष्मी कुमारी, नुसरत प्रवीण, काजल कुमारी पुरुष वर्ग में में रंजीत कुमार चौधरी, विवेक कुमार,अजय कुमार पंडित, कौशल कुमार महतो, दीपक कुमार, दुलारचंद कुमार चौधरी, दीपक कुमार ठाकुर जूनियर पुरुष वर्ग में महेश कुमार, पीयूष कुमार सबजूनियर बालिका वर्ग में रोशनी कुमारी, पिंकी कुमारी बालक वर्ग में रोशन कुमार एवं यूथ वर्ग में बालक नंदन कुमार, दिनेश चौधरी, संजीत चौधरी

शामिल है। सभी प्रतिभागी संघ के महासचिव जितेंद्र महतो, नरेश कुमार, शिवशंकर यादव, राजकुमार मेहता, पायल कुमारी के नेतृत्व में रांची रवाना हुए हैं। संघ के महासचिव जितेंद्र महतो ने कहा कि साइकिलिंग को व्यापक रूप से परिवहन का एक प्रभावी और कुशल साधन माना जाता है। साइकिलें मोटर वाहनों की तुलना में कई लाभ प्रदान करती हैं।साइकिल चलाने से शारीरिक व्यायाम होता है साथ ही आसान पार्किंग, गतिशीलता में वृद्धि,और सड़कों, बाइक पथों और ग्रामीण पगडंडियों तक पहुंच है। साइकिल चलाने से जीवाश्म ईंधन की खपत कम होती है, वायु और ध्वनि प्रदूषण कम होता है, ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम होता है।

राजद का चला डोमचांच में जनसम्पर्क अभियान

कोडरमा (ससे): कोडरमा इंडिया गठबन्धन के समर्थित राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी सुभाष प्रसाद यादव के लिए पक्ष में जनसम्पर्क अभियान चलाया गया।मंगलवार को मेघातरी, काराखूंट, बुच्चीटांड़, बगड़ो, बग़रीडीह, लक्षणडीह, डुमाडीह, मसमोहना, कुंडिधनवार, कटाही, निमाडीह इलाको में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। जनसम्पर्क अभियान में सुभाष प्रसाद यादव की धर्मपत्नी लालती देवी और बेटी आयुषी ने कोडरमा में तरक्की और बदलाव के लिए राजद प्रत्याशी के लिए पक्ष में मतदान करने की अपील की।

धर्मपत्नी लालती देवी ने मतदाताओं को भरोशा दिलाया कि कोडरमा की पहचान मिटने नही दी जाएगी।उन्होंने कहा कि ढिबरा/माइका कोडरमा की पहचान है,लेकिन केंद्र की सरकार और विधानसभा में प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों ने कोडरमा की पहचान मिटाने की कोशिश की है।

उसी का नतीजा है कि ढिबरा/माइका को लीगल व्यापार नही बनाया जा सका। उन्होंने कहा कि राजद का इसबार विधायक चुनकर विधानसभा पहुंचे, तो ढिबरा व्यापार हर हाल में लीगल होगा। बेटी आयुषी ने कहा कि जनता मालिको की सेवा करने में उनके पिता ने कोई कसर नही छोड़ी, लेकिन उनके पिता को साजिश कर जेल भेज दिया गया। जनता मालिको और लालू जी के सिपाहियों को जेल का जबाब वोट से देना होगा।तभी सत्य की जीत होगी।उन्होंने कहा कि उनके पिता के आंसू के एक एक लम्हा कोडरमा के लिए हज़ार सपनों को पूरा करने के लिए निकला है। उनके आंसुओं का हिसाब जनता को करना होगा।

मौके पर महिला जिलाध्यक्ष अमरजीत कौर, महेंद्र यादव, विजय यादव, संजय दास, मनोज बहादुर, धोनी, असलम,मो मुबारक, परवेज खान, रजिया सुल्ताना, सुरेश राणा, राहुल गुप्ता, शमशेर आलम, मनोहर प्रजापति, मंटू पंडित आदि मौजूद थे।

जगन्नाथ मंदिर परिसर में सजावटी जलाशय का उद्घाटन

बोकारो (ससे): शहर सौंदर्यीकरण हेतु श्रीमती अनिता तिवारी,अध्यक्षा महिला समिति, बोकारो के कर कमलों द्वारा आज दिनाँक ०५ नवंबर को संध्या श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में सजावटी जलाशय का उद्घाटन किया गया. मुख्य मंदिर के दोनों तरफ एक-एक फव्वारा मंदिर की शोभा बढ़ा रहा है तथा दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बना है. आज छठ पूजा के नहाए-खाए से समिति की कार्यकारिणी दल की उपस्थिति में अध्यक्षा द्वारा इसका शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर उपाध्यक्ष मोनिका रंगानी, निशा श्रीवास्तव, प्रीति शरण सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी, सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार, अनीशा झा, प्रीति राजेश, जया, आशा, समिता ने दीप जलाया तथा पूजा अर्चना की.

समाज कल्याण पदाधिकारी ने मतदान करने की दिलायी शपथ

कोडरमा (ससे): कोडरमा स्वीप कार्यक्रम के तहत कोडरमा जिले के जे जे कॉलेज ग्राउंड में आज १८वी जूनियर झारखंड राज्य खो खो प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन कार्यक्रम नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीतीश कुमार निशांत शामिल हुए।

इस अवसर पर जिले के जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने खिलाड़ियों को मतदाता शपथ दिलाया और शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीतीश कुमार निशांत और बालक बालिका खिलाड़ी एवं तकनीकी पदाधिकारी ने १९ कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के लिए हस्ताक्षर बोर्ड पर हस्ताक्षर कर और सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेकर नैतिक मतदान करने का संदेश दिया।

उपस्थिति इस अवसर पर कोडरमा जिला खो-खो संघ के उपाध्यक्ष मुन्ना कुमार प्राइवेट स्कूल एवं सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के सेक्रेटरी तौफीक हुसैन प्रधानाध्यापक माउंट एरिन पब्लिक स्कूल के राज रंजन डायरेक्टर प्रिंस नयन आर पी हाई स्कूल के प्रिंसिपल रामचंद्र उपस्थित थे। मंच का संचालन झारखंड राज्य खो-खो संघ के

हृदयघात से अधेड़ की मौत

हाथरस (ईएमएस): जिले में अचानक होने वाले हृदताघात से हो रहीं मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। बीती देर शाम गांव जोगिया के एक अधेड़ व्यक्ति की हृदयाघात होने से मौत हो गई। राकेश भारती (४८) निवासी जोगिया थाना कोतवाली हाथरस गेट को अचानक सीने में दर्द और सांस लेने में परेशानी होने लगी। परिजन उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गौर हो कि जिले में लगातार हृदयाघात होने से ऐसे ही मौतें हो रही हैं।

छठ पर उलार सूर्य मंदिर पहुंचे लालू यादव

पटना (एजेंसी): चार दिन तक चलने वाले छठ महापर्व की आज यानी मंगलवार (५ नवंबर) से शुरुआत हो गई है. बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में छठ महापर्व प्रमुखता के साथ मनाया जाता है. इस महापर्व पर राजद अध्यक्ष लालू यादव भी अपनी बेटी मीसा भारती के साथ पटना स्थित उलार सूर्य मंदिर पहुंचे. यहां पहुंचने के बाद छठ घाट का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने जो कमियां देखीं, उन्हें अधिकारियों को अवगत कराया. वहीं मीसा भारती ने पूरे मंदिर परिसर का भ्रमण करके तैयारियों का जायजा लिया. यहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और बिहार के लोगों के सुख समृद्धि के साथ शांति की मन्नत मांगी. हालांकि, इस दौरान लालू यादव मंदिर में भगवान भास्कर के दर्शन नहीं कर सके.

लालू यादव को सीढ़ी चढ़ने में दिक्कत होने की वजह से वह मंदिर के अंदर पूजा अर्चना करने नहीं जा सके. इस दौरान मीसा भारती ने कहा कि हमारे पिता भी हमारे साथ यहां आए हैं. हमने छठ घाटों का निरीक्षण किया है. जो कमी दिखाई दी, अधिकारियों को बताया और उन्हें ठीक करने को कहा है. मीसा भारती ने कहा कि छठ पर्व इतना महान पर्व है कि इसमें दूर दराज से लोग उलार सूर्य मंदिर में छठ पूजा करने आते हैं. सरकार ने जो व्यवस्थाएं की हैं वह काफी बढ़िया हैं, हालांकि इसे और सही ढंग से किया जा सकता है.

बिहार की जेलों में गूंज रहे हैं छठी मईया के गीत

पटना (एजेंसी) लोक आस्था के महापर्व छठ पर पूरा बिहार छठमय हो गया है. शहर के मोहल्लों, गांव की गलियों से लेकर चौक-चौराहों तक में छठी मईया के गीत गूंज रहे हैं. इन सब से दूर सभी मनोकामना पूर्ण करने वाले इस पर्व में बिहार की जेलों में भी छठ के गीत गाए जा रहे हैं. जेलों का माहौल भी भक्तिमय हो गया है. बिहार के विभिन्न जेलों में बंद कई कैदी भी सूर्य उपासना के व्रत श्रद्धापूर्वक कर रहे हैं. इसके लिए जेल प्रशासन ने भी खास तैयारी की है.

पटना के बेउर जेल में महिला और पुरुष सहित ७० बंदी छठ पूजा कर रहे हैं. मौके पर जेल प्रशासन ने सभी छठ व्रतियों के लिये पूरी तैयारी की है. जेल में मौजूद छठ व्रतियों को पूजा सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है. मंगलवार को छठ व्रत के पहले दिन नहाय - जेल को लेकर सभी कैदियों को प्रसाद के रूप में कद्दू-चावल दिया जाएगा. इसके अलावा खरना के रोज भी कारा प्रशासन बंदियों को प्रसाद उपलब्ध कराएगा. कुल १३ महिलाएं और ५७ पुरुष बंदी छठ व्रत करेंगे.

जेल अधीक्षक विधु कुमार ने बताया कि लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जेल में साफ-सफाई की गई है. छठ पूजा करने वाले बंदियों को सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है. उन्होंने बताया कि भले ही व्रत ७० बंदी कर रहे हैं परंतु उनकी मदद के सभी कैदी कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि बेउर जेल में प्रत्येक वर्ष कैदियों द्वारा छठ व्रत किया जाता है. भागलपुर जिले की जेलों में भी छठ के गीत गूंज रहे हैं तथा पूरा माहौल भक्तिमय बन गया है. यहां ५० कैदी छठ पर्व में जुटे हुए हैं. शहीद जुब्बा सहनी केंद्रीय जेल में २५ पुरुष, महिला मंडल कारा में १५ और तथा विशेष केंद्रीय कारा १० बंदी छठ पर्व किया है. जेल प्रशासन इन व्रतियों के लिए कपड़े, छठ पूजन सामग्री, प्रसाद सहित अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध करा रहा है. छठ पर्व करने वालों में एक मुस्लिम कैदी भी शामिल है.

जेल के अंदर बने तालाब की सफाई करा दी गई है जहां व्रती गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को और शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देंगे. इसके अलावे गोपालगंज, बक्सर , मुंगेर जेल में भी कई कैदियों द्वारा छठ पर्व किये जाने की सूचना है. जेल विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक जेल में छठव्रती के किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसका जेल प्रशासन पूरा ख्याल रख रहा है. शुद्धता का पर्याय माने जाने इस पर्व में जेल में भी शुद्धता का ख्याल रखा जा रहा है.

इधर, मुजफ्फरपुर के शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में भी इस साल बड़ी संख्या में कैदी छठ व्रत की तैयारी में जुटे है. बताया जाता है कि इस साल ४७ महिला के साथ-साथ ४९ पुरुष छठ पर्व कर रहे हैं. छठ व्रत करने वालों में हिन्दू कैदियों के अलावा मुस्लिम समाज के तीन कैदी शामिल हैं. जेल परिसर स्थित तालाब को चारों तरफ सजाया गया है. तालाब के किनारे रंग रोगन किया गया है तथा रोशनी की व्यवस्था की गई है.

आकर्षक रंग-बिरंगी लाइट तालाब के किनारे लगाई गई है. जेल अधीक्षक बृजेश सिंह मेहता ने बताया कि इस बार जेल के अंदर महिलाओं से अधिक पुरुष बंदी लोक आस्था का महापर्व छठ कर रहे है. इसमें तीन मुस्लिम और एक सिख धर्म के मानने वाले हैं. उन्होंने बताया कि पर्व में उपयोग होने वाली सभी सामग्री छठ व्रत करने वाले बंदियों को उपलब्ध करा दी गई है.

उल्लेखनीय है कि चार दिनों के इस पर्व में व्रती मंगलवार को नहाय-खाय से व्रत की शुरुआत करेंगे. बुधवार को खरना किया जाएगा जबकि गुरुवार को अस्ताचलगामी और शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती अन्न-जल ग्रहण कर 'पारण' करेंगे.

मुस्लिम महिलाओं ने छठ पूजा में दिखाई एकता का उदाहरण

पटना (एजेंसी): छठ पूजा २०२४ के मौके पर मोतिहारी के लक्ष्मीपुर गांव की तीन मुस्लिम महिलाओं ने धर्म की दीवारों को तोड़ते हुए छठ व्रत रखा है. ये महिलाएं कहती हैं कि धर्म के आधार पर लोगों में बंटवारा नहीं होना चाहिए, क्योंकि सबका मालिक एक है. हसीना खातून जो ५० साल की हैं उन्होंने बताया कि उनके बेटे की शादी को दस साल हो गए थे, लेकिन उन्हें कोई संतान नहीं हो रही थी. आस-पास के लोगों की सलाह पर उन्होंने पौत्र के लिए छठ पूजा करने का संकल्प लिया, जो छठी माता की कृपा से पूरा हुआ. इसके बाद से वह लगातार छठ व्रत कर रही हैं.

जानकारी के लिए बता दें कि ३५ वर्षीय जमीला खातून और ६० वर्षीय दरउदा खातून भी छठ पूजा करती हैं, जिससे उनकी आस्था और भी बढ़ गई है. ये महिलाएं बताती हैं कि उन्होंने समाज में विभिन्न रुकावटों के बावजूद इस व्रत को निभाया है और भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया है.

इस महापर्व में उनका सहयोग हिंदू समुदाय के लोग भी कर रहे हैं. छठ पूजा के लिए इन मुस्लिम महिलाओं ने हिंदू समाज के घरों की छतों पर गेहूं और अन्य सामग्री सुखाई है, ताकि ये सभी चीजें पवित्र हो सकें. वे बताती हैं कि वे सभी विधि-विधान से महापर्व का पालन कर रही हैं, जिसमें नहाय-खाय से लेकर खरना और अर्घ्य देना शामिल है.

उनके घरों में छठ के गीत भी गूंज रहे हैं, जिससे पूरे वातावरण में खुशियों का माहौल बना हुआ है.

साथ ही इस प्रकार मोतिहारी की इन महिलाओं की छठ व्रत करने की कहानी धार्मिक एकता और सहयोग का प्रतीक है. यह दर्शाता है कि आस्था में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए और सभी को मिल-जुलकर त्योहार मनाना चाहिए. इस महापर्व ने मुस्लिम और हिंदू समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा दिया है, जो धर्म की सीमाओं को पार करते हुए एक दूसरे के साथ खड़े हो रहे हैं.

पूरब-पश्चिम से उत्तर-दक्षिण तक हर राज्य में बाबा बुलडोजर की डिमांड

लखनऊ (एजेंसी): मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यूपी ही नहीं दूसरे राज्यों में भी भारी डिमांड है. बीजेपी के लिए वह बड़े स्टार प्रचार के तौर पर उभरे हैं. यूपी की ९ सीटों पर होने वाले उपचुनाव के साथ सीएम योगी महाराष्ट्र और झारखंड में भी ताबड़तोड़ रैलियां करते दिखाई देंगे. आज यानी ५ नवंबर उनका पहला चुनावी दौरा है, जहां वह झारखंड में मोर्चा संभालते दिखेंगे. इससे पहले हरियाणा से लेकर जम्मू कश्मीर और अन्य राज्यों में हुए चुनाव में वह बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाते दिखाई दिए हैं.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महाराष्ट्र में भारी डिमांड देखने को मिल रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां राज्य में ८ रैलियां करेंगे तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महाराष्ट्र में ताबड़तोड़ १५ रैलियां होंगी. झारखंड में भी रैली-जनसभाओं के जरिए वह बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाते दिखाई देंगे. आज से चुनाव प्रचार का आगाज है. पहले दिन उनकी तीन विधानसभाओं में जनसभा होगी. हरियाणा और जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनावों में सीएम योगी की खूब डिमांड रही. सीएम योगी ने धुआंधार रैलियां कर जम्मू कश्मीर में माहौल आया. नतीजे आए तो उनकी लोकप्रियता पर मुहर लगी. जम्मू कश्मीर की जिन चार सीटों पर योगी की रैलियां हुईं वो सभी बीजेपी के खाते में गईं. वहीं हरियाणा में जिन १४ विधानसभा सीटों प्रचार किया. वहां ९ सीटें बीजेपी उम्मीदवार जीतने में कामयाब रहे.

वहीं, उससे पहले राजस्थान, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, छत्तसीगढ़ और मिजोरम में हुए विधानसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ की रैलियों की सबसे ज्यादा डिमांड देखने को मिली. इससे पहले हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में भी उन्होंने ताबड़तोड़ रैलियां की थीं. लोकसभा चुनाव में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्टार प्रचारक थे. उन्होंने १२ राज्यों में चुनाव प्रचार किया था. जिसमें महाराष्ट्र, बिहार, उत्तराखंड, ओडिशा, हरियाणा, मध्यप्रदेश, जम्मू कश्मीर, छत्तीसगढ़ और राजस्थान से लेकर पश्चिम बंगाल शामिल है. सीएम योगी को सुनने के लिए रैली में भारी भीड़ देखने को मिली थी.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हिंदुत्व का फायर ब्रांड नेता माना जाता है. सीएम योगी रैलियों में उन मुद्दों को उठाते हुए नजर आते हैं, जिनको पीएम मोदी से लेकर बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व उठाने से बचता दिखाई देता है.

1 करोड़ की चोरी में ड्राइवर गिरफ्तार

अंबेडकर नगर (ईएमएस): उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के घर एक करोड़ रुपए की चोरी के मामले में पुलिस ने उनके बेटे के ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए ड्राइवर पर मंत्री के घर से लाखों रुपये चोरी करने का आरोप है। वहीं, ड्राइवर के परिजनों का कहना है कि रामजीत राजभर मंत्री ओमप्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर की गाड़ी चलाते हैं। जानकारी के मुताबिक, टांडा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पहाड़पुर निवासी रामजीत राजभर योगी सरकार के मंत्री ओमप्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर की गाड़ी चलाते हैं। दीपावली के पहले रामजीत घर आए थे। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार सुबह पहले मोटरसाइकिल से पुलिस वाले आए और फिर चारपहिया गाड़ी से आए।

सर्टिफिकेट मामले में चली गई पटना एम्स के डायरेक्टर की कुर्सी

पटना (एजेंसी): पटना के कार्यकारी निदेशक डॉ. गोपाल कृष्ण पाल की कुर्सी पर काफी दिनों से तलवार लटक रही थी और आखिरकार उनकी कुर्सी चली गई. दरअसल, फर्जी ओबीसी सर्टिफिकेट मामले में उन्हें दोषी ठहराया गया है. जिसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने डॉ. गोपाल कृष्ण पाल को पटना एम्स के कार्यकारी निदेशक के पद से हटा दिया है. जानकारी के मुताबिक, एम्स देवघर के कार्यकारी निदेशक डॉक्टर सौरभ वार्ष्णेय को ३ महीने के लिए अथवा नए डायरेक्टर की नियुक्ति तक एम्स पटना का डायरेक्टर नियुक्त किया गया है.

बता दें कि डॉ. गोपाल कृष्ण पाल पर आरोप है कि उन्होंने अपने बेटे डॉ. ऑरो प्रकाश पाल का फर्जी सर्टिफिकेट बनवा कर बड़ी हेराफेरी की थी. गोरखपुर एम्स के अतिरिक्त प्रभार में रहते हुए उन्होंने अपने बेटे का नामांकन पीजी में करा दिया था. इसमें अपने बेटे का प्रमाण पत्र नॉन क्रीमी लेयर के तहत बना कर कराया था. जिसके जांच के लिए केंद्रीय परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था. इस समिति ने अपनी जांच में डॉ. गोपाल कृष्ण पाल को अपने अधिकार और पद के दुरुपयोग का दोषी पाया है.

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, गिरिडीह।
e-mail:- eebcdgiridih@gmail.com

पत्रांक दिनांक /

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 25/2024–25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमंडल, गिरिडीह।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय :– 12–11–2024 को 1.00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 13–11–2024 को 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 13–11–2024 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1. कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमंडल, गिरिडीह। 2. अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– 1. टाउन थाना, गिरिडीह। 2. अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग।
7. कार्य की विवरणी :–

क्रमाक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	अग्रधन राशि (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Estimate for Repair of Aesbestos/GCI sheeted Roof, Trauplin work over sheeted roof at Jamua (SC) AC Strong Room, Rajdhanwar AC strong room, Gandey AC stong room, Giridih AC strong room, Dumri AC strong room, Counting Hall (03 no.) in Bazar Samiti Campus, Pachamba and despatch centre Rajdhanwar AC, Giridih for Jharkhand Vidhanshabha Election 2024	7,65,775/–	1250/-	16,000=00	दिनांक 18.11.2024 तक।
2	Estimate for Sealing room at Dispatch centre and other works in multipurpose building of degree college, Giridih, vivah bhawan, high school maheshlundi, soil conservation centre pachamba for Jharkhand Vidhanshabha Election 2024	3,95,400/–	750/-	8,000=00	दिनांक 15.11.2024 तक।
3	Estimate for Sealing room, counting hall and other works in Bazar samiti campus, Pachamba, Giridih for Jharkhand Vidhanshabha Election 2024	23,20,700/–	5000/-	50,000=00	दिनांक 18.11.2024 तक।

नोटः– निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट् पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
भवन प्रमंडल, गिरिडीह।

PR.NO.339870 Building(24-25):D

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, धनबाद
विधान सभा आम निर्वाचन 2024
प्रशिक्षण कोषांग, धनबाद
प्रेस विज्ञप्ति

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी–सह–सचिव, मंत्रीमंडल निर्वाचन विभाग, झारखण्ड सरकार, राँची के पत्रांक 6665, दिनांक 05.11.2024 के आलोक में सूचित किया जाता है कि मतदान पदाधिकारी/कर्मियों का जिला स्तरीय द्वितीय प्रशिक्षण दिनांक 09.11.2024 को जिले के तीन प्रशिक्षण केन्द्रों क्रमशः एस0 एस0 एल0 एन0 टी0 महिला महाविद्यालय धनबाद, पी0 के0 राय मेमोरियल महाविद्यालय धनबाद तथा गुरू नानक महाविद्यालय धनबाद में पूर्वाह्न 09.30 बजे से अपराह्न 12.30 बजे तक निर्धारित है, के समय सारिणी में आंशिक संशोधन करते हुए दिनांक 09.11.2024 को निर्धारित प्रशिक्षण पूर्वाह्न 08.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 बजे तक उपर्युक्त निर्धारित केन्द्रों पर संचालित होगा। वैसे मतदान पदाधिकारी/कर्मी जिनकी प्रतिनियुक्ति 09.11.2024 को पूर्वाह्न 09.30 बजे से अपराह्न 12.30 बजे तक संचालित प्रशिक्षण के लिए हुई है, उन्हें निदेश दिया जाता है कि अपने निर्धारित केन्द्रों पर उसी तिथि को पूर्वाह्न 08.00 बजे उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

साथ ही दिनांक 04.11.2024 को दोनों पालियों में द्वितीय चरण का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके सभी पीठासीन पदाधिकारी को निदेश दिया जाता है कि वे दिनांक 04.11.2024 को जिन प्रशिक्षण केन्द्रों पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं, उसी केन्द्र पर दिनांक 09.11.2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे अपने Mobile Phone के साथ उपस्थित होकर PDMS (Poll Day Management System) का Dry Run का सफल संचालन में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–
उपायुक्त, धनबाद।

PR 339887 Election(24-25)D

जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, जामताड़ा।
(जिला निर्वाचन शाखा)
पता : संयुक्त भवन ब्लॉक–ए, जामताड़ा, पिन–815351, Email-id : electionofficejmt3@gmail.com

अत्यावश्यक सूचना

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली का पत्रांक–**3/4/ID/2024/SDR/VOL.1** दिनांक–17.10.2024 एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी–सह–सचिव, मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–5700, दिनांक–19.10.2024 द्वारा वैसे मतदाता जो फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र (EPIC) मतदान करने हेतु प्रस्तुत नहीं कर सकते है वैसे मतदाता के द्वारा अपनी पहचान स्थापित करने के लिए निम्नलिखित 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा, जो निम्नवत है :–

वैकल्पिक निर्वाचक फोटो पहचान दस्तावेजों की विवरणी।

क्र0	हिन्दी	English
1	आधार कार्ड	Aadhaar Card
2	मनरेगा जॉब कार्ड	MNREGA Job Card
3	बैंको/डाकघरों द्वारा निर्गत फोटोयुक्त पासबुक	Passbooks with photograph issued by Bank/Post Office.
4	श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत निर्गत स्वास्थ्य बीमा कार्ड	Health Insurance Smart Card issued under the scheme of Ministry Of Labour
5	ड्राईविंग लाइसेन्स	Driving License.
6	पेन कार्ड	PAN Card
7	एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड	Smart Card issued by RGI under NPR,
8	भारतीय पासपोर्ट	Indian Passport
9	फोटोयुक्त पेंषन दस्तावेज	Pension document with photograph.
10	केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान–पत्र	Service Identity Cards with photograph issued to employees by Central/State Govt./PSUs/Public Limited Companies,
11	सांसदों/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र और	Official identity cards issued to MPs/MLAs/MLCs and
12	यूनिक डिस्एबिलिटि आई0डी0 (युडीआई डी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार	Unique Disability ID (UDID) Card. M/o Social Justice Empowerment, Government of India.

फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र (EPIC) के संबंध में, लेखन अशुद्धि, वर्तनी की अशुद्धि इत्यादि को नजर अंदाज किया जायेगा बशर्ते कि निर्वाचक की पहचान फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र से सुनिश्चित की जा सके। यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है, जो किसी अन्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी द्वारा जारी किया गया है, ऐसे (EPIC) भी पहचान स्थापित करने हेतु स्वीकृत किए जाएंगे बशर्ते उस निर्वाचक का नाम जहाँ वह मतदान करने आया है, उस मतदान केन्द्र से संबंधित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध हो। यदि फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण निर्वाचक की पहचान सुनिश्चित करना संभव न हो तब निर्वाचक को उपर्युक्त वर्णित किसी एक वैकल्पिक फोटो दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा। साथ ही प्रवासी मतदाताओं को जो अपने पासपोर्ट में विवरणी के आधार पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20क के अधीन निर्वाचक नामावलियों में पंजीकृत है, मतदान केन्द्र में केवल उनके मूल पासपोर्ट (तथा कोई अन्य पहचान दस्तावेज नहीं) के आधार पर ही पहचाना जाएगा।

नोट :– मतदान दिवस के पूर्व बी0एल0ओ0 द्वारा वितरित की जानेवाली मतदाता सूचना पर्ची **(Voter Information Slip)** मतदान के लिए स्टैंड अलोन पहचान (केवल मतदाता सूचना पर्ची, पहचान पत्र के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा) दस्तावेज के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–
उपायुक्त, जामताड़ा।

PR 339884 (Jamtara) 24-25 (D)

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, बोकारो
(विधानसभा आम निर्वाचन–2024)
(कार्मिक कोषांग)

चुनाव का पर्व DESH KA GARV

–:प्रेस विज्ञप्तिः–

विधान सभा आम चुनाव 2024 के परिप्रेक्ष्य में बोकारो जिला अन्तगर्त चार विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (34–गामिया विधान सभा, 35–बेरमो विधान सभा, 36–बोकारो विधान सभा एवं 37–चन्दनकियारी विधान सभा) में पीठासीन पदाधिकारी एवं मतदान पदाधिकारियों (मतदान दलों) की प्रतिनियुक्ति की गई है एवं सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक–09.11.2024 से 13.11.2024 तक निर्धारित है।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी संबंधित को अपने नियुक्ति पत्र में अंकित तिथि के अनुसार अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण केन्द्रों में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे। प्रशिक्षण में बिना कारण के अनुपस्थित पाये जाने पर लोक जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 134 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कृपया इसे अतिमहत्त्वपूर्ण समझा जाय।

नोडल पदाधिकारी
कार्मिक कोषांग, बोकारो।

PR 339894 (Election) 24-25 (D0

कार्यपालक अभियतां का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
विधानसभा निर्वाचन कार्य 2024 हेतु।

अतिअल्पकालीन निविदा

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या : 52/वर्ष 2024–25

1. विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
2. निविदा विपत्र की बिक्री की तिथि : 12.11.2024 के 11:00 बजे पूर्वाहन से 3:00 बजे अपराहन तक।
3. परिमाण विपत्र के बिक्री का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो, प्रथम तल, कार्यकारी महिला छात्रावास, कैम्प–II, बोकारो।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि : 13.11.2024 के 10:00 बजे पूर्वाहन से 3:00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो, प्रथम तल, कार्यकारी महिला छात्रावास, कैम्प–II, बोकारो।
6. निविदा खोलने का स्थान कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो कार्यकारी महिला छात्रावास, कैम्प–II, बोकारो। दिनांक 13.11.2024 समय 04:00 बजे अपराहन।
7. कार्य की विस्तृत विवरणी

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	बोकारो जिला अंतर्गत नावाडीह प्रखण्ड के राजकीयकृत उच्च विद्यालय, पिपराडीह में 06 अदद शौचालय एवं 06 अदद स्नानगार निर्माण।	976200.00	20000.00	1250.00	15 दिन
2.	बोकारो जिला अंतर्गत नावाडीह प्रखण्ड के राजकीयकृत उच्च विद्यालय, पिपराडीह एवं उच्च विद्यालय, पलामु में डीप बोरिंग अधिष्ठापन कार्य।	732000.00	15000.00	1250.00	15 दिन
3.	बोकारो जिला अंतर्गत नावाडीह प्रखण्ड के मध्य विद्यालय, पोखरिया, राजकीयकृत उच्च विद्यालय, पेंक एवं सी०आर० पी०एफ० कैम्प, नावाडीह में डीप बोरिंग अधिष्ठापन कार्य।	845300.00	17000.00	12500.00	15 दिन
4.	बोकारो जिला अंतर्गत चन्द्रपुरा प्रखण्ड के उच्च विद्यालय, तारानारी में डीप बोरिंग एवं शौचालय में 10 अदद नये दरवाजे का अधिठापन कार्य।	482600.00	10000.00	750.00	15 दिन
5.	बोकारो जिला अंतर्गत बेरमो प्रखण्ड के राम विलास +2 उच्च विद्यालय, बेरमो में 06 अदद स्नानागार का निर्माण।	264600.00	5500.00	750.00	15 दिन
6.	बोकारो जिला अंतर्गत बेरमो प्रखण्ड के राम विलास +2 उच्च विद्यालय, बेरमो में डीप बोरिंग अधिष्ठापन कार्य।	366000.00	7500.00	750.00	15 दिन
7.	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखण्ड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कुरकनालो में 06 अदद शौचालय एवं 06 अदद स्नानागार निर्माण।	976200.00	20000.00	1250.00	15 दिन
8.	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखण्ड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कुरकनालो में डीप बोरिंग अधिष्ठापन कार्य।	366000.00	7500.00	750.00	15 दिन
9.	बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया प्रखण्ड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, रहावन में 04 अदद स्नानागार का निर्माण।	240600.00	5000.00	500.00	15 दिन

नोट – (1) Tender Fee, 2% अग्रधन की राशि तथा निबंधन प्रमाण–पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति अनिवार्य रूप से जमा करने के पश्चात ही निविदा पत्र (BOQ) निर्गत किया जाएगा।
* निविदा की शर्ते कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल बोकारो

PR 339878 Rural Development(24-25)D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, जामताड़ा

निविदा रदद् करने की सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रित सूचना सं0 –10/DWSD/JMT/2024–25 के क्रम सं0–08 जामताड़ा Group सं0–02 जिसका पी आर0 न0 – 339376 Drinking Water and Sanitation) (24–25) D है को अपरिहार्य कारणों से रदद् किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल जामताड़ा।

PR.NO.339890 Drinking Water and Sanitation(24-25):D

यात्री सुविधा व सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा

हाजीपुर (ससे): रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने आज विडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा छठ महापर्व को लेकर यात्री सुविधा/सुरक्षा सहित सभी प्रकार की तैयारियों की समीक्षा की । इस अवसर पर मुख्यालय, हाजीपुर में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह एवं प्रमुख विभागाध्यक्ष सहित मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक शामिल थे ।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने कहा कि दिनांक ०८.११.२०२४ से २२.११.२०२४ के मध्य इस वर्ष लंबी दूरी की ४४६ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा । जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि (वर्ष २०२३ में) ३६९ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया था । इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में इस बार लंबी दूरी की ७५ अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें चलायी जा रही हैं । दिनांक ०८.११.२०२४ को बरौनी, दरभंगा, दानापुर, गया, जयनगर, मुजफरपुर, पटना, रक्सौल, सहरसा, समस्तीपुर एवं अन्य स्टेशनों से ३५ स्पेशल ट्रेनें देश के विभिन्न महत्वपूर्ण स्टेशनों के लिए चलायी जाएंगी । अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड ने अत्यधिक भीड़ के मद्देनजर ट्रेनों के सुचारू परिचालन एवं यात्रियों की सुरक्षा हेतु समुचित कदम उठाने का निर्देश दिया ।

पूर्व मध्य रेल द्वारा छठ महापर्व पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए भीड़ प्रबंधन सहित अन्य कई कदम उठाए गए हैं । यात्री सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक न हो इसके लिए स्टेशनों पर रेल सुरक्षा बल निरंतर चौकसी बरत रहे हैं । अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए कुछ स्टेशनों पर डॉग स्कायड के साथ रेल सुरक्षा बल की तैनाती की गई है ।

पटना, दानापुर, राजेंद्रनगर टर्मिनल, सहरसा, मुजफरपुर, दरभंगा सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाया गया है जिसमें पानी, बैठने एवं आराम करने तथा यात्री सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। साथ ही ट्रेन के आवागमन की जानकारी सहज उपलब्ध हो सके इसके लिए स्टेशनों पर निरंतर उद्घोषणा की जा रही है । इसके लिए मेगा माइक भी उपयोग में लाया जा रहा है । भीड़ नियंत्रण हेतु मुख्य स्टेशनों पर सी०सी०टी०वी० कैमरे से रेल सुरक्षा बलों द्वारा चौबीसों घंटे गहन निगरानी की व्यवस्था की गयी है। साथ ही रेल सुरक्षा बल की खुफिया इकाइयों को विभिन्न स्रोतों से हरसंभव खुफिया जानकारी एकत्र करने के लिए विशेष रूप से सक्रिय कर दिया गया है ।

राजकीय रेल पुलिस/स्थानीय पुलिस केंद्रीय/राज्य के खुफिया विभागों के साथ निकट समन्वय रखा जा रहा है । महिला यात्रियों की सुरक्षा एवं मदद हेतु ट्रेनों एवं प्रमुख स्टेशनों पर आरपीएफ की अतिरिक्त महिला कांस्टेबलों की टीम ''मेरी सहेली'' की तैनाती की गयी है। पूर्व मध्य रेल में पहली बार राज्य सरकार से समन्वय स्थापित करते हुए भीड़ नियंत्रण हेतु दानापुर मंडल में १००, सोनपुर मंडल में ४० तथा समस्तीपुर मंडल में ५० होमगार्ड को विभिन्न स्टेशनों पर तैनाती की गयी है । समस्तीपुर मंडल में आरपीएफ, जीआरपी, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड के लगभग १००० लोगों को भीड़ नियंत्रण के लिए तैनात किया जाएगा ।

यात्रियों की सहायता हेतु सभी प्रमुख स्टेशनों पर ''मे आई हेल्प यू'' सहायता बूथ चौबीसों घंटे कार्यरत है जहां संबंधित विभाग के वरिष्ठ कर्मचारी आवश्यक जानकारी के साथ निरंतर ड्यूटी पर तैनात हैं । साथ ही चिकित्सा मदद के लिए चिकित्सा सहायता बूथ भी बनाए गए हैं । अंतिम क्षणों में प्लेटफार्म नहीं बदले जाएंगे । प्रमुख स्टेशनों पर हेल्पलाइन नं. जारी किए गए हैं । यात्रा टिकट प्राप्त करने में दिक्कत ना हो इसके लिए प्रमुख स्टेशनों पर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त टिकट काउंटर एवं एटीवीएम के लिए अतिरिक्त फैसिलिटेटर का प्रावधान किया गया है । नशाखुरानी की घटनाएं ना हो, इसक लिए ट्रेनों की निगरानी की जा रही है और ऐसे मामलों पर नियंत्रण के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है ।

पैदल उपरी पुल/प्लेटफार्म और सर्कुलेटिंग एरिया पर विशेष ध्यान के साथ स्टेशनों पर और ट्रेनों में पर्याप्त संख्या में आरपीएफ एवं जीआरपी की तैनाती की गयी है । लंबी दूरी की ट्रेनों की सामान्य बोगियों में यात्रियों के चढ़ते समय धक्का-मुक्का न हो, इसके लिए आरपीएफ एवं जीआरपी द्वारा ज्यादा भीड़-भाड़ वाली ट्रेनों के सामान्य बोगियों में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से चढ़ाने की व्यवस्था की जा रही है । दानापुर मंडल के ७३ ऐसे स्थलों को चिन्हित किया गया जहां रेलवे ट्रैक के आस-पास छठ घाट बनाए जाने की संभावना है । इसके मद्देनजर ऐसे सभी स्थलों पर सुरक्षा एवं निगरानी हेतु सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है ।

इस दौरान इन स्थलों से गुजरने वाली ट्रेनों को नियंत्रित गति से चलाया जाएगा ।

यूपी मदरसा एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया हाई कोर्ट का फैसला

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मदरसा कानून पर आज यानी मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को पलट दिया. इस पर बिहार का सियासी पारा चढ़ गया और बयानबाजी शुरू हो गई है. इस पर कांग्रेस नेता प्रेमचंद मिश्रा ने कहा कि कोर्ट के निर्णय पर कुछ बोलना ठीक नहीं है. कोर्ट सभी पहलुओं को देखकर भी निर्णय सुनता है, लेकिन बीजेपी के लोग जो अनाप-शनाप बोलते रहते हैं. अब उन्हें सोचना चाहिए.

आरजेडी प्रवक्ता ऋषि मिश्रा ने कहा कि यह तमाचा है कुछ लोग जो अनर्गल बोलते रहते हैं. वहीं जेडीयू नेता और बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि कोर्ट के निर्णय का हमेशा से सम्मान करते रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट सभी पहलुओं को देखकर ही निर्णय दिया है, लिहाजा यह स्वागत योग्य है.

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बीजेपी नेता और बिहार सरकार के मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि हम लोग कोर्ट के निर्णय का सम्मान करते हैं. हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि यह भी देखना होगा कि मदरसा का मकसद क्या है और वहां क्या चल रहा है. वहीं सुप्रीम कोर्ट के फैसले से समाजवादी पार्टी खुश हो गई है. सपा नेता फखरुल हसन चांद ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शिक्षा सवाल खड़े करती है. उन्होंने कहा कि बीजेपी ने हमेशा लोगों को शिक्षा से वंचित करने का काम किया है. बीजेपी को सवाल से दिक्कत है. फिर वो शिक्षा चाहे प्राथमिक विद्यालय से मिल रही हो या मदरसे से. देश की सबसे बड़ी अदालत की ओर से मदरसा एक्ट पर आए फैसले का हम खुले दिल से स्वागत करते हैं.

बता दें कि साल २००४ में मुलायम सिंह यादव के मुख्यमंत्री रहते ये कानून पास हुआ था. इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया था. अब सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा बोर्ड एक्ट २००४ को संवैधानिक घोषित किया है और यूपी मदरसा बोर्ड की संवैधानिकता बरकरार रखी है. सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ प्रावधानों को छोड़कर 'उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम २००४' की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है. उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को हमने स्वीकार किया है और उसके खिलाफ कोई अर्जी दाखिल न करने का फैसला लिया है. यूपी सरकार के वकील ने कहा कि मदरसा एक्ट को पूरी तरह रद्द करने का फैसला ठीक नहीं, एक्ट के सिर्फ उन प्रावधानों की समीक्षा होनी चाहिए जो मौलिक अधिकारों के खिलाफ है, एक्ट को पूरी तरह खारिज करना उचित नहीं है.

370 की बात कहने वालों की मानसिकता पाकिस्तान के साथ: विजय कुमार सिन्हा

पटना (एजेंसी): जम्मू-कश्मीर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विधायक वहीद पारा ने संविधान के अनुच्छेद ३७० को निरस्त किए जाने के खिलाफ केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा में बीते दिन एक प्रस्ताव पेश किया गया है. उन्होंने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की भी मांग की है. बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी इसका एक प्रस्ताव जारी कया.

उन्होंने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने की भी मांग की. बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इसकी आलोचना की है.भाजपा नेता ने कहा कि, जो लोग भारत के हितैषी हैं, मां भारती की संतानों के एक राष्ट्र की बात को आत्मसात करते हैं, वे यह भाषा नहीं बोल सकते. जो लोग ऐसी भाषा बोलते हैं, उनकी मानसिकता पाकिस्तान के साथ जुड़ी हुई है. मां भारती की संतानों को अपमानित करने और उनको आतंकियों का शिकार बनाने का खेल अब नहीं चलेगा. अब भारत में 'एक राष्ट्र, एक कानून' का सनातनी संतानों ने मिलकर निर्णय लिया है. अब यही चलेगा.

इसके बाद उन्होंने तेजस्वी यादव के उस एक्स पोस्ट पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी जिसमें राजद नेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर राज्य के ११० अपराधों की लिस्ट जारी की. यादव ने लिखा था, विगत दिनों बिहार में हुई ११० से अधिक हत्याओं का दोषी कौन? सत्ता संरक्षित अपराधियों के तांडव पर मुख्यमंत्री नीतीश क्यों हैं मौन?

इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, नेता प्रतिपक्ष का यह काम होता है कि जहां घटना घटित होती है वहां वह पहुंचें. पीड़ितों का हालचाल जानें. कहां कमियां रह गईं, उन्हें पूरा करें. सरकार ने एक्शन लिया या नहीं लिया, वह एक भी शब्द बोल नहीं पाते हैं. वह केवल आंकड़े ही जारी करते हैं. वह अक्सर छह महीने का डाटा जोड़कर आंकड़ा जारी करते हैं. तेजस्वी इस तरह का खेल बंद कर दें. यह राजद की सरकार नहीं है. इस सरकार में कानून का राज स्थापित होता है. अपराध और भ्रष्टाचार पर यहां अंकुश लगा है. वह यह आंकड़ा क्यों नहीं जारी करते कि घटना करने वाले कौन हैं?, और वे किस दल से जुड़े हैं.

हजारीबाग की जनसभा में विपक्ष पर गरजे सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी): झारखंड में विधानसभा चुनाव की लहर तेज हो रही है और इससे पहले प्रचार के लिए हजारीबाग पहुंचे यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भाषण के दौरान बड़ा बयान दिया है. हजारीबाग की बड़कागांव विधानसभा में सीएम योगी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि पत्थरबाजों को ताकत का एहसास कराइए. जातियों में बंटिए मत. उन्होंने हजारीबाग की इस सभा में विपक्ष पर खूब जमकर हमला बोला.

सीएम योगी ने यहां कहा कि हजारीबाग में रामनवमी के जुलूस निकले इसी का इंतजार है. अयोध्या में राम मंदिर नहीं बन सकता जो लोग कहते थे वो लोग देख रहे हैं कि आज रामलला विराजमान हो चुके हैं जिसके लिए लाखों रामभक्तों ने बलिदान दिया था, यही आरजेडी कांग्रेस जेएमएम बैरियर थे. उन्होंने कहा कि पत्थरबाज पहले कश्मीर में भी थे, सभी पत्थरबाज आज राम नाम सत्य की यात्रा में चले गए. ये कश्मीर, उत्तर प्रदेश में भी थे, कोई वन माफिया के रूप में तो कोई संगठित अपराध के माफिया के रूप में था. आज जो दुर्दांत माफिया यूपी के थे या तो यूपी छोड़ चुके है या तो जहन्नुम की यात्रा पर निकल गए.

झारखंड के जमशेदपुर में एनडीए उम्मीदवार के समर्थन में योगी आदित्यनाथ ने प्रचार किया जहां पर उन्होंने आईएनडीआईए गठबंधन पर जोरदार निशाना साधा. उन्होंने कहा कि पांच साल पहले वाली गलती मत दोहराइए. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास नहीं विनाश के दूत हैं झामुमो और कांग्रेस की गठबंधन सरकार जिन्होंने पांच साल तक झारखंड के बालू, जंगल समेत स्वाभिमान को बेचा. सीएम ने कहा कि पांच साल पहले जो गलती जनता ने की उसको मत दोहराए. झारखंड में डबल इंजन की सरकार इस बार बनाएं.

370 अब इतिहास, इसके हिमायती दिन में तारे देखना बंद करें : रविशंकर प्रसाद

पटना (एजेंसी): जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विधायक वहीद पारा ने केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद ३७० को निरस्त किए जाने के विरोध में प्रस्ताव पेश किया. इस पर विधानसभा में हंगामा हो गया. भाजपा सदस्यों ने इस प्रस्ताव का जमकर विरोध किया. पार्टी के कद्दावर नेता रविशंकर प्रसाद ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अनुच्छेद ३७० अब इतिहास हो गया है.

पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि अनुच्छेद ३७० अब इतिहास बन चुका है. इसे संसद द्वारा दो-तिहाई बहुमत से पारित करके संविधान में संशोधन किया गया है. कश्मीर में अब शांति है और वहां पूंजी निवेश भी हो रहा है. जो लोग इसे दोबारा लागू करने की बातें करते हैं, उन्हें हकीकत से मुंह मोड़ना बंद कर देना चाहिए. ऐसे लोग दिन में तारे देखना बंद करें. अनुच्छेद ३७० अब कभी भी लागू नहीं होगा.

उन्होंने बिहार में छठ पूजा के पूर्व घाटों का निरीक्षण भी किया. उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के पटना साहिब के दीघा घाट, पाटीपुल घाट, दीघा ९३, दीघा ८३ घाट, जेपी घाट, एनआईटी घाट, कृष्णा घाट, कंगन घाट, भद्र घाट, रानी घाट सहित अन्य घाटों का भ्रमण किया. उनके साथ पटना डीडीसी एवं नगर निगम के पदाधिकारी, पटना सिटी के एसडीएम और एनडीआरएफ की सुरक्षा दस्ता के अधिकारी भी मौजूद थे.

रविशंकर प्रसाद ने व्रतियों को अर्घ्य देने में सुविधा और सुरक्षा से संबंधित जरूरी निर्देश पदाधिकारियों को दिये. उन्होंने कहा कि घाटों के ढलान, सीढ़ियों, साफ-सफाई, प्रकाश की व्यवस्था, चेंजिंग रूम, आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा की व्यवस्था पर्याप्त होनी चाहिए. साथ ही दलदली (कीचड़) क्षेत्र को विशेष रूप से चिह्नित किया जाए. बालू के बोरे इत्यादि का प्रयोग करते हुए घाट को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया.

बंटेंगे तो कटेंगे के योगी का नारे का अखिलेश ने दिया जवाब

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश की राजनीतिक स्थिति आजकल काफी विवादास्पद है. हाल में लखनऊ और दिल्ली में जो घटनाक्रम को देखकर अखिलेश यादव ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने नए डीजीपी की नियुक्ति करते हुए एक नई परंपरा की शुरुआत की है, जोकि अपने करीबी सहयोगियों को महत्व देने के लिए किया गया है.

गाजियाबाद सदर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में बीजेपी के लिए जीत हासिल करना चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है. मौजूदा विधायक अतुल गर्ग के सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई है. बीजेपी ने इस बार संजीव शर्मा को ब्राह्मण समाज से उम्मीदवार बनाया है, जबकि बसपा ने वैश्य समाज के पीएन गर्ग को टिकट दिया है. सपा ने दलित समाज के सिंह राज जाटव को मैदान में उतारकर चुनाव को त्रिकोणीय बना दिया है गौरतलब है कि सपा ने अयोध्या वाला फॉर्मूला अपनाते हुए दलित प्रत्याशी को उतारा, जिससे मुकाबला रोमांचक हो गया है. उपचुनाव में बसपा का आना और सपा का दलित प्रत्याशी उतारना, बीजेपी के पारंपरिक वोट बैंक में सेंधमारी कर सकता है. पिछले चुनावों में कांग्रेस और सपा के बीच गठबंधन के दौरान दलित वोट कांग्रेस को शिफ्ट हुए थे, अब यह देखना होगा कि ये वोट किस तरफ जाएंगे.

अखिलेश यादव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से मिली फटकार ने यूपी सरकार की स्थिति को और भी खराब कर दिया है. अंग्रेज चले गए, लेकिन बंटवारे और टकराव की राजनीति को पीछे छोड़ गए हैं. हाल ही में, पुलिस द्वारा वकीलों के साथ हुए व्यवहार की उन्होंने कड़ी निंदा की, यह दर्शाता है कि कानून-व्यवस्था के संस्थानों में कितना संकट है.

इसके अलावा, चुनाव में बदलाव को लेकर अखिलेश यादव का मानना है कि दिवाली और भाई दूज की छुट्टियों के चलते सरकार ने जानबूझकर चुनावी तारीखों को आगे बढ़ाया है, ताकि अधिक से अधिक लोग वोट डाल सकें. हार के डर से इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं. यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री यह कहते हैं कि वह रामपुर बना देंगे, तो इसका अर्थ है कि वह वोटिंग प्रक्रिया को रोकने के लिए योजनाएं बना रहे हैं.

अखिलेश यादव का स्पष्ट कहना है कि उनकी रणनीति बूथों को मजबूत बनाना है, ताकि चुनावों में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके. राजनीति में बदलाव लाने के लिए उन्हें सक्रिय रूप से काम करने की आवश्यकता है.

सरकारें सभी प्राइवेट प्रॉपर्टी पर नहीं कर सकतीं कब्जा

नई दिल्ली(ईएमएस): क्या सरकार आम लोगों की भलाई के लिए निजी संपत्तियों को संविधान के अनुच्छेद ३९(बी) के तहत अधिग्रहण कर सकती है? मामले पर सुप्रीम कोर्ट की ९ जजों की बेंच ने मंगलवार को १९७८ (४५ साल पहले) में दिया गया अपना ही फैसला पलट दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में ९ जजों की बेंच ने ७:१ के बहुमत से फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि, हर निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति नहीं कह सकते। कुछ खास संसाधनों को ही सरकार सामुदायिक संसाधन मानकर इनका इस्तेमाल आम लोगों के हित में कर सकती है।

पृष्ठ एक का शेषांश

लोक गायिका शारदा सिन्हा---

करियर में अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिले। बिहार सरकार ने भी इन्हें सम्मानित किया है। शारदा के निधन पर प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति सहित अन्य नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

भारत का अल्जीरिया के---

लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र का मुख्य रणनीतिक दृष्टिकोण उसके भूगोल और ऐतिहासिक अनुभव से ही आकार लेता है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने वैश्विक संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान करते हुए कहा कि भारत हमेशा से वैश्विक संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता रहा है। भारत ने अल्जीरिया में अपनी रक्षा शाखा को फिर से स्थापित किया है और भारत में अल्जीरिया की रक्षा शाखा को फिर से खोलने का स्वागत किया है। सीडीएस जनरल चौहान ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का उल्लेख करते हुए कहा कि आज की जटिल भू-राजनीतिक स्थिति में हम अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं और विश्व के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में एक 'विश्व-बंधु' की तरह जुड़ने की इच्छा रखते हैं।

ओडिशा में चलती ट्रेन पर---

दहशत में भी आ गए। ट्रेन में हुई इस फायरिंग का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें साफ दिख रहा है कि फायरिंग से किस तरह से कोच को नुकसान पहुंचा है। यात्री दशहत में इसेदेख रहे हैं। ओडिशा में ट्रेन पर हमले की यह घटना ऐसे वक्त पर सामने आई है जब पुरी रेलवे पुलिस ने ही पिछले दिनों ३० अक्तूबर को ट्रेन से १५० बुलेट बरामद की थीं। यह बुलेट पुरुषोत्तम एक्सप्रेस से बरामद की गई थी। रेलवे के एक आधिकारी ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल को ट्रेन की निगरानी करने और सरकारी रेलवे पुलिस और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया है।

मतदाता पर्ची मतदाता पहचान पत्र---

कहा कि कुछ राज्यों में चुनाव के दौरान शिकायत मिलने के बाद से भारत निर्वाचन आयोग का स्वंयसेवी संस्थाओं, स्वंय सहायता ग्रुप, एनजीओ आदि को चुनाव कार्य से अलग रखने का स्टैंडिंग आर्डर है, इसके संबंध में सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है. उन्होंने बताया कि राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक १५१.५६ करोड़ की अवैध सामग्री और नकदी जब्त की जा चुकी है. विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष, स्वतंत्र और भयरहित बनाने के लिए एजेंसियों के द्वारा सतत निगरानी की जा रही है.

नए कानून समकालीन समाज की---

वैश्विक माहौल में एक दूसरे के देशों के कानूनी ढांचे और मूल्यों को समझना बहुत जरूरी है। इससे राजनयिक दक्षता और राष्ट्रों के बीच आपसी समझ बढ़ती है। बिरला ने कार्यक्रम में भाग ले रहे भारत में कार्यरत विभिन्न देशों के राजनयिकों को सुझाव दिया कि वे भारत के लीगल स्ट्रक्चर, संसद की कार्यवाही, और भारत के डेमोक्रेटिक सिस्टम की समझ रखें। बिरला ने कहा कि पिछले ७५ वर्षों में हमारी विधायी प्रक्रिया में जनता का विश्वास लगातार बढ़ा है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती और शासन की बढ़ती जवाबदेही को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विधायी कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता से यह विकास हुआ है। विधिनिर्माताओं ने समाज की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार काम किया है, अधिकारों की रक्षा करने वाले, न्याय को बढ़ावा देने वाले और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि यह बढ़ा हुआ विश्वास एक स्वस्थ लोकतंत्र को रेखांकित करता है। उन्होंने इन कानूनों में समाहित लैंगिक समानता को देश की व्यवस्था का आधार और संविधान की मूल अवधारणा बताया और कहा कि यह विशेषता दुनिया को मार्गदर्शन देती है ।

उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा से ही अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान किया है और मानवाधिकारों का प्रबल पक्षधर रहा हैं। भारत की यह प्रतिबद्धता सुनिश्चित करती है कि कानून प्रत्येक नागरिक की गरिमा, स्वतंत्रता और समानता को बनाए रखने के लिए बनाए जाएं। लैंगिक समानता, पर्यावरण संरक्षण से लेकर सामाजिक कल्याण और भेदभाव विरोधी प्रगतिशील नीतियों तक, भारतीय कानून सशक्तिकरण के साधन के रूप में काम करते हैं। बिरला ने कहा कि आर्बिट्रिशन भारत की विरासत है जिसे प्राचीन काल से ही लोग अपनाते और मानते आए हैं।

देश के सभी हाईकोर्ट के---

कर रहा थी। सितंबर में शीर्ष अदालत ने बिहार राज्य को पटना हाईकोर्ट के जज जस्टिस रुद्र प्रकाश मिश्रा की पेंडिंग सैलरी जारी करने का निर्देश दिया था, जिन्हें सामान्य भविष्य निधि अंकाउंट न होने के कारण १० महीने से वेतन नहीं मिला था।

अदालत ने कहा कि सेवा लाभों में कोई भी भेद हाईकोर्ट के जजों के बीच एकरूपता के सिद्धांत को कमजोर करेगा। इस प्रकार जजों के वेतन या अन्य लाभों के भुगतान में लोक सेवकों की तरह कोई अंतर नहीं हो सकता है। वेतन राज्यों की समेकित निधि से प्राप्त होता है। पेंशन भारत की समेकित निधि से ली जाती है। गैर-भेदभाव का सिद्धांत इस बात पर लागू होता है कि वर्तमान और पूर्व न्यायाधीशों के साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए।

इंडिया गठबंधन ने जारी किया घोषणा पत्र, सात गारंटी का किया वादा

रांची (एजेंसी): इंडिया गठबंधन ने मंगलवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया. इसमें सात गारंटी का वादा किया गया है.

यह घोषणा पत्र कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सीएम हेमंत सोरेन, राजद के प्रभारी जयप्रकाश यादव, माले नेता शुभेंदू सेन की उपस्थिति में जारी किया गया.

इंडिया गठबंधन की सात गारंटी

१९३२ के खतियान पर आधारित स्थानीयता नीति लाने, सरना धर्म कोड को लागू करवाने के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषा-संस्कृति के संरक्षण को संकल्पित.

मंईयां सम्मान की दिसंबर २०२४ से मंईयां सम्मान योजना के तहत २,५०० रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी.

एसटी-२८ प्रतिशत, एससी-१२ प्रतिशत, ओबीसी को २७ प्रतिशत एवं अल्पसंख्यक के हितों का संरक्षण करने हेतु संकल्पित. साथ ही पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय के गठन के लिए संकल्पित.

राशन वितरण ७ केजी प्रति व्यक्ति किया जाएगा. साथ ही, गैस सिलेंडर राज्य के हर गरीब परिवार को ४५० रुपए में दिया जाएगा.

झारखंड के १० लाख युवक-युवतियों को नौकरी और रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा. १५ लाख एक परिवारिक स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा.

राज्य के सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज तथा जिला मुख्यालयों में इंजीनियरिंग मेडिकल कॉलेजऔर यूनिवर्सिटी की स्थापना की जाएगी. साथ ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए औद्योगिक प्रोत्साहन नीति लाते हुए राज्य के सभी जिला मुख्यालयो में ५००-५०० एकड़ का औद्योगिक पार्क बनाया जाएगा.

धान के एमएसपी को २४०० रुपए से बढ़ाकर ३२०० रुपए करने के साथ-साथ लाह, तसर, करंज, इमली, महुआ, चिरोंजी, साल बीज आदि के समर्थन मूल्य में ५० प्रतिशत तक की वृद्धि की जाएगी.

छुट्टियों में भी युद्धस्तर पर पोस्ट ऑफिस द्वारा बांटे जाएंगे बचे हुए वोटर आईडी कार्ड

रांची (एजेंसी): मंगलवार को निर्वाचन सदन में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने डाक विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक की. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि विधानसभा चुनाव में एक भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे, यह प्राथमिक उद्देश्य है. इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सम्मिलित रूप से प्रयास अपेक्षित है. उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा जारी वोटर आईडी कार्ड समय से मतदाताओं तक पहुंचे.

इसके लिए डाक विभाग एक अहम भूमिका निभा रहा है. रोजाना हजारों की संख्या में पूरे राज्य में डाक विभाग द्वारा मतदाता पहचान पत्र बांटे जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि अभी भी कई मतदाताओं का मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के उपरांत भी उनका वोटर आईडी कार्ड उपलब्ध नहीं हो पाया है.

उन्होंने डाक विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी छुट्टियों में भी डाक विभाग को खुला रखकर वोटर आईडी के वितरण का कार्य पूरी तेजी के साथ किया जाए, जिससे मतदाता सूची में पंजीकृत सभी मतदाताओं को उनका मतदाता पहचान पत्र प्राप्त हो सके. उन्होंने कहा कि वैसे मतदाता, जिनका नाम मतदाता सूची में है, पर अबतक वोटर आईडी कार्ड प्राप्त नहीं हो पाया है, वे १९५० पर कॉल कर अपने बीएलओ या बीएलओ सुपरवाइजर से सम्पर्क कर इससे संबंधित जानकारी ले सकते हैं.

उन्होंने कहा कि इसके लिए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी से भी संपर्क किया जा सकता है. संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी द्वारा डाक घर के साथ समन्वय करते हुए वोटर आईडी कार्ड के वितरण का कार्य कराया जाएगा.

उन्होंने कहा कि डाक विभाग के वरीय पदाधिकारी इसके लिए अपने स्तर से पूरे राज्य के पोस्ट मास्टर को निर्देशित करें और आयोग द्वारा प्राप्त सभी वोटर आईडी कार्ड का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराएं. इस अवसर पर पोस्टमास्टर जनरल कार्यालय के सहायक निदेशक निरंजन कुमार, इंस्पेक्टर पोस्ट कुमकुम कुमारी सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय एवं डाक विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

सीता सोरेन की उम्र पर विवाद, कांग्रेस की आपत्ति-छह वर्ष कैसे बढ़ी उम्र

रांची/जामताड़ा (एजेंसी): झारखंड विधान सभा चुनाव में उम्र विवाद का मामला एक बार फिर चर्चा में है. इस बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी और जामताड़ा से बीजेपी प्रत्याशी सीता सोरेन की उम्र को लेकर विवाद की स्थिति बन रही है.

जामताड़ा विधानसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार डॉ. इरफान अंसारी के चुनाव एजेंट अजहरुद्दीन ने निर्वाचि पदाधिकारी को एक आपत्ति पत्र सौंपा है. इस पत्र में बताया गया है कि सीता मुर्मू सोरेन जो २०१९ में जामा विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी थीं और २०२४ में जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी हैं, उनके दोनों चुनावी हलफनामों में उनकी उम्र में छह वर्ष का अंतर दर्ज है. यह अंतर संदेह को जन्म देता है कि दी गयी जानकारी की प्रामाणिकता में असंगतियां हो सकती हैं. अजहरुद्दीन ने निर्वाचि पदाधिकारी (ठज) से मामले की गहन जांच करने का आग्रह किया है. उन्होंने अनुरोध किया कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता पायी जाती है, तो भाजपा उम्मीदवार सीता मुर्मू सोरेन का नामांकन रद्द कर दिया जाये. उन्होंने इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहे. उपायुक्त जामताड़ा और आब्जर्वर को भी मामले से अवगत करा दिया गया है.

एक ही परिवार के चार सदस्यों ने किया चीफ सेक्रेट्री तक का सफर

रांची (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के छोटे से कस्बे से निकलकर एक ही परिवार के चार सदस्यों ने ब्यूरोक्रेसी में अपनी एक अलग पहचान बनाई. इस तिवारी फैमिली के चार मेंबर चीफ सेक्रेट्री रैंक तक पहुंचे. हम बात कर रहे हैं, राज्य की नई मुख्य सचिव अलका तिवारी के परिवार की. अलका तिवारी को झारखंड की नई मुख्य सचिव बनाया गया है. अलका तिवारी के पति देवेंद्र कुमार तिवारी झारखंड के मुख्य सचिव रह चुके हैं. वर्तमान में वे झारखंड के राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर हैं.

डीके तिवारी भाई राजेंद्र तिवारी यूपी के रह चुके हैं मुख्य सचिव

झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव डीके तिवारी के भाई राजेंद्र कुमार तिवारी यूपी के मुख्य सचिव रह चुके हैं. उन्होंने अपनी प्रशासनिक दक्षता से अपनी अलग पहचान बनाई है. डीके तिवारी के छोटे भाई धीरेंद्र कुमार तिवारी वर्तमान में पंजाब कैडर में कार्यरत हैं. वे वहां चीफ सेक्रेट्री रैंक के अफसर है. जल्द ही पंजाब के चीफ सेक्रेट्री पद पर उनके पदस्थापन की संभावना है.

डीके तिवारी ने मसौढ़ी से की थी करियर की शुरूआत

झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव डीके तिवारी ने अपने करियर की शुरूआत मसौढ़ी (बिहार) से सब डिविजनल मजिस्ट्रेट के रूप में की थी. उन्होंने बताया कि मुझे मदर इंडिया फिल्म से प्रेरणा मिलती है. यह ह्यूमन नेचर की सबसे सर्वोत्तम फिल्म है. डॉ. तिवारी अपना आइडियल नेताजी सुभाष चंद्र बोस को मानते हैं. आर्थिक गतिविधियों को समझने और परखने के लिए दत्ता एंड सुंदरम की किताब इंडियन इकोनॉमी का सहारा लेते हैं.

खरगे ने थपथपाई सीएम हेमंत की पीठ, पीएम से पूछा- क्यों नहीं बढ़ाते एसटी-एससी का आरक्षण

रांची (एजेंसी): कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे में मांडू में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम हेमंत सोरेन की पीठ भी थपथपाई. कहा कि पीएम मोदी ओबीसी और आदिवासियों की बात करते हैं, जब हेमंत सोरेन ने २०२२ में एसटी-एससी का आरक्षण बढ़ाने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा था, तब से लेकर वह प्रस्ताव राजभवन में ही पड़ा है. पीएम पर तंज कसते हुए कहा कि अगर पीएम मोदी एससी-एसटी के हितैषी हैं, तो आरक्षण १४ फीसदी से बढ़ाकर २७ फीसदी क्यों नहीं कर देते. बताते चलें कि राज्य सरकार ने जो प्रस्ताव केंद्र को भेजा था, उसमें ओबीसी का आरक्षण १४ से २७ फीसदी, एससी का १० से १२ फीसदी और एसटी का २६ से २८ फीसदी आरक्षण करने का प्रस्ताव था. इस प्रस्ताव को अब तक मंजूरी नहीं मिली है.

पत्थरबाज राम नाम सत्य है की यात्रा में जा चुके हैं : योगी

रांची (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ताबड़तोड़ जनसभाओं को संभोधित किया. बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार रौशन लाल चौधरी के पक्ष में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से झारखंड की डेमोग्राफी बदल रही है, आने वाले समय में लोग अपने घरों में शंख और घंटी भी नहीं बजा पाएंगे. कश्मीर में पत्थरबाजी का जिक्र करते हुए कहा कि पत्थरबाज राम नाम सत्य है की यात्रा में जा चुके हैं.

जातियों में मत बंटिए

योगी ने कहा कि अपने संबोधन में कहा कि जातियों में मत बंटिए. अगर ऐसा हुआ तो संकट के समय कोई आपके साथ खड़ा नहीं रहेगा.

कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस ने देश को सिर्फ जख्म ही दिया. अब यही काम आरजेडी और झामुमो भी कर रहा है.

अन्याय और अत्याचार को नहीं मिलता जन्नत

योगी ने कहा कि अन्याय और अत्याचार को जन्नत नहीं मिलता है. इसके लिए तो जहन्नुम की यात्रा ही होनी है.

अब यूपी में पर्व त्योहारों पर कोई विघ्नबाधा नहीं होती. आप अपनी ताकत का ऐहसास कराइए. पत्थरबाज सड़कों पर झाड़ू लगाकर रास्ता साफ करते दिखाई देंगे.

योगी ने बंटेंगे तो कटेंगे के भी नारे को समझाया. उन्होंने कहा कि एक रहिए और नेक रहिए. ये बांटने वाले लोग देश को धोखा दे रहे हैं.

झामुमो सरकार में हर जगह हावी है माफिया

झामुमो सरकार में हर जगह माफिया हावी है. बेटी और बहन सुरक्षित नहीं है. कहीं बांग्लादेशी घुसपैठ तो कहीं रोहिंग्या घुसपैठ. जब पर्व त्योहार में पथराव हो तो यह दुस्साहस की पराकाष्ठा है. पहले यूपी में भी होता था, अब यूपी में सब चंगा है.

भाजपा ने 30 बागी नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देश पर महामंत्री व सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने पार्टी की नीतियों के खिलाफ जाकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ रहे ३० बागी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है. पार्टी ने इन बागी नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है. भाजपा प्रदेश कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, भाजपा ने चंद्रमा कुमारी पलामू , कुमकुम देवी हजारीबाग, लक्ष्मी देवी पलामू, जूली यादव दुमका, बलवंत सिंह लातेहार, अरविंद सिंह खरसावां, बटेश्वर मेहता हजारीबाग, भैय्या बांके बिहारी हजारीबाग, चितरंजन साव बोकारो, कर्नल संजय सिंह पलामू, हर्ष अजमेरा हजारीबाग, हजारी प्रसाद साहू रांची ग्रामीण, मिसिर कुजूर गुमला, मिस्त्री सोरेन पाकुड, मुकेश कुमार शुक्ला पाकुड, पुष्परंजन पलामू, राजकुमार सिंह जमशेदपुर महानगर, रामावतार केरकेट्टा रांची ग्रामीण, रामदेव हेंब्रम पूर्वी सिंहभूम, रामेश्वर उरांव लोहरदगा, संतोष पासवान लातेहार, शिवचरण महतो पाकुड, शिवशंकर बड़ाइक खूंटी, शिव शंकर सिंह जमशेदपुर, सुरेंद्र मोदी हजारीबाग, उपेंद्र यादव गढ़वा, उमेश भारती चतरा, विकास सिंह जमशेदपुर महानगर, विमल बैठा जमशेदपुर महानगर, विनोद सिंह पलामू को छह वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित किया है.

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान पर केंद्र सरकार खर्च करेगी एक लाख करोड़

रांची (एजेंसी): धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान व पीएम जनमन अभियान पर केंद्र सरकार १ लाख करोड़ खर्च करेगी. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और पीएम जनमन अभियान दोनों ही योजनाएं झारखंड से शुरू की गयी हैं. जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत देश के ६०,००० से अधिक आदिवासी गांवों का विकास किया जायेगा. इसके अंतर्गत हर गांव में सड़क, बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल, मोबाइल नेटवर्क और सभी आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जायेंगी, ताकि आदिवासी समाज का जीवन स्तर एक नई ऊंचाई पर पहुंच सके.

झामुमो के लिए आसान नहीं होगा गुमला और सिसई में अपनी जीत को दोहराना

रांची (एजेंसी): गुमला जिले में पड़नेवाली तीन विधानसभा सीटों को फिर से अपने कब्जे में रख पाना झामुमो के लिए चुनौतीपूर्ण काम होगा. आदिवासी अस्मिता, संविधान बचाने की बात करने वाले इंडिया गठबंधन के लिए तीनों विधानसभा सीट अहम है. भाजपा ने यहां से हैवीवेट उम्मीदवार उतारे हैं, जिनककी पकड़ इलाके में पार्टी फोल्डर के बाहर भी है. भाजपा ने गुमला विधानसभा सीट से पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री सुदर्शन भगत, व विशुनपुर से पूर्व सांसद और अजजा मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष समीर उरांव को उतारा है. सिसई से कांग्रेस के दिग्गज नेता कार्तिक उरांव के दामाद और पूर्व विधायक बंदी उरांव के बेटे डॉ अरुण उरांव को प्रत्याशी बनाया गया है. अरुण उरांव पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं. इन तीनों सीटों पर फिलहाल झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का कब्जा है, भाजपा ने इन्हें अपने कब्जे में लेने की रणनीति तैयार की है.

गुमला विधानसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार सुदर्शन भगत को बनाये जाने के बाद सरना वोटों का पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकरण देखा जा रहा है. सुदर्शन के चुनाव में खड़े होने पर गैर भाजपा वोट भी भाजपा के पाले में जाते धिख रहे है. इससे झामुमो प्रत्याशी भूषण तिर्की की परेशानी बढती जा रही है. भूषण ने बड़े इलाके में एक विधायक के तौर पर कुछ खास नहीं किया है,

जिसे दिखाया जा सके. सत्तारुढ़ दल के विधायक होने के कारण लोगों में इनके प्रति नाराजगी देखी जा रही है. हालांकि भूषण तिर्की के पक्ष में ईसाई और मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण देखा जा रहा है. लेकिन भाजपा गुमला विधानसभा सीट पर जीत की संभावना देख रही है.

विशुनपुर विधानसभा सीट से भाजपा ने समीर उरांव को अपना उम्मीदवार बनाया है. इस सीट पर मुख्य मुकाबले में झामुमो के चमरा लिंडा हैं. हाल ही में झामुमो पार्टी से इनका निलंबन वापस लिया है. लोकसभा चुनाव में चमरा लिंडा को अपने ही विधानसभा क्षेत्र में मात्र १३२७६ वोट मिले थे. कांग्रेस पार्टी भी चमरा के इस कदम से नाराज थी. लोकसभा चुनाव में चमरा की उम्मीदवारी विधानसभा में उसे परेशान कर सकती है. समीर उरांव को लोकसभा चुनाव के समय विशुनपुर से ६३०७६ वोट मिले थे वहीं कांग्रेस के सुखदेव भगत को ७७८९५ वोट मिले थे. देखा जा रहा है कि कांग्रेस का एक मजबूत खेमा चमरा के पैरों तले से जमीन खिसकाने का काम कर रहा है. जिसका खामियजा झामुमो को भुगतना होगा. समीर उरांव पहले सिसई विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं.वर्तमान में भाजपा के अजजा मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष हैं.

सिसई में उरांव वर्सेस मुंडा की लड़ाई!

सिसई विधानसभा सीट में भाजपा ने अरुण उरांव को उम्मीदवार बनाया है.अरुण उरांव पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं. उनका संबंध झारखंड के दो प्रमुख कांग्रेस राजनीतिक घरानों से रहा है. उनके पिता बंदी उरांव सिसई से विधायक रह चुके हैं,जबकि उनके ससुर कार्तिक उरांव झारखंड के एक प्रमुख जनजातीय नेता थे.

मिर्जाचौकी में सीबीआई रेड, 1250 करोड़ के अवैध खनन से जुड़ा है मामला

रांची/साहिबगंज (एजेंसी): साहिबगंज जिले के नींबू पहाड़ में हुए १२५० करोड़ के अवैध खनन मामले की जांच सीबीआई रही है. इसी मामले की जांच करने मंगलवार की सुबह दो गाड़ियों से सीबीआई की टीम जिले के मिर्जाचौकी पहुंची है. सीबीआई की टीम भगवान भगत और महताब नाम के व्यक्ति के घर की तलाशी ले रही है.

ईडी के बाद सीबीआई ने केस किया टेकओवर

बता दें कि नींबू पहाड़ पर हुए १२५० करोड़ के अवैध खनन मामले की जांच ईडी कर रही थी. वहां के प्रधान विजय हांसदा इस मामले में गवाह थे, लेकिन बाद में वो मुकर गये. इसके बाद सीबीआई ने साहिबगंज के मुफस्सिल थाना में विजय हांसदा द्वारा दर्ज कोर्ट कंप्लेन और एसटी-एससी थाने में दर्ज केस को टेकओवर कर लिया. सीबीआई ने अपने एफआईआर में मुख्य आरोपी पंकज मिश्रा, विष्णु कुमार यादव, पवितर कुमार यादव, राजेश यादव, संजय कुमार यादव, बच्चू यादव, संजय यादव, सुवेश मंडल समेत कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है. सीबीआई इस मामले में आरोपी बनाये गये विभिन्न व्यक्तियों के खिलाफ जांच की जा रही है. सीबीआई के चर्चित डीएसपी कृष्ण कुमार सिंह को केस का आईओ बनाया गया. इसके साथ ही साहिबगंज में अवैध खनन के मामले में झारखंड माइंस एंड मिनरल्स एक्ट, आर्म्स एक्ट, और एसटी-एससी एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है.

मुस्लिम लीग की प्राथमिक सदस्यता से शहाबुद्दीन ने दिया इस्तीफा

रांची (एजेंसी): इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग राष्ट्रीय कमेटी की झारखंड राज्य के प्रति उदासीन एवं निष्क्रिय रवैया के कारण पार्टी के झारखंड प्रदेश कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रदेश प्रवक्ता मो शहाबुद्दीन ने अपने पद एवं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया. शहाबुद्दीन ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व. सैयद अमजद अली के हाथों से अगस्त २०१३ में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी और झारखंड राज्य में पार्टी के प्रचार प्रसार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. उन्होंने कहा कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग राष्ट्रीय कमेटी की नीति झारखंड राज्य के प्रति उदासीन है.

पीएम की सुरक्षा का हवाला देकर सीएम को डेढ़ घंटे रोका गया, यह साजिश है : जेएमएम

रांची (एजेंसी): झारखंड मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हमने चार तारीख को एक पत्र राष्ट्रपति जी को दिया है. पत्र बहुत ही गंभीर है. सभी को मालूम है कि चाईबासा क्षेत्र जंगलों से घिरा हुआ है. नक्सल मूवमेंट वहीं से होते हैं. वहां मोबाईल का टावर भी नहीं है. ऐसे में उस जगह डेढ़ घंटे से अधिक समय तक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रोकना, और एटीसी द्वारा कोई संज्ञान नहीं लिया जाना यह दर्शाता है कि यह बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश है. सुप्रियो ने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री को रोका जा रहा है. इसी से संबंधित पत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखा गया है.

आयोग को बताया था, 15 नवंबर तक राज्य में पर्व-त्योहार हैं

सुप्रियो मंगलवार को हरमू स्थित

पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी में बंटी और बबली का संबंध है. यहां के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संग हमारी बैठक हुई थी. बताया था कि १५ नवंबर तक राज्य में पर्व-त्योहार हैं, उसके बावजूद १३ को चुनाव कराया जा रहा है. वहीं उत्तर प्रदेश में इसी १३ नवंबर को चुनाव था, वहां १५ नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का त्योहार है, इसलिए चुनाव की तिथि को बढ़ा कर २० नवंबर कर दिया गया है.

राजनीति में धर्म को मिलाओगे तो यही हश्र होगा

सुप्रियो ने कहा कि झारखंड में भी त्योहारों को लेकर १५ नवंबर के बाद चुनाव कराने की मांग की गयी थी, पर आयोग माना नहीं. यहां १३ नवंबर को चुनाव हो रहा है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी के झारखंड आगमन को लेकर कहा. योगी यहां बोले कि अयोध्या में राम मंदिर बना है. वहीं से आया हूं. सुप्रियो ने तंज कसा कि अयोध्या में किसकी घंटी बज गयी.घंटी तो भारतीय जनता पार्टी की बजी है. यही है श्री राम का न्याय. राजनीति में धर्म को मिलाओगे तो यही हश्र होगा.

हमारे सीएम जहां भी जा रहे हैं, उन्हें रोका जा रहा है

उन्होंने दोहराया कि हमारे मुख्यमंत्री को जंगल में बैठाया गया. चुनाव आयोग का पूरा रवैया गंभीर सवाल खड़े करता है, सुप्रियो ने कहा कि झामुमो के मामले में अलग और भारतीय जनता पार्टी के मामले में अलग रवैया अख्तियार किया जाता है. कहा कि सिख समुदाय का गुरु पर्व, हिंदुओं का धार्मिक महापर्व छठ भी निकट है, बड़ी संख्या में लोग आस्था के पर्व मनाने राज्य से बाहर अपने घर परिवार से मिलने जाते हैं. १३ नवंबर को चुनाव होना है, ऐसे में वे मताधिकार से वंचित हो सकते हैं, यह साजिश नहीं तो क्या है. कहा कि हरियाणा में भी वही साजिश रची गयी. उत्तर प्रदेश में भी यही किया जा रहा है. हमारे सीएम जहां भी जा रहे हैं, उन्हें रोक दिया जा रहा है. वे(भाजपा) कहते हैं कि हमने आदिवासी समाज से राष्ट्रपति बनायी है, फिर मुख्यमंत्री को क्यों परेशान किया जा रहा है. वह भी तो आदिवासी समाज का ही बेटा है.

जड़ी-बूटियों से पाएं छरहरी काया

मोटापे की समस्या से जूझ रही महिलाओं के पास अब अपनी चर्बी घटाने और छरहरी काया पाने का एक और उपाय है। एक नए शोध से पता चला है कि जड़ी-बूटियों से निर्मित एक दवा लेने से महिलाएं अपनी भूख को पांचवें हिस्से तक घटा सकती हैं।

यह भी देखा गया है कि यह दवा मीठी चीजें पसंद करने वाली महिलाओं में इन चीजों के प्रति आकर्षण कम कर सकती है। लिवरपूल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने तीन क्षीण अमेरिकी पौधों से बनी दवा जोट्रिम पर प्रयोग किए थे।

नाश्ता कीजिए

वेबसाइट डेलीमेल डॉट को डॉट यूके के मुताबिक वैज्ञानिकों ने पाया कि जो महिलाएं सुबह नाश्ते के समय जोट्रिम लेती हैं, उन्हें दोपहर के भोजन के समय कम भूख लगती है और वह 17.6 प्रतिशत तक कम कैलोरी लेती हैं।

कैलोरी कम ग्रहण की

वैज्ञानिकों ने 58 लोगों पर यह अध्ययन किया था। उन्हें सुबह के समय जोट्रिम या उसी तरह की कोई अन्य दवा दी गई थी। जिन लोगों ने जोट्रिम दवा ली, उन्होंने औसतन 132 कैलोरी कम ग्रहण की। यह दवा एक व्यक्ति की प्रतिदिन 400 या 500 कैलोरी की जरूरत कम कर देती है।

भूख महसूस नहीं होती

जोट्रिम लेने से लोगों को भूख महसूस नहीं होती और वह तृप्त महसूस करते हैं और उन्हें मीठी चीजें भी कम पसंद आती हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक महिलाओं के बिस्कुट व चॉकलेट खाने में 27 प्रतिशत तक की कमी आ जाती है। अध्ययनकर्ता डॉ. जेसन हाल्फोर्ड कहते हैं कि जोट्रिम का भूख पर गहरा असर होता है और इससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

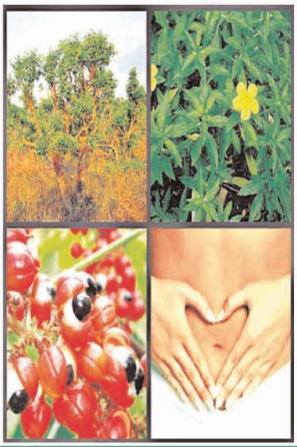

बदलती लाइफ स्टाइल अब प्रॉब्लम का जरिया बनती जा रही है। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित यूथ को ही इन दिनों हेल्थ संबंधी विभिन्न समस्याएं झेलनी पड़ रही है। ओबेसिटी के बाद इन दिनों यदि सबसे ज्यादा कोई समस्या देखने को मिल रही है तो वह है नैक और बैक पेन।

कमर-गर्दन दर्द को न करें नजरअंदाज

गलत पॉश्चर और गलत लाइफ स्टाइल के चलते यूथ सबसे ज्यादा इस प्रॉब्लम का शिकार हो रहे हैं। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इसे बीमारी का दर्जा दे दिया है। संगठन के अनुसार यह समस्या लगातार काफी बढ़ रही है, ऐसे में अब इसे बीमारी के रूप में ट्रीट किया जाना चाहिए।

पॉश्चर है प्रमुख वजह

अक्सर युवा कमर या गर्दन दर्द की ओर ध्यान नहीं देते, जिससे समस्या बढ़ जाती है। यूथ को यह समस्या गलत पॉश्चर की वजह से होती है। ऑफिस में घंटों गलत पॉश्चर में काम करने से दर्द होने लगता है। साथ ही जो लोग फील्ड वर्क करते हैं, उनका गाड़ी पर बैठने का तरीका गलत होता है, ऐसे में दबके लगने पर कई बार बैक बोन में प्रॉब्लम हो जाती है।

लगातार बढ़ रही है समस्या

निजी कम्पनी में कार्यरत युवराज बताते हैं कि मेरा फील्ड वर्क है, जिसके लिए मुझे अधिकतर समय बाइक से जाना पड़ता है, ऐसे में कई बार मुझे बैक पेन की शिकायत हो चुकी है। वहीं एक बैंक में काम करने वाली तनु बताती हैं कि दिन भर ऑफिस में कम्प्यूटर के आगे बैठने से कई बार कमर और गर्दन में दर्द होने लगता है। डॉक्टर्स का कहना है कि यूथ कई बार इन दर्द को इग्नोर कर देते हैं, जो बाद में असहनीय दर्द में बदल जाती है।

ये बरतें सावधानी

- बाइक पर बिल्कुल स्ट्रेट या ज्यादा झुककर न बैठें।
- ऑफिस की चेयर ऐसी हो, जिस पर आपका पॉश्चर सही हो।
- कम्प्यूटर सिर की सीध में होना चाहिए, ताकि गर्दन को झुकाना या मोड़ना न पड़े।
- काम के दौरान बीच-बीच में थोड़ा टहल आएं।
- जरा सा भी दर्द होने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।
- अपने हिसाब से कोई एक्सरसाइज या मालिश न करें, पहले फिजियोथैरेपिस्ट से सलाह लें।

दफ्तर में कहीं बीमार न पड़ जाएं

तेज रफ्तार वाली आधुनिक कामकाज की शैली का असर युवा कर्मचारियों पर पड़ता है और वृद्ध सहयोगियों की तुलना में उनके बीमार होने का जोखिम दोगुना रहता है।

हाल के एक नये अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में 3000 लोगों पर किये गए एक सर्वे में पाया गया कि 30 वर्ष से कम आयु के दो तिहाई लोगों ने पिछले साल सर्दी, अलर्जी के कारण एक सप्ताह में कम से कम एक दिन का अवकाश लिया, जबकि 55 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों ने उनकी तुलना में आधे ही अवकाश लिये।

डेली मेल के अनुसार, यह बात भी सामने आई कि 30 वर्ष से कम आयु के कर्मचारियों ने तनाव, थकान और कमजोरी महसूस करने के कारण अवकाश लिया, जबकि 55 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों ने कहा कि अवकाश लेने के लिए यह कोई कारण नहीं है।

बीमारी के लिए लेते हैं छुट्टी

सर्वे के अनुसार, 18-29 आयु वर्ग के पांच में से एक कर्मचारी ने बीमारी के लिए छुट्टी ली, क्योंकि वे काम पर जाने में असमर्थ थे और इस आयु वर्ग के कर्मचारियों ने कब्ज और कार सिकनेस के नाम पर भी छुट्टी ली। इसके मुकाबले 55 वर्ष से अधिक आयु के 85 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि बिस्तर पर पड़ने के अलावा अन्य किसी स्थिति में कार्यालय से अवकाश नहीं लेते। सर्वे में यह भी पाया कि 30 वर्ष से कम आयु के कर्मचारी नियमित तौर पर जंक फूड लेते हैं और 55 वर्ष से अधिक आयु वाले कर्मचारियों की तुलना में वे फल और सब्जियों का सेवन भी 50 प्रतिशत ही करते हैं।

दिल का हाल बताएगा मोबाइल फोन

दिल के मरीजों के लिए अच्छी खबर। एक ऐसा मोबाइल फोन तैयार किया गया है, जो आपके दिल का न सिर्फ ख्याल रखेगा, बल्कि उसकी हालत खराब होने पर डॉक्टर को भी सूचित करेगा।

समाचार पत्र डेली मेल में प्रकाशित खबर के मुताबिक ८ हैंडी साना नाम के इस टचस्क्रीन मोबाइल फोन की विशेषता यह है कि इसमें एक खास उपकरण लगा है, जो आपके दिल की धड़कन को नापने, उसे रिकार्ड करने और उसका इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) तैयार करने और उसे चिकित्सक के पास भेजने में सक्षम होगा।

- **हर्ट सूट:** यह मोबाइल फोन हर्ट सूट नाम के एक खास तरह के एप्लीकेशन से सुसज्जित है, जो दैनिक आधार पर आपके दिल का ख्याल रखते हुए आपके पैसे बचाएगा। फोन का उपयोग करने वाले दिल के मरीज फोन के एक किनारे पर अपनी दो अंगुलियों को आधे मिनट तक रखकर अपना ईसीजी रिकार्ड करा सकते हैं।
- **जानकारी भेज सकते हैं:** ईसीजी की रिकॉर्डिंग के बाद वे अपनी रिपोर्ट चिकित्सक के पास भेज सकते हैं। इसके साथ वे रक्तचाप, खून में शर्करा की मात्रा और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा के बारे में चिकित्सक को जानकारी भेज सकते है। फोन को बनाने वाली कंपनी का दावा है कि आमतौर पर अस्पताल जाने पर मरीजों को ईसीजी कराना पड़ता है, लेकिन इस फोन के जरिए वे चिकित्सक को एक से अधिक जानकारी भेजकर अपने शरीर की सही स्थिति के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।
- **फोन की शुरुआत:** ब्रिटेन में इस फोन की बिक्री शुरू हो चुकी है और इसकी कीमत 490 पाउंड (लगभग 36 हजार रुपए) रखी गई है। फोन का विपणन करने वाली कंपनी मेडिकल मार्केटिंग यूके लिमिटेड का कहना है कि इसे जल्द ही पूरी दुनिया में उतारा जाएगा।

सेहतमंद रहने के लिए खेलें फुटबॉल

क्या आप फुटबॉल खेलते हैं? अगर नहीं तो, अब किसी खेल मैदान से जुड़ने का वक्त आ गया है। हो सकता आप कोई गोल न कर पाएं, लेकिन इतना जरूर है कि आपकी सेहत सुधर जाएगी और जीवन शैली से जुड़ी बीमारियां छू मंतर हो जाएंगी।

एक व्यापक शोध में सात देशों के 50 से ज्यादा अनुसंधानकर्ताओं ने मिलकर फुटबॉल खेलने से पड़ने वाले शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक असर के पहलुओं का अध्ययन किया है। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के खेल विज्ञान के प्रोफेसर पीटर क्रुस्ट्रप और जेन्स बैंग्सबो ने तीन साल तक फुटबॉल पर अनुसंधान किया।

- **समूह को रखता है नियंत्रित:** अनुसंधानकर्ताओं ने अपने अध्ययन में नौ से 77 वर्ष की उम्र के बीच वाले कई पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को शामिल किया और इन्हें तीन समूहों में बांट दिया। पहले समूह में फुटबॉल खिलाड़ी, दूसरे में धावकों और तीसरे समूह को नियंत्रित रखा गया।
- **बेहतर सेहत:** परिणाम में फुटबॉल खेलने वालों की सेहत अन्य लोगों से बेहतर पाई गई। क्रुस्टप ने कहा कि फुटबॉल एक लोकप्रिय खेल है। इससे खिलाड़ियों के ऊपर मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और सामाजिक असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि फुटबॉल खेलने से हृदय, पाचन क्रिया कारगर रहती है।

दुनिया में कहां है अमीरों का शहर? यहां हर 24वां आदमी है करोड़पति

क्या आप उस शहर के बारे में जानते हैं, जहां दुनिया के सबसे ज्यादा अमीर लोग रहते हैं. जी हां, यहां का हर दूसरा शख्स आम लोगों से ज्यादा अमीर है. हम आपको बताते हैं कि इस शहर में लोग इतने अमीर कैसे हैं और यहां करोड़पतियों की संख्या कितनी तेजी से बढ़ रही है. दुनिया का हर इंसान पैसा चाहता है. शायद ही आप किसी ऐसे शहर के बारे में जानते हों, जहां सिर्फ और सिर्फ अमीर लोग रहते हैं. यहां का हर 24वां आदमी करोड़पति है और इनकी संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है. आप सोच रहे होंगे कि ये शहर कहां हो सकता है, तो आपको बता दें कि ये अमेरिका की एक ड्रीम सिटी न्यूयॉर्क है.

यहां रहते हैं सबसे अमीर लोग

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में हर 24वां व्यक्ति करोड़पति है. हेनले एंड पार्टनर्स की ओर से जारी सबसे अमीर शहरों की इस सूची के मुताबिक न्यूयॉर्क में लगभग 3,49,500 करोड़पति रहते हैं. पिछले 10 वर्षों में ये संख्या लगभग 48 प्रतिशत बढ़ी है. न्यूयॉर्क की कुल जनसंख्या लगभग 82 लाख है, ऐसे में वहां रहने वाला हर 24वां शख्स करोड़पति है. रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क में 60 सुपर रिच लोग भी रहते हैं, जबकि 744 लोगों के पास 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा की संपत्ति है.

भारत का एक भी शहर नहीं टॉप 10 में इस सूची में हेनले एंड पार्टनर्स ऐसे लोगों को शामिल करते हैं जिनके पास कम से कम 1 मिलियन डॉलर का निवेश है. दूसरे स्थान पर सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र है, जिसमें 3,05,700 करोड़पति रहते हैं. सूची में तीसरे स्थान पर मौजूद टोक्यो में 2,98,300 करोड़पति हैं. हालांकि, एक दशक में इस शहर में करोड़पतियों की संख्या में 5 प्रतिशत की कमी आई है. सूची में चौथे स्थान पर मौजूद सिंगापुर में 2,44,800 करोड़पति हैं. भारत का कोई शहर इसमें टॉप 10 का हिस्सा नहीं है लेकिन पिछले एक दशक में यहां अमीर लोगों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है. वहीं, लंदन में करोड़पतियों की संख्या में एक दशक में 10 फीसदी की गिरावट आई है.

ये है दुनिया की आखिरी सड़क, यहां अकेले जाना है माना

ई-69 हाइवे 14 किलोमीटर लंबा है, जो पृथ्वी के छोर और नॉर्वे को जोड़ता है। इस हाइवे पर कई ऐसी जगहें हैं, जहां गाड़ी चलाना और अकेले पैदल चलना मना है।

दुनिया की कई जगहों पर आप गए होंगे। क्या आपके मन में कभी यह सवाल आया कि आखिर दुनिया कहां पर खत्म होती है? दुनिया की आखिरी छोर क्या है? हो सकता है कि आपके मन में यह सवाल नहीं आया हो। हालांकि, एक जगह ऐसी है, जहां माना जाता है कि दुनिया खत्म हो जाती है। यह एक सड़क है, जो दुनिया की आखिर सड़क मानी जाती है। माना जाता है कि इस सड़क के बाद दुनिया खत्म हो जाती है।

इस सड़क का नाम ई-69 हाइवे है। माना जाता है कि यह दुनिया की आखिरी सड़क है। यूरोपियन देश नॉर्वे में ई-69 हाइवे स्थित है। उत्तरी ध्रुव पृथ्वी का सबसे सुदूर उत्तरी बिंदु है। यहां पर पृथ्वी की धुरी घूमती है। यह नॉर्वे का आखिरी छोर है। यहां से आगे जाने वाले रास्ते को दुनिया की आखिरी सड़क माना जाता है। बताया जाता है कि हाइवे के खत्म होने के बाद सिर्फ ग्लेशियर और समुद्र नजर आता है और इसके सिवाय कुछ नहीं दिखाई देता है।

ई-69 हाइवे 14 किलोमीटर लंबा है, जो पृथ्वी के छोर और नॉर्वे को जोड़ता है। इस हाइवे पर कई ऐसी जगहें हैं, जहां गाड़ी चलाना और अकेले पैदल चलना मना है। आइए जानते हैं आखिरी क्या है दुनिया के आखिर सड़क की कहानी?

14 किमी ई-69 हाइवे पर कई लोग एक साथ हों, तभी आप यहां से गुजर सकते हैं। इसके पीछे वजह यह है कि हर तरफ बर्फ की मोटी चादर बिछी है। इसकी वजह से यहां खो जाने का खतरा हमेशा बना रहता है।

उत्तरी ध्रुव के पास होने की वजह से यहां यहां सर्दियों के मौसम में न तो रातें खत्म होती हैं और न ही गर्मियों में सूरज डूबता है। कभी-कभी तो यहां लगभग छह महीने तक सूरज चमकता ही नहीं है। सर्दियों में यहां का तापमान माइनस 43 डिग्री से माइनस 26 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहता है, तो वहीं गर्मियों में तापमान का औसत जमाव बिंदु जीरो डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है।

सबसे हैरानी वाल बात यह है कि इतनी भीषण ठंड पड़ने के बावजूद यहां लोग रहते हैं। पहले यहां सिर्फ मछली का कारोबार होता था। 1930 से इस जगह का विकास होना शुरू हुआ। करीब चार साल बाद यानी 1934 में यहां के लोगों ने मिलकर फैसला किया कि यहां सैलानियों का भी स्वागत किया जाना चाहिए, ताकि उनकी कमाई का एक अलग जरिया बने।

अब दुनियाभर से लोग उत्तरी ध्रुव घूमने के लिए आते हैं। यहां उन्हें एक अलग दुनिया में होने का अहसास होता है। यहां डूबता हुआ सूरज और पोलर लाइट्स तो देखते ही बनता है। गहरे नीले आसमान में कभी हरी तो कभी गुलाबी रोशनी देखने को मिलती है। पोलर लाइट्स को ऑरोरा भी कहा जाता है। यह रात के समय दिखाई देता है, जब आसमान में घुप्प अंधेरा छाया रहता है।

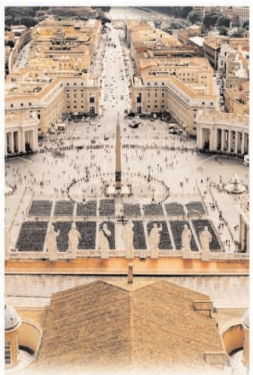

इस देश की है सबसे कम आबादी, रहते हैं सिर्फ इतने लोग

दुनिया में सबसे अधिक आबादी भारत की है, जिसके बाद चीन का नंबर है लेकिन क्या आप जानते हैं दुनिया में एक ऐसे देश है जिसकी जनसंख्या 500 से भी कम है। इस देश का नाम वैटिकन सिटी है, जहां की आबादी 500 भी नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यहां पर सिर्फ 498 लोग रहते हैं। इस देश की सेना में सिर्फ 135 जवान है। यहां की आर्मी का नाम स्विस गार्ड है, जो पोप की रक्षा करती है। यह देश पहले रोम का हिस्सा था, लेकिन 1929 में अलग हो गया था।

साथी के साथ उड़ते हुए एक सा गाना गाते हैं ये पंछी!

पक्षियो में येलो फिंच कुछ अलग तरह के होते हैं. आकार में छोटे और अपने खास पीले रंग के लिए पहचाने जाने वाले ये पक्षी जोड़े में मिल कर एक सा ही गाना गाने के लिए मशहूर हैं. इनमें नर और मादा के रंगों में भी थोड़ा से अंतर है.

पक्षियों का संसार अपने आप में बहुत ही अनूठा है और दिल को सुकून पहुंचाने वाला होते है. इनके रंगों की विविधता और संयोजन कहीं और देखने को नहीं मिलती है. इनमें से ही एक अनूठा पंछी येलो फिंच है. अपने चमकीले पीले पंखों और खुशनुमा गीतों के लिए मशहूर पक्षी किसी भी नजारे की सुंदरता बढ़ा देते हैं. येलो फिंच को गोल्डफिंच के नाम से भी जाना जाता है. दुनिया में इनकी सिर्फ तीन प्रजातियां हैं. एक हैं यूरोपीय गोल्फिंच, इसके अलावा अटलांटिक के पार दो प्रजातियां हैं. एक व्यापक रूप से पाया जाने वाला अमेरिकी गोल्डफिंच और दूसरा दक्षिण-पश्चिम अमेरिका में पाया जाने वाला लॉरेंस गोल्डफिंच. अमूमन गोल्फिंच या येलो फिंच की बात हो तो अमेरिकी गोल्फिंच की ही बात होती है.

पीले रंग के फिंच के उनके चमकीले पीले रंग के पंख उन्हें पहचानना आसान बनाते हैं और पक्षी देखने वालों के बीच पसंदीदा हैं. लेकिन नर और मादाओं के रंगों में कुछ फर्क होता है. प्रजनन के मौसम के दौरान नर पीले रंग के फिंच का रंग चमकीला पीला होता है, मादा पीले रंग के फिंच का रंग हल्का होता है, आमतौर पर जैतून या भूरे रंग का होता है. पीले रंग के फिंच अपने हंसमुख, मधुर गीतों के लिए जाने जाते हैं, जिन्हें अक्सर वसंत और गर्मियों के दौरान सुना जाता है. वे अपने साथी को कई तरह से बुलाते हैं और गाना गाते है, जो उनके बीच मजबूत संचार का जरिया होता है. यहां तक कि एक जोड़ा एक ही तरह का गाना गाते हुए उड़ता देखा जाता है.

पीले रंग के फिंच का एक खास तरह आहार होता है. वे आमतौर पर शाकाहारी होते हैं और मुख्य रूप से बीज खाते हैं, उनमें भी वे खासकर सिंहपर्णी, सूरजमुखी और थीस्ल जैसे पौधों के बीज खाते हैं. उनके पास भोजन करने का एक अनूठा तरीका है, वे अक्सर बीज तक पहुंचने के लिए उल्टा लटकते हैं. पीले फिंच के लिए घोंसला बहुत खास होता है. मादाएं आमतौर पर पौधे के रेशों और मकड़ी के जाले का उपयोग करके एक झाड़ी या पेड़ में घोंसला बनाने के लिए जिम्मेदार होती हैं. नर गोल्डफिंच हमेशा घोंसले में रहने वाले बच्चों को पालने में भूमिका निभाता है. नर गोल्डफिंच घोंसले में भोजन लाता है जहां मां बच्चों को खिलाती है, फिर बाद में वे दोनों घोंसले में रहने वाले बच्चों को खिलाते हैं.

पीले फिंच सामाजिक तौर पर भी बहुत सक्रिय रहते हैं. उन्हें अक्सर प्रजनन के मौसम के बाहर झुंड में देखा जाता है. पीले रंग के पंख अपने कलाबाज उड़ान पैटर्न के लिए जाने जाते हैं, जिसमें लहराती उड़ान और तेज़ पंख फड़फड़ाना शामिल है. सर्दियों के दौरान, वे बड़े झुंड बनाते हैं जिसमें सैकड़ों फिंच शामिल हो सकते हैं, जो संख्या में सुरक्षा प्रदान करते हैं.

धरती का इकलौता देश, जहां 1 साल में होते हैं 13 महीने, पूरी दुनिया से 7 साल पीछे!

पूरी दुनिया में 1 साल में 12 महीने होते हैं, लेकिन इस धरती पर एक ऐसा देश भी है, जहां साल में 12 नहीं, बल्कि 13 महीने होते हैं. इस वजह से ये समय के मामले में पूरी दुनिया से 7 साल पीछे चल रही है.

दुनियाभर के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग मान्यताएं हैं, परंपराएं हैं, जाति और धर्म हैं. लेकिन इन तमाम जगहों पर अगर कोई एक बात सामान्य है, तो वो है साल और महीने. लेकिन दुनिया में कई ऐसी भी संस्कृतियां मौजूद हैं जो साल और तारीख जानने के लिए अलग-अलग तरह के कैलेंडरों का प्रयोग करती हैं. ये सारे कैलेंडर पश्चिमी ग्रेगोरियन कैलेंडर जैसे नहीं है. पर वो सभी साल में 12 महीने ही मानते हैं. लेकिन इस धरती पर एक देश ऐसा है, जहां पर साल में 12 नहीं, बल्कि कुल 13 महीने होते हैं. आपको जानकर हैरानी हो रही होगी, लेकिन ये सच है. इतना ही नहीं, 13 महीनों की वजह से ये देश पूरी दुनिया से 7 साल पीछे चल रहा है. इस अफ्रीकी देश का नाम इथियोपिया है. इथियोपिया में 1 साल में कुल 13 महीने होते हैं, जिसमें 13वें महीने में कुल 5 दिन होते हैं, जबकि सप्ताह में कुल 5 दिन. लेकिन जिस साल लीप ईयर होता है, उस साल इथियोपिया के कैलेंडर में 6 दिन होते हैं.आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि 2024 का नया साल पूरी दुनिया मना चुकी है, लेकिन इथियोपिया में इसे 11 सितंबर 2024 को मनाया जाएगा. बता दें कि दुनिया के ज्यादातर देशों में पश्चिमी ग्रेगोरियन कैलेंडर को ही मान्यता दी गई है. लेकिन कुछ ऐसे देश हैं, जो अपने प्राचीन कैलेंडर को मानते हैं. हालांकि, इसके बावजूद सभी कैलेंडरों में 12 महीने ही होते हैं, लेकिन इथियोपिया में आज भी उसी कैलेंडर को फॉलो किया जाता है जो रोमन चर्च ने 525 ऐडी में अमेंड किया था. इस वजह से इथियोपिया में नई सदी की शुरुआत 11 सितंबर 2007 से हुई थी. इथियोपिया इकलौता ऐसा अफ्रीकी देश है, जो कभी ब्रिटेन का गुलाम नहीं हुआ. इस पर कभी इटली का कब्जा हुआ करता था, लेकिन 6 साल बाद ही वो भी चले गए. इतना ही नहीं, उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, इथियोपिया में ही कॉफी की उत्पत्ति हुई थी.

जनवरी-फरवरी नहीं, ये हैं महीनों का नाम!

ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक, महीनों के नाम जनवरी, फरवरी, मार्च आदि हैं, लेकिन इथोपियन यानी गीज कैलेंडर के महीनों के नाम भी अलग-अलग हैं. पहला महीना मेस्केरम है, जो नए साल का महीना है. इस महीने की शुरुआत 11 सितंबर से होती है. इसके बाद दूसरा महीना है टिकिम्त, फिर हिदार, तहसास, तिर, याकातित, मग्गाबित, मियाजिया, गिनबोत, सेंसे, हामले, नेहासा और पागुमे हैं.

चीन कर रहा दुनिया के 80 प्रतिशत नकली सामानों का उत्पादन

अपने चिड़ियाघर में पांडा तक दिखा रहा नकली

चीन आज वैश्विक विनिर्माण का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है, लेकिन इसे नकली उत्पादों के निर्माण में भी बदनाम किया जाता है। अनुमानित रूप से, चीन दुनिया के 80 प्रतिशत नकली सामानों के उत्पादन के लिए जिम्मेदार है। ये नकली सामान विभिन्न श्रेणियों में फैल चुके हैं, जैसे लग्जरी हैंडबैग, घड़ियाँ, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाएं और यहां तक कि रोजमर्रा की चीजें। 2020 में आर्थिक सहयोग और विकास संगठन की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि चीन से आने वाले नकली सामान वैश्विक व्यापार का लगभग 3.3 प्रतिशत हिस्सा हैं, जिनकी सालाना कीमत 500 अरब डॉलर से अधिक है।

हाल ही में चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में एक अजीब घटना हुई, जिसमें शानवेई चिड़ियाघर में एक आगंतुक ने टिकटाक पर वीडियो शेयर किया, जिसमें दो जानवरों को पांडा बताया गया। हालांकि, ये जानवर असल में पांडा नहीं, बल्कि चाउ चाउ कुत्ते थे।

पहले तो चिड़ियाघर के अधिकारियों ने उन्हें पांडा डॉग्स बताने की कोशिश की, लेकिन जब दर्शकों ने संदेह किया, तो उन्हें यह स्वीकार करना पड़ा कि चिड़ियाघर में कोई असली पांडा नहीं है। इसके लिए उन्होंने कुत्तों को काले और सफेद रंग में रंगकर उन्हें पांडा जैसा बनाने का अनैतिक कदम उठाया। यह घटना अकेली नहीं है; इससे पहले मई में, जियांग्सू प्रांत के ताइझोउ चिड़ियाघर में भी ऐसा ही मामला देखा गया था। हालांकि उस वक्त इसमें उतना ध्यान नहीं मिला। लेकिन हाल की घटना ने वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया है। चीन के मजबूत विनिर्माण ढांचे ने नकली सामानों के मुद्दे को बढ़ाने का कार्य किया है। यहां की विशाल आपूर्ति श्रृंखला और बौद्धिक संपदा नियमों का कमजोर प्रवर्तन इस तरह की अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देता है। नकली उत्पादों का सबसे बड़ा खतरा दवा उद्योग में है, जहां नकली दवाएं गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकती हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि कई विकासशील देशों में 10 प्रतिशत से अधिक चिकित्सा उत्पाद या तो घटिया या नकली साबित होते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान नकली चीनी टीकों का मामला भी चिंता का विषय बना। केवल दवाओं में ही नहीं, बल्कि तकनीकी उत्पादों जैसे स्मार्टफोन, लैपटॉप आदि में भी नकली सामान का अत्यधिक प्रचार है। इन उत्पादों की गुणवत्ता अक्सर निम्न होती है और ये बौद्धिक संपदा के चोरी के मामलों में भी शामिल होते हैं।सिर्फ ये ही नहीं, लवजरी सामान का बाजार भी नकली सामानों से अंजान नहीं रहा है। लुई वुइटन, गुच्ची जैसे ब्रांड निरंतर नकली वस्तुओं से प्रभावित हैं। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे अलीबाबा, अमेजन, और ईबे पर इन नकली सामानों की बिक्री हो रही है।

यूरोपीय संघ को हो रहा बड़ा नुकसान: यूरोपीय संघ को प्रति वर्ष क16 बिलियन का नुकसान और लगभग 200,000 नौकरियों के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। यह जानकारी यूरोपीय संघ बौद्धिक संपदा कार्यालय की एक रिपोर्ट से मिली है। इन नकली वस्तुओं का एक बड़ा हिस्सा चीन में ही उत्पादित होता है। इस समस्या का केंद्र चीन की कम्युनिस्ट पार्टी पर भी है, जो नकली व्यापार को बढ़ावा देने का आरोप लगा है।

इसके अलावा, कुछ सरकारी स्वामित्व वाले उद्यमों पर भी आरोप हैं कि वे नकली उत्पादों के उत्पादन में शामिल हैं।चीन में नकली उत्पादों का व्यापक प्रसार न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि यह उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए भी गंभीर समस्याएं उत्पन्न करता है।

इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर अबू अली रिदा को हवाई हमले में मार गिराया

येरूशलम, एजेंसी। इजराइली सेना ने सोमवार को कहा कि उसने एक शीर्ष हिजबुल्लाह कमांडर, अबू अली रिदा को मार गिराया है। सेना का कहना है कि रिदा दक्षिणी लेबनान के बराअचित क्षेत्र का कमांडर था और इजराइली सेना पर रॉकेट और एंटी-टैंक मिसाइल हमलों की योजना बना रहा था और उन पर हमले करवा रहा था। सेना ने एक बयान में बताया कि रिदा हिज़बुल्लाह के अन्य आतंकवादी गतिविधियों की भी निगरानी कर रहा था और उसे एक हवाई हमले में मार गिराया गया। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि उसे कब मारा गया।

सितंबर के अंत में इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच शुरू हुए युद्ध के बाद से इजराइल लगातार लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले कर रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में इज़राइल ने हिजबुल्लाह के कई प्रमुख नेताओं को मार गिराया है, जिसमें संगठन के पूर्व प्रमुख हसन नसरल्लाह भी शामिल हैं। इस युद्ध की शुरुआत दोनों के बीच लगभग एक साल से चल रही सीमा पर झड़पों के बाद हुई। हिजबुल्लाह ने अपने साथी संगठन हमास के समर्थन में उत्तरी इज़राइल पर लगातार रॉकेट दागने शुरू किए, जिसके बाद इज़राइल ने गाज़ा में हमास के खिलाफ अपना सबसे घातक युद्ध छेड़ दिया।

कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले के खिलाफ फूटा गुस्सा, सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। हजारों भारतीय-कनाडाई लोग ग्रेटर टोरंटो एरिया में सड़कों पर उतर आए। उन्होंने इसके लिए जिम्मेदार खालिस्तान समर्थक तत्वों के विरोध में रैली निकाली। सोमवार को विरोध प्रदर्शन में लगभग 5 हजार भारतीय-कनाडाई शामिल हुए। मौके पर पुलिस बल की कड़ी तैनाती थी। मंदिर के सामने का रास्ता बंद होने के कारण उन्होंने द्वार के बाहर प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय पुलिस की ओर से इसे गैरकानूनी सभा घोषित कर दिया गया, जिसके बाद देर शाम रैली तितर-बितर हो गई। बताया जा रहा है कि प्रदर्शन में हथियार भी देखे गए थे।

कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में रविवार को हिंदू महासभा मंदिर को चरमपंथियों ने अपना निशाना बनाया था। पील क्षेत्रीय पुलिस ने बताया कि ब्रैम्पटन के एक मंदिर में विरोध प्रदर्शन हुआ। सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के कुछ अपुष्ट वीडियो में प्रदर्शनकारी खालिस्तान समर्थक बैनर पकड़े नजर आए। रिपोर्ट में कहा गया कि वीडियो में लोग एक-दूसरे पर घूंसे बरसाते और डंडों से हमला करते हुए नजर आ रहे हैं। यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है। पील रीजनल पुलिस ने पुष्टि की कि उसने खालिस्तान समर्थक विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए एक अधिकारी को सस्पेंड कर दिया। एक प्रवक्ता ने कहा, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से हम अवगत हैं। इसमें ऑफ-ड्यूटी पील पुलिस अफसर को प्रदर्शन में शामिल दिखाया गया है। इस अधिकारी को सामुदायिक सुरक्षा और पुलिस अधिनियम के अनुसार निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि वीडियो में दर्शाई गई परिस्थितियों की जांच की जा रही है और जब तक यह जांच पूरी नहीं हो जाती, हम आगे की जानकारी नहीं दे सकते हैं। भारत ने इसके खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस संबंध में एक्स पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का शासन कायम रखेगी। मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानलूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं करेंगे।

हैरिस-ट्रंप ने पैन्सिलवेनिया के अखाड़े में बिताया दिन

पैन्सिलवेनिया, एजेंसी। अमेरिका में महीनों से चल रही राष्ट्रपति पद की रेस का प्रचार 4 नवंबर की रात को थम गया। अब इंतजार है तो मंगलवार यानि कि आज सुबह 7 बजे से शुरू होने वाले मतदान का जो तय करेगा कि व्हाइट हाउस में अगले 4 साल के लिए कौन सा चेहरा होगा आखिरी दौर में दोनों ही उम्मीदवार जिस एक राज्य पर जोर लगाते नजर हुए आए वो है पैनसिल्वेनिया।

प्रचार के आखिरी दिन कमला हैरिस और डॉनल्ड ट्रंप ने सूबे के पिट्सबर्ग में बड़ी रैलियों को संबोधित किया। कमला हैरिस ने तो प्रचार का आखिरी दिन लगभग पैन्सिलवेनिया में ही बिताया। बीते कई हफ्तों से अमेरिकी चुनाव के दोनों महारथी अपना सारा जोर सात सूबों के 93 इलेक्टोरल कॉलेज मतों को अपने लिए जुटाने पर लगा रहे थे। इसमें भी सबसे ज्यादा 19 इलेक्टोरल कॉलेज वोट का वजन पैनसिल्वेनिया के पास है। विस्कॉन्सन, मिशिगन, एरिजोना, नॉर्थ कैरोलाइना, जॉर्जिया और नेवादा के बीच बटे शेष 74 मतों के लिए दोनों ही खेमे ताकत झोंकते नजर आए। इस बीच अमेरिका में 7.91 करोड़ वोट पहले ही डाले जा चुके हैं। वहीं एरिजोना जैसे सूबे में तो मतदान की तारीख से पहले डाले गए मतों की छंटनी का काम भी शुरू हो गया। एरिजोना, पैन्सिलवेनिया, विस्कॉन्सन जैसे सूबे पारंपरिक तौर पर धीमी मतगणना वाले माने जाते रहे हैं। मतदान खत्म होने के बाद सबसे पहले नजरें लगी होंगी जॉर्जिया और नॉर्थ कैरोलाइना के स्कोर बोर्ड पर, जहां से सबसे पहले नतीजों की उम्मीद की जा रही है।

इंग्लैंड और वेल्स में एक साथ 500 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की हो गई छुट्टी, 74 पर थे रेप के आरोप

लंदन, एजेंसी। गैर कानूनी और भ्रष्टाचार में संलिप्त रहने के आरोप में इंग्लैंड और वेल्स में 500 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को एक साथ बर्खास्त कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक 593 पुलिसकर्मियों पर यह गाज गिरी है और उन्हें 31 मार्च के बाद से नौकरी छोड़नी होगी। निकाले गए पुलिसकर्मियों में 74 ऐसे अधिकारी हैं जिन्हें यौन अपराधों को लेकर सजा दी गई है। इसके अलावा 18 को बच्चों से जुड़े अपराध के लिए बर्खास्त किया गया है।

आम तौर पर बेईमानी और भेदभाव पूर्ण व्यवहार की वजह से 200 पुलिसकर्मियों को फायर किया गया। 2021 में किडनैपिंग और हत्या के एक मामले के बाद लोगों का विश्वास पुलिस में डगमगाने लगा था। ऐसे में जनता का विश्वास हासिल करने के लिए यूके के पुलिस चीफ ने यह कदम उठाया है। दरअसल लंदन मेट्रोपोलिटन पुलिस में काम करने वाले एक शख्स ने 33 साल की मार्केटिंग एग्जिक्यूटिव सराह एवरार्ड को किडनैप कर लिया था। पिछले साल एक पुलिस अधिकारी को दर्जनों रेप और यौन अपराध करने के लिए 30 साल कैद की सजा सुनाई गई थी। एक अधिकारी ने कहा कि पुलिसकर्मियों द्वारा इस तरह के काम बहुत ही निराशाजनक हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की वजह से पूरे विभाग की बदनामी हो रही है। इसको रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस फोर्स में रहने के लिए नियमों का पालन करना होगा और गैरकानूनी गतिविधियों से दूर रहना होगा।

मिस्टरबीस्ट ने दुबई के बुर्ज खलीफा पर की चढ़ाई, शेयर किया खौफनाक अनुभव

दुबई एजेंसी। दुनिया के सबसे मशहूर यूट्यूबर्स में शुमार जिमी डोनाल्डसन को मिस्टरबीस्ट के नाम से जाना जाता है। हाल ही में इन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची इमारत दुबई के बुर्ज खलीफा पर चढ़ाई की। इस इमारत के सबसे टॉप फ्लोर पर जाकर मिस्टरबीस्ट ने अपना खौफनाक अनुभव वीडियो के जरिए शेयर किया। यह खतरनाक वीडियो कुछ ही समय में सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया। वायरल वीडियो में आप मिस्टरबीस्ट को गगनचुंबी इमारत के सबसे ऊपर खड़े होकर इसकी प्रतिष्ठित चोटी से नीचे की ओर देखते हुए देख सकते हैं।

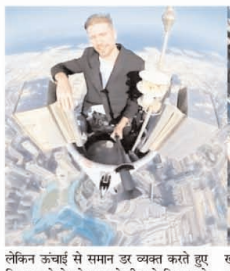

वीडियो में मिस्टरबीस्ट कहा, मैंने इसे बनाया! मैं दुनिया की सबसे ऊंची इमारत के ऊपर खड़ा हूं। वह अपने आस-पास के माहौल को देखकर हैरान रह गए। किनारे पर नजर डालते हुए, वह घबराई हुई हंसी के साथ कहते हैं, यह भयानक है! मुझे नीचे नहीं देखना चाहिए था - यह डरावना है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसे अबतक 1.5 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है और इसे देखने के बाद हैरत में पड़े यूजर्स अपनी इसपर प्रतिक्रियाएं भी दे रहें हैं।

सोशल मीडिया पर लोगों ने इस नर्वस स्टंट के बारे में बहुत कुछ कहा। एक यूजर ने टिप्पणी की, तो क्या हुआ टॉम क्रूज ने इसे पहले किया, और वह डरे नहीं! एक अन्य दर्शक ने मिस्टरबीस्ट के साहस की प्रशंसा की, लेकिन ऊंचाई से समान डर व्यक्त करते हुए लिखा, इसे देखने मात्र से ही मुझे सिहरन हो रही है। कल्पना नहीं कर सकता कि वहां ऊपर होने पर कैसा महसूस होता होगा। कुछ यूजर्स ने कहा, ऐसा लगता है कि वह हाल ही में व्यूज पाने के लिए कुछ ज्यादा ही प्रयास कर रहा है। मिस्टर बीस्ट के इस वीडियो को देखने के बाद कुछ यूजर्स इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि, कंटेंट के लिए क्रिएटर्स किस हद तक जा सकते हैं। एक यूजर ने लिखा, ये स्टंट दिन-ब-दिन पागलपन भरे होते जा रहे हैं। इसका अंत कहां होगा तभी एक अन्य फॉलोअर ने मिस्टरबीस्ट की बहादुरी का समर्थन करते हुए कहा, उन्हें सलाम! कोई बात नहीं, बुर्ज खलीफा पर चढ़ना हर किसी के बस की बात नहीं है।

गौरतलब है कि, जिमी डोनाल्डसन के वीडियो से काफी लोग इंप्रेस हुए हैं। मगर आपको बता दें कि, वे बुर्ज खलीफा पर चढ़ने वाले पहले व्यक्ति नहीं हैं। अन्य प्रसिद्ध हस्तियों ने भी यह चुनौती ली है, जिनमें अभिनेता टॉम क्रूज, दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान और अभिनेता विल स्मिथ शामिल हैं। सैम सुंदरलैंड, एलेन रॉबर्ट और एलेक्सिस लैडोट जैसे स्टंट विशेषज्ञ भी पिछले वर्षों में टॉवर की चक्करदार ऊंचाइयों तक पहुंच चुके हैं, जिनमें से प्रत्येक ने अपने कौशल और साहस का प्रदर्शन किया है।

नहीं रहे माइकल जेक्सन को सुपरस्टार बनाने वाले क्रिंसी जोन्स

वाशिंगटन, एजेंसी। माइकल जेक्सन को सुपरस्टार बनाने वाले दिग्गज क्रिंसी जोन्स का निधन हो गया है। उन्होंने 91 साल की उम्र में अंतिम सांस ली है। क्रिंसी जोन्स की मौत से हॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री को तगड़ा झटका लगा है। माइकल और जोन्स की दोस्ती की मिसाल दी जाती थी। जोन्स ने जैक्सन के साथ मिलकर कई हिट एल्बम्स बनाए, जिनमें थ्रिलर और बेड जैसे एल्बम शामिल हैं, जो आज भी दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं। जोन्स के करीबी मित्र अर्नोल्ड रॉबिन्सन ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए कहा कि क्रिंसी जोन्स का निधन रविवार रात को हुआ, जब वह अपने घर में थे।

क्रिंसी जोन्स के परिवार ने भी उनके निधन के बाद एक बयान जारी कर कहा- आज रात भारी लेकिन टूटा हुआ दिल लेकर हमें अपने पिता और भाई क्रिंसी जोन्स के निधन की खबर साझा करनी पड़ी। यह हमारे परिवार के लिए एक अनकही और अपूरणीय क्षति है। हालांकि यह हमारे लिए बहुत दुखद है, हम उनके महान जीवन का जश्न मनाते हैं और जानते हैं कि उनका जैसा कोई दूसरा कभी नहीं होगा।

जीते 28 ग्रैमी अवॉर्ड्स: क्रिंसी जोन्स को कुल 28 ग्रैमी अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया, जो म्यूजिक इंडस्ट्री में एक रिकॉर्ड है। यह उपलब्धि बताती है कि उनके संगीत और योगदान को किस तरह से सराहा गया। जहाँ एक कलाकार के लिए अपने पूरे करियर में एक या दो ग्रैमी अवॉर्ड प्राप्त करना बड़ी बात होती है, वहीं जोन्स ने इस शानदार उपलब्धि को 28 बार हासिल किया। उनका संगीत ना केवल श्रोताओं के दिलों में बसा बल्कि उनकी रचनाएँ आज भी संगीत प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

चीनी अंतरिक्ष यात्री स्पेस में छह महीने बिताने के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे

बीजिंग, एजेंसी। निचली कक्षा में अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करने के कार्य में छह महीने बिताने वाले तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री सोमवार रात पृथ्वी पर सुरक्षित लौट आए। मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी चीनी एजेंसी ने यह जानकारी दी। अंतरिक्ष यात्री ये युआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु को लेकर अंतरिक्ष यान 'शेनझोउ-18 का कैप्सूल रात 1:24 बजे (बीजिंग समयानुसार) उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में डोंगफेंग स्थल पर उतरा। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि 192 दिन तक कक्षा में रहने के बाद तीनों अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य ठीक है और 'शेनझोउ-18 मानवयुक्त मिशन सफल रहा। शेनझोउ-18 के मिशन कमांडर युआंगफू एक वर्ष से अधिक के संचयी अंतरिक्ष उड़ान समय वाले पहले चीनी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। उन्होंने एक चीनी अंतरिक्ष यात्री के रूप में कक्षा में सबसे लंबे समय तक रहने का नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। उन्होंने अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक 'शेनझोउ-13 मिशन में अंतरिक्ष यात्री के रूप में कार्य किया था।

फुटबॉल खेलते समय मैदान पर गिरी आकाशीय बिजली, एक खिलाड़ी की मौत

लीमा, एजेंसी। पेरू में फुटबॉल खेलते समय मैदान पर आकाशीय बिजली गिरने से 1 खिलाड़ी की मौत हो गई। जबकि कई अन्य खिलाड़ी घायल हो गए। इस हादसे का सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आया है। यह दुखद घटना पेरू के दो क्लबों जुवेंटुड बेलाविस्टा और फेमिलिया चोका के बीच हुआंकायो में खेले जा रहे मैच के दौरान हुई। बताया जाता है कि भारी बारिश के कारण रेफरी को खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाने के लिए कहना पड़ा। जब खिलाड़ी मैदान से बाहर जा रहे थे, तभी बिजली गिरने से 39 वर्षीय फुटबॉल खिलाड़ी जोस ह्यूगो डे ला क्रूज मेसा की मौके पर ही मौत हो गई।

कुछ अन्य खिलाड़ियों को जलने के कारण अस्पताल ले जाया गया। डिफेंडर जोस ह्यूगो डे ला क्रूज मेसा की मौत हो गई, जबकि एरिक एस्टिवेन सैंट क्यूलर, जोशेप गुस्तावो पारियोना चोका और क्रिस्टियन सेसर पिटुय काहुआना जैसे खिलाड़ी बिजली के झटके लगने के बाद निगरानी में हैं। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, गोलकीपर जुआन चोका लैक्टा की हालत गंभीर बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मैच लगभग 4 बजे शाम को रद्द कर दिया गया था।

भारत के साथ सैनिकों को पीछे हटाने के समझौते का कार्यान्वयन 'सुचारू रूप से' जारी : चीनी विदेश मंत्रालय

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में सैनिकों को पीछे हटाने के लिए भारत के साथ समझौते का कार्यान्वयन ''इस समय सुचारू रूप से'' जारी है, लेकिन इसने देपसांग और डेमचोक में दो टकराव बिंदुओं पर गश्त फिर से शुरू होने के बारे में टिप्पणी नहीं की। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में कहा, ''चीनी और भारतीय सैनिक उस समाधान को क्रियान्वित कर रहे हैं जिस पर दोनों पक्ष सीमा क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर पहुंचे हैं। यह इस समय सुचारू रूप से जारी है।'' हालांकि, उन्होंने भारतीय सैनिकों द्वारा दो क्षेत्रों में गश्त शुरू किए जाने से संबंधित विशिष्ट प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को नयी दिल्ली में मीडिया को बताया था कि भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख में दूसरे टकराव बिंदु देपसांग में सत्यापन गश्त शुरू कर दी है। पूर्वी लद्दाख में दो टकराव बिंदुओं से भारतीय और चीनी सैनिकों के पीछे हटने के एक दिन बाद शुक्रवार को डेमचोक में गश्त शुरू हो गई थी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 21 अक्टूबर को दिल्ली में कहा था कि पिछले कई हफ्तों की बातचीत के बाद भारत और चीन के बीच एक समझौते को अंतिम रूप दिया गया है जिससे 2020 में उत्पन्न हुए मुद्दों का समाधान निकलेगा। जून 2020 में गलवान घाटी में भीषण झड़प के बाद दोनों एशियाई शक्तियों के बीच संबंध खराब हो गए थे।

संक्षिप्त समाचार

शाकिब अल हसन मुसीबत में फंसे, गेंदबाजी एक्शन की होगी जांच

लंदन (एजेंसी)। काउंटी चैंपियनशिप में सरी के लिए खेलने के दौरान अंपायर्स ने शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को लेकर दी गई रिपोर्ट के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बंगलादेश के ऑलराउंडर शाकिब से अपने गेंदबाजी एक्शन की जांच करवाने के लिए कहा है। शाकिब को खेलने से नहीं रोका गया है लेकिन यह पता चला है कि शाकिब के एक्शन की जांच कराने के लिए बातचीत चल रही है। यह जांच अगले कुछ समाह में हो सकती हैं। शाकिब के दो दशक लंबे करियर में यह पहली बार है जब उनका गेंदबाजी एक्शन किसी तरह की जांच का विषय बना है। इस दौरान शाकिब ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 447 मैचों में 712 विकेट लिए हैं, जिसमें 71 टेस्ट में 246 विकेट शामिल हैं। सितंबर में टॉन्टन में सोमरसेट के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 37 वर्षीय शाकिब ने 9 विकेट चटकाए थे। 2010-11 के बाद शाकिब पहली बार काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे थे। इंग्लैंड के 8 खिलाड़ियों के राष्ट्रीय टीम में होने के कारण, विल जैक्स और डैन लॉरेंस जैसे दो प्रमुख स्पिनरों की अनुपस्थिति में शाकिब ने सरी के साथ कम समय का करार किया था। हालांकि शाकिब सोमरसेट को 111 रनों से जीत हासिल करने से नहीं रोक सके और सरी लगातार अपना तीसरा चैंपियनशिप खिताब जीतने में सफल नहीं हो पाया। उस मैच में शाकिब ने 63 ओवर से अधिक गेंदबाजी की थी लेकिन एक बार भी उनकी गेंदबाजी के दौरान थ्रो करने का हवाला देकर किसी गेंद को नो बॉल करार नहीं दिया गया था। अब यह बात निकलकर सामने आई है कि मैदानी अंपायर्स ने उनके गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध पाया था।

रोहित शर्मा के पहले बीजीटी टेस्ट में न खेलने पर सुनील गावस्कर का तीखा हमला

मुंबई (एजेंसी)। बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगा जिसमें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पहले टेस्ट में दिखाई नहीं देंगे। इस पर दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना ??है कि अगर कप्तान शुरुआत से ही टीम में नहीं है, खासकर जब टीम शर्मनाक हार से उबर रही हो, तो उसे सीरीज के बाकी मैच एक साधारण खिलाड़ी के तौर पर खेलने चाहिए, जबकि उप-कप्तान को पूरी सीरीज में टीम की अगुआई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, मैंने पढ़ा है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया सीरीज के पहले दो टेस्ट नहीं खेलेंगे। मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति में चयन समिति को जसप्रीत बुमराह को पूरे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम का कप्तान नियुक्त करना चाहिए और रोहित शर्मा से कहना चाहिए कि आप इस श्रृंखला में एक खिलाड़ी के रूप में भाग लें। पहले टेस्ट मैच के लिए रोहित शर्मा को वहां होना चाहिए।

ओलंपिक

भारत ने 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक की मेजबानी के लिए बढ़ाए कदम

आईओए ने आईओसी को आशय पत्र सौंपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत लंबे समय से 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा जता चुका है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई मौकों पर इस बारे में राय रखी और अपने इरादे जाहिर किए हैं। हालांकि, अब भारत ने इस दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। भारत ने 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए एक कदम आगे बढ़ा दिए हैं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को पत्र भेजा है। केंद्रीय खेल मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, आईओए ने आईओसी को आधिकारिक रूप से भविष्य में ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा जताई और संबंधित आशय पत्र सौंपा। खेल मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार, पत्र एक अक्तूबर को सौंपा गया था। भारत लंबे समय से 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा जता चुका है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई मौकों पर इस बारे में राय रखी और अपने इरादे जाहिर किए हैं। हालांकि, अब भारत ने इस दिशा में बड़े कदम उठाए हैं।

पीएम मोदी ने ओलंपिक मेजबानी पर कहा बहुत जल्द आप भारत में भी ओलंपिक देखेंगे – पीएम मोदी सितंबर में अमेरिका दौरे पर गए थे। वहां उन्होंने न्यूयॉर्क के इनडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में कहा था, अभी कुछ दिन पहले पेरिस ओलंपिक खत्म हुआ है। अगले ओलंपिक का मेजबान अमेरिका है। बहुत जल्द आप भारत में भी ओलंपिक

देखेंगे। हम 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से देश को संबोधित करते हुए ओलंपिक 2036 की मेजबानी पर बड़ी बात कही थी। उन्होंने कहा था कि भारत ने ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। पीएम ने जानकारी देते हुए बताया था कि आईओए ने इस आयोजन को भारत में लाने के लिए आईओसी के भावी मेजबान आयोग (एफएचसी) के साथ बातचीत शुरू कर दी है।

सूत्र ने कहा, यह महत्वपूर्ण अवसर पूरे देश में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर पर्याप्त लाभ दिला सकता है। आईओसी के अगले साल होने वाले चुनावों से पहले मेजबान पर निर्णय नहीं लिया जाएगा। भारत को मेजबानी की दौड़ में सऊदी अरब, कतर और तुर्किये जैसे कई अन्य देशों की कड़ी चुनौती का सामना भी करना पड़ेगा जो खुद को इस खेल महाकुंभ की मेजबानी के लिए मजबूत दावेदार के रूप में पेश कर रहे हैं।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा सहित भारत के शीर्ष खेल प्रशासक देश की पैरवी करने के लिए इस साल पेरिस ओलंपिक में थे। यह भी पता चला है कि यदि भारत को मेजबानी मिलती है तो वह योग, खो-खो और कबड्डी जैसे स्वदेशी खेलों को शामिल करने पर जोर देगा। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने नए खेल मंत्री मनसुख मांडविया को ओलंपिक मेजबानी हासिल करने के लिए आवश्यक उपायों पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी पेश की है। इस रिपोर्ट में एमओसी ने छह खेलों की पहचान की है जिन्हें भारत को मेजबानी मिलने पर ओलंपिक में शामिल किया जाएगा। इन खेलों में योग, खो खो, कबड्डी, शतरंज, टी20 क्रिकेट और स्क्वाश शामिल हैं।

पेरिस में भारत ने जीते थे छह पदक – भारत ने इस साल पेरिस ओलंपिक के - लिए 117 खिलाड़ियों के दल को पेरिस भेजा था, जहां भारतीय एथलीट्स ने कुल छह पदक जीते। इसमें एक रजत और पांच कांस्य शामिल हैं। वहीं, पेरिस पैरालंपिक में भी भारतीय एथलीटस ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और 29 पदक जीतकर टोक्यो का रिकॉर्ड तोड़ा था। तीन साल पहले भारत ने 19 पदक जीते थे। देश ने इस बार पैरा खेलों के इतिहास में अपने सबसे ज्यादा पदक जीते। इनमें सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य शामिल हैं।

भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने डब्ल्यूबीएफ का विश्व खिताब जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने केमैन आइलैंड में ब्रिटेन के कोनोर मैकिन्टोश को हराकर विश्व मुक्केबाजी महासंघ (डब्ल्यूबीएफ) का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीता। पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर से प्रशिक्षण लेने वाले 31 वर्षीय जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अब तक केवल एक हार का सामना किया है। ब्रिटिश मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में अधिकतर राउंड में उनका पलड़ा भारी रहा। जांगड़ा ने शुरू से ही दमदार मुक्के जमाए और पूरे 10 राउंड में अपना दमखम बरकरार रखा। दूसरी तरफ ब्रिटिश मुक्केबाज को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। कॉनर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जांगड़ा ने अधिकतर राउंड में बढ़त बनाए रखी। जांगड़ा ने कहा, 'यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैंने इसे हासिल करने के लिए वर्षों तक कड़ी मेहनत की। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं देश का नाम रोशन कर सका।

हरियाणा के रहने वाले जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुकेबाजी में पदार्पण किया। उन्हें उम्मीद है कि यह खिताब अधिक भारतीय मुक्केबाजों को पेशेवर बनने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह खिताब देश के अन्य मुक्केबाजों के लिए रास्ता खोलेगा और वे पेशेवर मुक्केबाजी में अपना करियर बनाने का फैसला भी करेंगे। हमारे मुक्केबाज अच्छे हैं और उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अगर उन्हें अच्छे प्रमोटर और मैनेजर मिलें तो वे विश्व चैंपियन भी बन सकते हैं।

हरमनप्रीत वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंची, मंधाना चौथे पायदान पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गयी जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अपना चौथा स्थान बरकरार रखा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के आखिरी मुकाबले में हरमनप्रीत ने 63 गेंद में नाबाद 59 रन की पारी के साथ भारतीय टीम को मैच और श्रृंखला में जीत दिलायी थी। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियन का हिस्सा थी जिसे भारत ने 2-1 से जीता था।

इसी मैच में 100 रन की शानदार पारी खेलने वाली वामहस्त बल्लेबाज मंधाना 23 रेटिंग अंक हासिल कर कुल 728 रेटिंग अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। उनके और तीसरे स्थान पर काबिज श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू के बीच सिर्फ पांच रेटिंग अंक का फर्क है। इस तालिका में इंग्लैंड की नैट सिवर ब्रंट 760 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष स्थान पर है।

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज

यास्तिका भाटिया तीन स्थान के सुधार के साथ 48वें जबकि श्रृंखला के तीसरे मैच में 86 रन की पारी खेलने वाली न्यूजीलैंड की ब्लक हैलीडे 12 स्थान के सुधार के साथ 24वें स्थान पर पहुंच गयी है। गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा ने करियर की सर्वश्रेष्ठ 703 रेटिंग अंक के साथ दूसरे पायदान पर अपनी स्थिति मजबूत की। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 39 रन पर तीन विकेट चटकाये थे।

भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह (चार स्थान के सुधार के साथ 32वें), साइमा ठाकोर (20 स्थान के सुधार के साथ संयुक्त 77वें) और प्रिया मिश्रा (छह स्थान के सुधार के साथ 83वें) इस रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर करने वालों में शामिल हैं। भारतीय टीम आईसीसी महिला चैम्पियनशिप की तालिका में 25 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड 21 मैचों में 20 अंक के साथ छठे पायदान पर है। इस तालिका में ऑस्ट्रेलिया (18 मैच) और इंग्लैंड (21 मैच) एक समान 28 अंक के साथ शीर्ष पर है।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20-आई टीम की घोषणा की, बटलर सहित साल्ट को भी मिली जगह

लंदन (एजेंसी)। कप्तान जोस बटलर की पिंडली की चोट से उबरने के बाद वापसी के बाद भी इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज फिल साल्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ थ्री लायंस की आगामी टी20आई सीरीज के लिए विकेटकीपिंग करेंगे। बटलर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से चूक गए थे, जहां इंग्लैंड ने टी20आई में बारबरी की और वनडे में मामूली अंतर से हार गए। उनकी अनुपस्थिति में फिल साल्ट और हैरी ब्रूक ने क्रमशः टी20आई और वनडे टीमों का नेतृत्व किया था।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच बारबाडोस में होने वाले तीसरे वनडे मैच से पहले साल्ट ने कहा कि उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के लिए बहुत अधिक विकेटकीपिंग नहीं की है। साल्ट ने कहा, मैंने हाल ही में इंग्लैंड के लिए बहुत अधिक विकेटकीपिंग नहीं की है। लेकिन मुझे विकेटकीपिंग करना अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि मैं टीम के लिए सबसे अधिक योगदान दे सकता हूं। साल्ट ने तीनों प्रारूपों में तीन लायंस के लिए अपने 59 मैचों में से 13 में विकेटकीपिंग की है और उन्हें कैरेबियाई टीम के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार बटलर ने केसिंटन ओवल में प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। भले ही 34 वर्षीय खिलाड़ी वनडे सीरीज के तीसरे मैच के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन वे पांच मैचों की टी20 सीरीज से कप्तानी की जिम्मेदारी फिर से संभालेंगे

मैच के दौरान मैदान पर बिजली गिरी, एक खिलाड़ी की मौत, कई घायल

पैरू (एजेंसी)। फुटबॉल मैच के दौरान अचानक मैदान पर बिजली गिर गई जिसकी चपेट में आने से एक खिलाड़ी की मौत हो गई जबकि रेफरी समेत कई खिलाड़ी बुरी तरह घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल खिलाड़ियों और रेफरी को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

मामला पेरू का है जहां 3 नवंबर को चिल्का स्थित दो घरेलू क्लब जुवेंटुड बेलाविस्टा और फेमिलिया चोका के बीच मैच चल रहा था। इसी दौरान यह हादसा हुआ। 39 वर्षीय जोस होगो पर बिजली गिरी और उनकी मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब मैच का पहला हाफ चल रहा था। इस दौरान जुवेंटुड बेलाविस्टा मैच में 2-0 से आगे था। मैच के दौरान मौसम खराब हो गया, इसलिए रेफरी ने सीटी बजाकर खेल रोक दिया। साथ ही खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाने को कहा गया।

जब खिलाड़ी मैदान छोड़कर जा रहे थे तभी अचानक बिजली गिरी। यह बिजली 39 वर्षीय खिलाड़ी जोस ह्यूगो डे ला वरूज मेसा पर गिरी। उनकी मौत हो गई। बिजली गिरने से रेफरी समेत 5 खिलाड़ी एक साथ जमीन पर गिर गए। पहले भी बिजली गिरने से फुटबॉलर की मौत हो चुकी है। इस हादसे में 40 वर्षीय गोलकीपर जुआन चोका गंभीर रूप से झुलस गए। उनके शरीर पर जलने के निशान हैं। बिजली गिरने के बाद जमीन पर गिरे खिलाड़ियों में से 1-2 ने उठने की कोशिश भी की। इन सभी घायल खिलाड़ियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बिजली गिरने से फुटबॉलर की मौत की यह पहली घटना नहीं है। इसी साल फरवरी में इंडोनेशिया के वेस्ट जावा के सिलीवांगी स्टेडियम में एक दोस्ताना फुटबॉल मैच आयोजित किया गया था। तब बिजली गिरने से 35 वर्षीय सेप्टेन रहराजा की मौत हो गई थी। इस घटना में राहराजा घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

जन्मदिन विशेष

विराट के अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड्स पर एक नजर

यादगार पारियां जिसने दिल्ली के लड़के को बनाया किंग कोहली, 36वां जन्मदिवस मनाया

बेंगलूर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली 36 साल के हो गए हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ समकालीन बल्लेबाजों में से एक कोहली का जन्म 5 नवम्बर 1988 को नई दिल्ली में हुआ था। उन्होंने 2008 में डेब्यू किया था और खुद को साबित करते हुए आज दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं जिनका खेलने का अपना एक अलग अंदाज है।

सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी की तरह कोहली के भी चाहने वालों की लिस्ट काफी बड़ी है जो उन्हें काफी प्यार भी करते हैं। कोहली के रिकॉर्ड्स की बात है तो उनके नाम 42 शतक हैं और उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं जिनके वनडे में सबसे ज्यादा 49 शतक हैं। इसके साथ ही कोहली वनडे में सबसे तेज 8000, 9000, 10000 और 11000 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। आइए कोहली के 32वें जन्मदिन पर उनके करियर की 5 सबसे शानदार इनिंस पर नजर डालते हैं

1. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोहली के लिए 2016 बेहतरीन सालों में एक रहा। उस समय वर्ल्ड टी20 वर्ल्ड कप भारत में खेला गया था। वह टूर्नामेंट में मैन ऑफ द सीरीज के रूप में उभरे लेकिन सुपर 10 मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी पारी याद रखने वाली रही। मोहाली में खेले गए इस टी20 मैच में भारत के सामने 161 रन का लक्ष्य है। भारत के 49 पर 3 विकेट गिर चुके थे और क्रीज पर कोहली और धमाकेदार ऑलराउंडर युवराज सिंह थे। इन दोनों चौथे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की। युवराज के 94/4 रन पर आउट होने के बाद कोहली के खतरनाक रूप देखने को मिला और उन्होंने धोनी के साथ बेहतरीन पार्टनरशिप करते हुए अर्धशतकीय इनिंग खेली। हालांकि ये हाइएस्ट स्कोर नहीं था और इस मैच का अंत धोनी के शॉट से हुआ था। लेकिन कोहली ये टूर्नामेंट भी उनके लिए कम नहीं था।

2. कोहली का इंग्लैंड का 2014 का दौरा अच्छा नहीं रहा और उन्होंने मात्र 13.50 की औसत से रन ठोके थे। लेकिन जब वह 2018 में इंग्लैंड में खेले तो उन्होंने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 59.30 की औसत के साथ 593 रन ठोके थे। ये सीरीज भी कोहली के लिए यादगार रही। सीरीज का पहला टेस्ट जो बर्मिंघम में खेला गया था, में कोहली ने 149 रन की पारी खेली थी। इस दौरान कोई अन्य भारतीय खिलाड़ी 26 से ज्यादा रन नहीं बना सका। तीसरे टेस्ट में भी कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की थी और 97 व 103 रन बनाए थे। हालांकि इस सीरीज में भारत को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था।

3. कोहली 2014 में पहली बार टेस्ट में कप्तानी कर रहे थे और धोनी चोटिल होने की वजह से बाहर थे। लेकिन कोहली इस बार फिर ऑस्ट्रेलिया पर हावी रहे और एडिलेड में दो शतकीय पारियां खेली। पहली इनिंग में उन्होंने 115 रन बनाए और भारत ने 444 का स्कोर बनाया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने 517/7 रन बनाकर पारी के अंत की घोषणा की। दूसरी इनिंग में ऑस्ट्रेलिया ने 290/5 बनाए थे। भारत को जीतने के लिए 362 रन की जरूरत थी और ऐसे में कोहली ने 141 रन की पारी खेली।

4. साल 2012 में ढाका में भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप के दौरान कोहली ने मैच विनिंग पारी खेली थी। पाकिस्तान ने इस मैच में 6 विकेट गंवाकर 329 रन बनाए थे। भारत ने लक्ष्य प्राप्ति के दौरान बिना रन बनाए ओपनर गौतम गंभीर का अहम विकेट खो दिया था। इसके बाद कोहली आए और उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाजों की नींद उड़ाते हुए 22 चौके और एक छक्के की मदद से अपने करियर की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली तथा 183 रन बनाए। इस मैच को भारत ने 48 ओवर में जीत लिया था।

5. कोहली ने साल 2012 में होबार्ट में सीबी सीरीज यादगार इनिंग खेली थी। कोहली ने दौरान 86 गेंदों पर 133 रन की पारी खेली जिससे भारत 37 ओवर में ही 321 रन बनाने में कामयाब रहा था। इस दौरान उन्होंने यार्कर स्पैशलिस्ट लसिथ मलिंगा को एक ओवर में 24 रन ठोके थे जो उनकी मलिंगा के खिलाफ सबसे श्रेष्ठ परफार्मेंस में से एक थी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत वापसी कर सकता है भारत, तेज गेंदबाज ने अपनी टीम को किया आगाह

सिडनी (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का मानना ??है कि न्यूजीलैंड से श्रृंखला में करारी हार से भारत का आत्मविश्वास डगमगा गया होगा, लेकिन उन्होंने अपनी टीम को आगाह करते हुए कहा कि भारतीय टीम अधिक आक्रामक होकर 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जोरदार वापसी कर सकती है। भारत को न्यूजीलैंड से तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। यह पहला अवसर है जबकि घरेलू धरती पर तीन या इससे अधिक टेस्ट मैच की श्रृंखला में उसका सूपड़ा साफ हुआ। हेजलवुड ने कहा, 'वह (भारत) घायल शेर की तरह वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगा। श्रृंखला शुरू होने पर ही हमें पता चलेगा की चीजें कैसे आगे बढ़ रही हैं। घरेलू धरती पर हार ने केवल भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास के सबसे बुरे दौर में से एक है, बल्कि इससे रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की अगले साल के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को भी करारा झटका लगा है। लगातार तीन हार का मतलब है कि भारत ने डब्ल्यूटीसी तालिका में ऑस्ट्रेलिया से अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया है।

भारत को लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पांच में से चार मैच जीतने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हेजलवुड ने कहा, ''इस करारी हार से उनका आत्मविश्वास कुछ डगमगाया होगा। उसके कुछ खिलाड़ी यहां खेल चुके हैं लेकिन कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं जिनको यहां खेलने का अनुभव नहीं है। इसलिए वह पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं होंगे कि उन्हें यहां किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यह परिणाम निश्चित रूप से हमारे लिए अच्छा होगा। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड की टीम को भी श्रेय मिलना चाहिए। उन्होंने पूरी श्रृंखला में शानदार क्रिकेट खेली। श्रृंखला तो छोड़ो भारत में एक मैच जीतना भी काफी मुश्किल होता है।